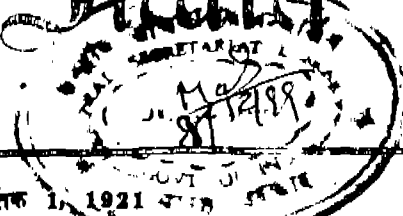




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 43]  
No. 43]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 23, 1999/कार्तिक 1, 1921  
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER, 23, 1999/KARTIKA-1, 1921

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-Section (II)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ. 2998.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा ।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली- 110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम : इंस्टीट्यूट फॉर डिजाइन आफ इलेक्ट्रिकल मेजरिंग इंस्ट्रुमेंट्स स्वातंत्र्यावीर तात्या टोपे मार्ग, चुना भट्टी, सियोन पी. ओ. मुम्बई-400022.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सूझा दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में कि आवेदन-पत्र को दिनांक को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र को छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या 1964/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एम-83/35/(1)(ii)/90]

पी. सी. बिस्वास, संयुक्त निदेशक/आयकर (छूट)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

[Office of the Director General of Income-Tax

(Exemptions)]

Calcutta, the 6th July, 1999

(Income-Tax)

S.O. 2998.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-

tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Institute for Design of Electrical Measuring Instruments, Swatantryaveer Tatya Tope marg, Chunabhatti, Sion P.O. Mumbai-400 022.

This Notification is effective for the following period: 1-4-98 to 31-3-2001.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1964/F. No. DG|M-83/(1)(ii)|90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ. 2998.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संदर्भ के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा,
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिक भवन', न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : एसोसिएटेड इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च फाउन्डेशन, 5 ए/ 1, 2 एण्ड 3, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली, -110002.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिधों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. 1965/एफ. सं. म. नि. /आ. क. (छूट)/एन. ई. -2  
35(I) (II)/(89)]

पी. सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 6th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 2999.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Associated Electronics Research Foundation,  
5A/1, 2 & 3 Ansari Road,  
Darya Ganj,  
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-98 to 31-3-2001.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1965|F. No. DG|ND-2|35(i) (ii)|89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 7 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.पा. 3000.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये भलग लेखा बहिषां रखेगा,
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'औद्योगिक भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंडियन जूट इंडस्ट्रीज रिसर्च एसोसिएशन,  
17, तारातला रोड, कलकत्ता-700088.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये सीधा सचिव, वैज्ञानिक

एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. 1966/एफ. सं. म. नि./आ.क. (छूट) डब्ल्यू बी -29/  
35 (1) (ii) /90]

पी. सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 7th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 5000.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Indian Jute Industries' Research Association,  
17, Taratola Road,  
Calcutta-700 088.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-95 to 31-3-98.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1966|F. No. DG|WB-29|CAL|35(1) (ii) |90-  
IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)



कलकत्ता, 7 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ. 3001.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : मन्दकी फाउण्डेशन, 32 बाइट हॉल, 3रा तल्ला, 143 अगस्त क्रान्ति मार्ग, केम्पस कोर्नर, मुम्बई-400036.

यह अधिसूचना दिनांक 12-12-98 से 31-3-2002 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये गये आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1967/एफ. सं. म. नि. /आ. क. (छूट)/एन.डी.-155 35(1)(ii)/98]

पी. सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, 7th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3001.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Mandke Foundation  
32 “White Hall”,  
3rd Floor, 143 August Kranati Marg, Kemp’s  
Corner,  
Mumbai-400 036.

This Notification is effective for the following period:  
12-12-98 to 31-3-2000.

Note : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1967/F. No. DG/ND-155/CAL/35(1)(ii)/98-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 7 जुलाई 1999

(आयकर)

का. आ. 3002.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली, रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ख) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : विवेकानन्द केन्द्र योगा अनुसंधान संस्थान,  
"एकनाथ भवन", 19, गवपीपुरम सर्कल,  
के.जी.नगर, बैंगलोर-560019.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1968/एफ. सं. म. नि. आ. क. (छूट)/के. टी-14/35  
(1) (ii)/89]

पी. सी. विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, 7th July, 1999

INCOME-TAX

S.O. 3002.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions)], having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Vivekananda Kendra Yoga  
Anusandhana Samsthan,  
'Eknath Bhavan',  
19, Gavipuram Circle, K.G. Ngr.  
Bangalore-560 019.

This Notification is effective for the following period:  
1-4-97 to 31-3-2000.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax [Director of Income-tax (Exemptions)] having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1968/F. No. DG/KT-14/CAL/35(1) (ii) 89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 8 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ. 3003:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा,
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महा-निदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ सैकोमेट्री, "एवरग्रीन प्लाजा" (2 से 5वां तल्ला) 117, बी. टी. रोड, कलकत्ता-700035।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1999 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संच" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. 1969/एफ. सं. स. नि.आ. क. (छूट) डब्ल्यू. बी-7/35 (1) (iii) /89]

पी. सी. बिस्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 8th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3003.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Indian Institute of Phychometry,  
'Evergreen Plaza',  
(2nd to 5th Floors),  
117, B.T. Road,  
Calcutta-700 035.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-1999 to 31-3-2002.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1969/F. No. DG|WB-7|CAL|35(1) (iii) /89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 8 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ. 3004.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू सहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महा-निदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम : नेशनल सोसाइटी फोर दी प्रीवेन्सन आफ ब्लाइंडनेस इण्डिया, डा. राजेन्द्र प्रसाद सेन्टर फोर ओपथोलमिक साइंसेस, भामस, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1999 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किप आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है ।

[सं. 1970/एफ. सं. म. नि. आ. क. (छूट) एन. डी.-42/35 (1) (ii)/89]

पी. सी. बिस्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 8th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3004.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

National Society for the Prevention of Blindness-India,

Dr. Rajendra Prasad Centre for Ophthalmic Sciences,

AIIMS, Ansari Nagar,  
New Delhi-110 029.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-1999 to 31-3-2002.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1970/F. No. DG/ND-42/CAL/35(1) (ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 12 जुलाई, 1999

Calcutta, the 12th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का. आ. 3005.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीयां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइज,  
जैन्यारजंगु सर्कल, ओसमानिया यूनिवर्सिटी  
कैंपस, हैदराबाद-500007.

यह अधिसूचना दिनांक 12-12-1998 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र का विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1971/एफ. सं. म. नि. /आ. क. (छूट) /ए. पी. -32/  
35 (1) (iii) /99]

पी. सी. विश्वाम, संयुक्त निदेशक आयकर, (छूट)

S.O. 3005.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of Accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Institute of Public Enterprise,  
Jainyarjangu Circle,  
Osmania University Campus,  
Hyderabad-500 007.

This Notification is effective for the following period from 12-12-98 to 31-3-2001.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 1971/F. No. DG|AP-32|CAL|35(1)(iii)|99-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

Calcutta, the 14th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3006.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110015 for every financial year by 31st May of each year, and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions)], having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

M.M.M. Heart Foundation and Research Centre,  
4A, Jayalalitha Nagar,  
Mogappair,  
Madras-600 050.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-97 to 31-3-1999.

**NOTE :**

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1972 F. No. DG/TN-64/CAT/35(1)(ii)/94-  
11(E)]

P. C. BISWAS, Jr. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

(आयकर)

Calcutta, the 19th June, 1999

(INCOME-TAX)

का. आ. 3007.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), - (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : हफकिन इंस्टीट्यूट फोर ट्रेनिंग रिसर्च एण्ड टेस्टिंग, पारेल, मुम्बई-400012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-99 से 31-3-2002 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजनी है।

[सं. : 1973/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)  
एम.-119/35(1)(ii)/90]

पी. सी. विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3007.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Haffkine Institute for Training,  
Research & Testing,  
Parel,  
Mumbai-400 012.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-99 to 31-3-2002.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1973|F. No. DG|M-119|CAL|35(1)(ii)|90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का. भा. 3008.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : टेक्नोलॉजिकल नर्सरी फोर ओप्टिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डी-5, द्रोनाचार्या अपार्टमेंट्स, मयूर विहार फेज I एक्स-टेंशन, दिल्ली-110091

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1974एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एन. डी.-100/35(1)(ii)/92]

पी. सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3008.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Technological Nursery for Optics Research & Development,  
D-5, Dronacharya Apartments,  
Mayur Vihar, Phase-I Extension,  
Delhi-110 091.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-97 to 31-3-2000.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations, categorised as association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1974/F. No. DG/ND-100/35(1)(ii)/92-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)



कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का. भा. 3009.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : दी फाउण्डेशन फॉर मेडिकल रिसर्च,  
84-ए, आर. जी. थाडानी मार्ग, वर्ली,  
मुम्बई-400018

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संच" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1975/एफ. सं. म. नि./आ. क.  
(छूट)/एम.-131/35(1)(ii)/90]

पी. सी. विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3009.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Foundation for Medical Research  
84-A, R.G. Thadani Marg,  
Worli,  
Mumbai-400 018.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-98 to 31-3-2001.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1975 F. No. DG|M-131|CAL|35(1)(ii)|90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

(आयकर)

का० आ० 3010.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन', म्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (ग) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : फ्लूरोसिस रिसर्च एण्ड रूरल डेवलपमेंट फाउण्डेशन, सी-II/30, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029

यह अधिसूचना दिनांक 24-10-98 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी

- : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या : 1976/एफ. सं. म. नि./मा. क.]

(छूट)/एन. डी.-159/35(1)(ii)/99]

पी. सी. विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 19th July, 1999

INCOME TAX

S.O. 3010.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION :

Fluorosis Research & Rural  
Development Foundation,  
C-II/30, Ansari Nagar,  
New Delhi-110029.

This Notification is effective for the following period:  
from 24-10-98 to 31-3-2000.

## NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1976/F. No. DG/ND-159/CAL/35(1)(ii)/99  
IT(E)]P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का.आ. 3011.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा—परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : डाबर रिसर्च फाउण्डेशन,  
8/3, असफ अली रोड,  
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—1. उपयुक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं० : 1977/एफ. सं. म. नि./आ. क.

(छूट)/एन. डी.-84/35(1)(ii)/90]

पी. सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3011.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Dabur Research Foundation,  
8/3, Asaf Ali Road,  
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-98 to 31-3-2001.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisation categorised as Association.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1977/F. No. DG/ND-84/CAI/35(1)(ii)/90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jr. Director of Income-tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का. आ. 3012.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्थान' के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रोद्योगिक भवन,' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम : के. ई. एम. हास्पिटल रिसर्च सेंटर,  
सरदार मुदलीअर रोड, रास्तापेठ,  
पूना-411011

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-99 से 31-3-2002 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है । उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है ।

[सं० : 1978/एफ. सं. म. नि./मा. क.  
(छूट)/एम.-20/35(1)(ii)/89]

पी. सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3012.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

K.E.M. Hospital Research Centre,  
Sardar Mudliar Road,  
Rastapeth,  
Pune-411 011.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-99 to 31-3-2002.

Note : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having justification over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 1978/F. No. DG|M-20|CAL|35(1)(ii)|89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का.आ. 3013.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर संस्थान के संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियार रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35-(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : श्रीराम सांस्कृतिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च फाउण्डेशन, संस्कृतभवन, शण्डेवाला, नई दिल्ली-110055

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-99 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी: 1. उपयुक्त शर्त (1) 'बंध' जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिशों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं० : 1979/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एन. डी.-87/35(1)(ii)/90]

पी. सी. बिस्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3013.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Shriram Scientific and Industrial Research Foundation,  
Sanskrit Bhawan,  
Shandewalan,  
New Delhi-110 055.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-99 to 31-3-2000.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1979 F. No. DG/ND-87/CAL/35(1)(ii)/90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का.आ. 3014:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिक भवन', न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम : टुबरकुलोसिस रिसर्च सेंटर, सी/प्रो श्री के. जे. मेहता टी. बी. हॉस्पिटल, आमरगध-364210, डीस्ट, भावनगर ।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-99 से 31.3.2002 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की प्रति विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है ।

[सं० : 1980/एफ. सं. म. नि./आ. क.  
(छूट)/जी.-2/35(1)(ii)/89]

पी. सी. बिस्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3014.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Tuberculosis Research Centre,  
C/o Shri K. J. Mehta T.B. Hospital,  
Amargadh-364 210,  
Dist. Bhav Nagar.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-99 to 31-3-2002.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as 'Associations'.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1980/F. No. DG/G-2/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

(आयकर)

Calcutta, the 19th July, 1999

(INCOME-TAX)

का. आ. 3015.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीयां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग्स, डा. एच. एल. राय बिल्डिंग, राजा सुबोध मल्लिक रोड, कलकत्ता-700032.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-99 से 31-3-2002 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[मं० 1981/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/डब्ल्यू. बी.-1/35(1)(ii) 89]

पी. सी. विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3015.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Indian Institute of Chemical Engineers,  
Dr. H. L. Roy Building,  
Raja Subodh Mullick Road,  
Calcutta-700 032.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-99 to 31-3-2002.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1981/F. No. DG|WB-1|CAL|35(1)(ii)|89-IT(E)]

P:- C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आसक्त)

(INCOME-TAX)

क. आ. 3016.—संस्थानों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियमों के नियम 6 के अधीन विहित अधिकारी द्वारा निर्धारित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीखा रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिन्हें क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिक्तियाँ भरी जायें संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी,  
आरुणा असाफ अली मार्ग,  
नई दिल्ली-110067.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-1999 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गत (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिशतों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या 1982/एफ. सं. मा. नि./आ. क.  
(छूट)/एन. डी. 34/35(1)(ii)/89]  
पी. सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3016.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

National Institute of Immunology,  
Aruna Asaf Ali Marg,  
New Delhi-110 067.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-96 to 31-3-1999.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1982/F. No. DG/ND-34/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)



कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

Calcutta, the 19th July, 1999

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का. आ. 3017.—सर्वसाधारण को एवद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीखा रखावे।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सर्वोच्च वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिक्त, किम्वद गवा संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित अन्वय्य हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : दी. के. आर. कामा ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट,  
136, बम्बे-समाचार मार्ग, ओपो. लाबन  
गेट, फोर्ट, मुम्बई-400023.

यह प्रारम्भिकता दिनांक 1-4-98 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचना दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. 1983/एफ. सं. म. नि./आ. क.  
(छूट)/एम.-89/35(1)(iii)/90]

पी. सी. बिस्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

S.O. 3017.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New-Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

The K. R. Cama Oriental Institute,  
136, Bombay Samachar Marg,  
Opp. Lion Gate,  
Fort Mumbai-400023.

This Notification is effective for the following period:  
from 1-4-98 to 31-3-2000.

#### NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1983/F. No. DG|M-89|CAL|35(1)(iii)|90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1999

( आयकर )

का. आ. 3018:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वाटरफॉल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर,  
"वाटरफॉल्स"

जे-29, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-I,  
नई दिल्ली-110049

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की प्रति विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग  
के पास भेजना है।

[सं० : 1984/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एन.  
डी.-125/35(1)(ii)/94]  
पी. सी. विष्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 19th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3018.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Waterfalls Institute of Technology Transfer,  
"Waterfalls",  
J-29, South Extension Part I,  
New Delhi-110049.

This Notification is effective for the following period : From 1-4-96 to 31-3-99.

NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application

for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1984/F. No. DG/ND-125/CAL/35(1)(ii)/94-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions).

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1999

( आयकर )

का. आ. 3019 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “विश्वविद्यालय” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली — 110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी तामिलनाडु डा. एम. जी. आर. मेडिकल यूनिवर्सिटी, 40, अन्ना सालाई, गुड्डली, चेन्नई-600032।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम

से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं० : 1985/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट.)/टी. एन. - 34/35(1)(ii)/90]

पी. सी. विष्णुम, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 20th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3019.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category University subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

The Tamil Nadu Dr. M.G.R. Medical University, 40, Anna Salai, Guindy, Chennai-600 032.

This Notification is effective for the following period from 1-4-97 to 31-3-2000.

NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions),

Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1985/F. No. DG/TN-34/C&I/35(1)(ii)/90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1999

(आयकर)

का०आ० 3020. —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (3) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए खर्च लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्व किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : टी वी एस एजुकेशनल सोसाइटी, "जयलक्ष्मी इस्टेट्स" नं० 8 हददुस रोड, चेन्नई-600006

यह अधिसूचना दिनांक 12-12-98 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने

के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं० : 1986/ए.स.म.नि./आ.क. (छूट)/डी.एन.-84/35(1)

(iii)/99]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 20th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3020.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

TVS Educational Society,  
"Jayalakshmi Estates",  
No. 8 Haddows Road,  
Chennai-600 006.

This Notification is effective for the following period : From 12-12-98 to 31-3-2000.

NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of

Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1986/F. No. DG/TN-84/Cal/35(1)(iii)/90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions).

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1999

(आयकर)

का०आ० 3021.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा

संगठन का नाम: डा० रेड्डीस रिसर्च फाउण्डेशन, 7-1-27, अमीरपेट, हैदराबाद-500016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर-आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की

अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1987/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/ए.पी.-17/35(1)(ii)/89]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 20th July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3021.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Association' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Dr. Reddy's Research Foundation,  
7-1-27, Ameerpet,  
Hyderabad-500 016.

This Notification is effective for the following period : From 1-4-98 to 31-3-2001.

NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of

Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1987/F. No. DG/AP-17/Cal/35(1)(ii)|89-IT(E)]

P. C BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 21 जुलाई, 1999

(आयकर)

का०आ०3022:—वर्तमानसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के मण्ड (2) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन "न्यू मेहरोली रोड", नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवेदन-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: दी गुजरात कैंसर सोसाइटी, एन०सी०एच० कम्पाउण्ड, आसरवा, अहमदाबाद-380016।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों

में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करता है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1988/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जी-22/35(1)(ii) 89)]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 21st July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3022.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

The Gujarat Cancer Society,  
N.C.H Compound,  
Asarwa,  
Ahmedabad-380 016.

This Notification is effective for the following period :

From 1-4-98 to 31-3-2001.

NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of

Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1988|F. No. DG|G-22|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 23 जुलाई, 1999

(आयकर)

का०आ० 3023:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के संवर्ग के अर्धीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन “न्यू मेहरोली” रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: लालभाई दलपतभाई इंडस्ट्रियल ऑफ इंडोलॉजी  
नीयर गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद-  
380009।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की विभाग को

प्रस्तुत करना है। उक्त आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1989/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जी-69/35(1)(iii)/94]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 23rd July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3023.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category ‘Institution’ subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Lalbai Dalpatbhai Institute of Indology,  
Near Gujarat University,  
Ahmedabad-380 009.

This Notification is effective for the following period :

From 1-4-98 to 31-3-99.

NOTE :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the

organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1989/F. No. DC/CG-69/(Cal)35(1)(iii)94-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 23 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ.3024 :— सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बही रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एण्ड रिसर्च सेंटर, सिविल हास्पिटल, अहमदाबाद -380016.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता

को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजनी है।

[संख्या : 1990.एफ.सं.म.नि./आ.क./(छूट)/जी-63/35-(1)(ii)/93]

पी.सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 23rd July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3024.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category ‘Institution’ subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Institute of Cardiology & Research Centre,  
Civil Hospital,  
Ahmedabad-380 016.

This Notification is effective for the following period :  
From 1-4-98 to 31-3-2001.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director



General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1990|F. No. DG|G-63 Cal|35(1) (ii)|93-IT(E)]  
P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax

कलकत्ता, 23 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ. 3025.— सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन की आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” के संवर्ग के अधीन अनुमोदन किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग से लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन “न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर-आयुक्त/आयकर-महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : मद्रास इंस्टीच्यूट ऑफ मैग्नेटोब्योलॉजी,  
52-ए.के. ब्लॉक, 7 वां मेन रोड,  
अन्ना नगर, चेन्नई-600040.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1999 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर-आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में

आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या : 1991/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/टी.एन.-19/  
35 (1) (ii)/89]

पी.सी. बिस्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)  
Calcutta, the 23rd July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3025.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section(1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Association' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Madras Institute of Magnetobiology,  
52-A, A. K. Block,  
7th Main Road, Anna Nagar,  
Chennai-600 040.

This Notification is effective for the following period :  
From 1-4-99 to 31-3-2001.

#### Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemp-

tious) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1991/F. No. DG/TN-19/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 23 जुलाई, 1999

(आयकर)

का. आ. 3026.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन," न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली, 110016 को भेजेगा और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : दी कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड एग्रीकल्चरल रिसर्च, ताल : मुधोल, जिला, बीजापुर, समीरवादी-587316, कर्नाटक इस्टेट,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को

प्रस्तुत करना है। इस आवेदन पत्र की छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. 1992/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) के. टी. 11/35(1)(ii)/89]

पी.सी. बिश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 23rd July, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3026.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Association' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

The Karnataka Institute of Applied Agricultural Research.

Tal : Mudhol, Distt. Bijapur,

Sameerwadi-587 316,

Karnataka State.

This Notification is effective for the following period :  
From 1-4-97 to 31-3-2000.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of

Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1992/F. No. DG/KT-II/Cal/35(1)(ii)|89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 23 जुलाई, 1999

(आयकर)

का.आ. 3027.—नर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली, 110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा—परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम :— इंडियन कैंसर सोसाइटी, 74, जेरबाई वाडिया रोड, पारेल, मुम्बई-400012.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-99 से 31-3-2002 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर/आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है को माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को हीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र

की विभाग को प्रस्तुत करना है। इस आवेदन पत्र छः को प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या : 1993/एफ. स. म. नि. आ. क. (छूट) एम. 59/35 (1) (ii) 89]

पी.सी. विश्वास, संयुक्त निदेशक (छूट)

Calcutta, the 23rd July, 1999

(Income-Tax)

S.O. 3027.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Indian Cancer Society,

74, Jerbai Wadia Road,

Parel, Mumbai-400 012.

This Notification is effective for the following period :  
From 1-4-99 to 31-3-2002.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent

directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1993/F.No.DG/M-59/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 3 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3028 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा)
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंडो फ्रेंच सेंटर फोर दी प्रोमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, कोर ए, ग्राउण्ड फ्लोर, इंडिया हाबिटेट सेंटर, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को

प्रस्तुत करना है। उक्त आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1994/एफ. सं. म. नि./आ.क. (छूट)/एन.डी.-110/35 (1)(ii)/93]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 3rd August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3028.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Association' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions)], having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Indo-French Centre for the promotion of Advanced Research Core A. Ground Floor, India Habitat Centre, Lodhi Road, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the following period :  
From 1-4-98 to 31-3-2000.

#### Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions)] having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for

extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1994/F. No. DG/ND-110.Cal/35(1)(ii)/93/IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 3 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3029:—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियान रखेगा,
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्व किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: स्पीक साइंस फाउण्डेशन, 97, माउण्ट रोड, गुड्डडी, चेन्नई-32।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-99 से 31-3-2002 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझा दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा

सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1995/एफ. सं. म. नि./आ.क. (छूट)/टी.एन.-10/35 (1)(ii)/89]

पी०सी० विमवास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 3rd August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3029:—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Spic Science Foundation,  
97, Mount Road,  
Guindy, Chennai-32.

This Notification is effective for the following period :  
From 1-4-99 to 31-3-2002.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent

directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1995/F. No. DG/TN-10/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 6 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3030:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षी वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षी आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: इन्तार फाउण्डेशन रिसर्च सेंटर, नेशनल हाईवे नं० 8, बिलेज धारागीर, पी०ओ० कबलीपोर, वाया नवसारी-396424, गुजरात,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र को छः प्रतियां

अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1996/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जी-61/35(1)(ii)/92]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 6th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3030.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan," New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION:

Enar Foundation Research Centre,  
National Highway No. 8,  
Village Dharagire,  
P. O. Kablipore,  
Via Navsari-396424,  
Gujarat.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-97 to 31-3-2000.

- Note: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1996/F. No. DG/G-61/CAL/35(1)(ii)/92-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 6 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3031:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित

प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसचें किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिस्सा को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: दी स्पैस्टिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, अपर कोलाबा रोड, प्रोपो० अफगान चर्च, कोलाबा, बम्बे-400005।

यह अध्यादेश दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. 1997/एफ.सं.म.नि./आ.क.(छूट)/एम.-52/35(1)  
(ii)/89]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निवेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 6th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3031.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of

section 35 of the Income-tax Act 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions.

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION:

The Spastics Society of India,  
Upper Colaba Road,  
Opp. Afghan Church,  
Colaba,  
Bombay-400005.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-96 to 31-3-99.

Note: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1997/F. No. DG/M 52/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)  
P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)]

कलकत्ता, 6 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3032:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक

अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंटरनेशनल बोर्ड ऑफ योगा, योगा भवन, प्राभात काली, सैंटाक्रुज (ईस्ट), बाम्बे-400055।

यह अधिसूचना दिनांक 6-7-97 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/ आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1998/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एम.-204/35(1) (iii)/97]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 6th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3032.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION:

International Board of Yoga,  
Yoga Bhawan,  
Prabhat Colony,  
Santacruz (East),  
Bombay-400055.

This Notification is effective for the following period:  
From 6-7-97 to 31-3-99.

Note: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1998/F. No. DG/M-204/CAL/35(1)(iii)/97-II(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 11 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3033 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरावली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : श्री चीनरा तिरुत्तल इन्स्टीट्यूट फॉर मेडीकल लाइसेंस एंड टेक्नोलॉजी, निरीखरम-695011।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/ आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में



संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 1999/एफ. सं.म.नि./आ.क. (छूट)/के.-11/35(1)

(ii)/90]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 11th August, 1999

#### (INCOME-TAX)

S.O. 3033.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, under the category 'Institution' subject to the following conditions:

- The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology, Trivandrum-695011.

This Notification is effective for the following period.  
From 1-4-96 to 31-3-99.

Note: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1999/F. No. DG/K-11/CAI/35(1)(ii)/90-IT(E)]  
P.C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 11 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3034:—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित

प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: कैभल्याधमा श्रीमन् माधावा योगा मंदिर समिति, लोनाभला-410403, डिस्ट्रिक्ट-पूना।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-2001 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की प्रति विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 2000/एफ. सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एम.-19/35(1)  
(ii)/89]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 11th August, 1999

#### (INCOME-TAX)

S.O. 3034.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of

section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan," New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION:

Kaivalyadhama Shriman Madhava Yoga Mandir Samiti,  
Lonavla-410403,  
Dist-Pune.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-98 to 31-3-2001.

Note: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 2000/F. No. DG/M-19/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 11 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3035 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक

अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : कोनवेस्ट जैन मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,  
8/10, एम०भी० सोभानी पथ, निकाबवारी  
लाईन, गोरगम, मुम्बई-400004।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पाम भेजना है।

[सं. : 2001/एफ. सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एम-30/35(1)  
(ii)/89]

पी०सी० बिश्वास, संयुक्त निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 11th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3035.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Association' subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan," New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION:

Conwest Jain Medical Research Society,  
8/10, S. V. Sovani Path,  
Nikadwari Lane,  
Girgaum,  
Mumbai-400004.

This Notification is effective for the following period:  
From 1-4-98 to 31-3-99.

Note: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 2001/F. No. DG/M-30/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]  
P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 13 अगस्त, 1999

(आयकर)

का.सं. 3036.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: स्पैन रिसर्च सेंटर, 174, नई इंडस्ट्रियल इस्टेट, उदना-394210, (सूरत), इंडिया।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की प्रति विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. : 2002/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जी०-19/35(1)  
(ii)/89]

पी०सी० बिश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 13th August, 1999

## INCOME-TAX

S.O. 3036.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category ‘Association’ subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION:

SPAN RESEARCH CENTRE  
174, New Industrial Estate,  
UDHNA-394210. (Surat) India.

This Notification is effective for the following period:

From 1-4-96 to 31-3-99

- Note: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.  
2. The organisation is advised to apply in

triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 2002/F. No. DG/G-19/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 अगस्त, 1999

(आयकर)

कां०आ० 3037:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया संशोधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित अय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : आई०सी०आई० इंडिया रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी सेंटर, पोस्ट ऑफिस बॉक्स नं० 155, थाने बेलापुर रोड, थाने-400601, महाराष्ट्र

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की शर्तों को ध्यान में रखते हुए आयकर आयुक्त/

आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की प्रति विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं० : 2003/एफ.सं.म.नि./आ.क.(छूट)/एम-88/35(1)(ii)/90]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 19th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3037.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category ‘Association’ subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

ICI INDIA RESEARCH & TECHNOLOGY CENTRE,  
Post Office Box No. 155,  
Thane Belapur Road,  
Thane-400601,  
MAHARASHTRA.

This Notification is effective for the following period :

From 1-4-94 to 31-3-97,

Note : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 2003/F. No. DG/M-88/CAL/35(1)(ii)/90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 21 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3038:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : सेंटर फोर डेवलपमेंट स्टडीज एण्ड ऐक्टिविटी-टीजस, फ्लैट नं० 8, 15 वॉ लॉर्डन, प्रभात रोड, पुना-411004।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की प्रति विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं० : 2004/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एम-114/35(1)(iii)/90]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 21th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3038.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category ‘Institution’ subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

CENTRE FOR DEVELOPMENT STUDIES AND ACTIVITIES,  
Flat No. 8, 15th Lane,  
Prabhat Road, PUNE-411004.

This Notification is effective for the following period :

From 1-4-96 to 31-3-99.

Note : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 2004|F. No. DG|M-114|CAL|35(1)(iii)|90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3039.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

न का नाम : ज्ञाना प्राबोधनी संशोधन संस्था, ज्ञाना प्राबोधनी भवन, 510 सदाशिव पथ, पूना-411030 (महाराष्ट्र)।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/

आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गये आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या : 2005/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एम.-71/35(1)(iii)/89]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 25th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3039.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Jana Prabodhini Samshodhan Sanstha. Jnana Prabodhini Bhavan, 510 Sadashiv Peth, Pune-411 030 (Maharashtra).

This Notification is effective for the following period :

From 1-4-98 to 31-3-99.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions),

Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 2005 F. No. DG|M-71|CAL|35(1)(iii)|89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of  
Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3040.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : नेशनल टी रिसर्च फाउण्डेशन (एन०टी० आर०एफ०), सी०/ओ० टी० बोर्ड, 14, बी०टी०एम० सरानी, 5 वां फ्लोर, कलकत्ता-700001.

यह अधिसूचना दिनांक 1-8-97 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में

संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गये आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या : 2006/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/इस्यू.बी-60/35  
(1)(ii)/98]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 25th August, 1999  
(INCOME-TAX)

S.O. 3040.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Account for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

National Tea Research Foundation (NTRF),  
C/o Tea Board, 14, B.T.M. Sarani, 5th Floor,  
Calcutta-700 001.

This Notification is effective for the following period :

From 1-8-97 to 31-3-99.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director

General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 2006/F. No. DG|WB-60|CAL|35(1)(ii)|98-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०अ० 3041 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : सोसाइटी फोर कंप्यूटर टेक्नोलॉजी एण्ड रिसर्च, सर्वे नं० 27, पुना-सतारा रोड, धनकावदी, पुना-411043।

यह अधिचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संवर्ग" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के आयकर आयुक्त/

आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र को छः प्रति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या : 2007/एफ. सं. म.नि./अ.क. (छूट)/एम.-102/35(1)(ii)/90]

पी० सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 25th August, 1999  
(INCOME-TAX)

S.O. 3041.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, & (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Accounts in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Society for Computer Technology and Research, Survey No. 27, Pune-Satara Road, Dhankavdi, Pune-411 043.

This Notification is effective for the following period :

From 1-4-96 to 31-3-97.

Note :

1. Condition (1) above will not apply to organisations categorised as Association.



2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 2007/F. No. DG|M-102|CAL|35(1)(ii)|  
90-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 30 अगस्त, 1999

(आयकर)

का०आ० 3042.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संव” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिसके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डायलैसिस एण्ड रिसर्च  
सेन्टर, सिविल हॉस्पिटल कैम्पस,  
अहमदाबाद-380016।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-98 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संव” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[सं. 2008/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जी०-1/35(1)  
(ii)/89]

पी०सी० विश्वास, संयुक्त निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 30th August, 1999

(INCOME-TAX)

S.O. 3042.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate Books of Accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Research Activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Kidney Diseases and Research  
Centre, Civil Hospital Campus, Ahmedabad-  
380 016.

This Notification is effective for the following period :

From 1-4-98 to 31-3-99.

Note :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as Association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 2008/F. No. DG/G-1.CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]

P. C. BISWAS, Jt. Director of Income-Tax (Exemptions)

आदेश

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1999

का०आ० 3043.—अतः संयुक्त सचिव, भारत सरकार जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा की उप-धारा (1) के अन्तर्गत विशेष रूप से शक्ति प्रदान की गई है, ने उक्त उप-धारा के अधीन आदेश फाइल सं० 673/65/99-सी-यू-एस०-VIII दिनांक 2-9-99 जारी किया और यह निर्देश दिया कि श्री एस० नजीमुद्दीन सुपुत्र स्व० श्री मोहम्मद शमसुद्दीन पता : नं० 9, दूमरा तल, मोहम्मथीर जैन, टाऊन माल रोड, मडुरै, तमिलनाडु। नेटिव स्थान का पता : नं० 14/83-ए० (नया नं० 5/83-ए०), ईस्ट स्ट्रीट, किलाकारी, जि० रामनाद, तमिलनाडु को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार मडुरै में अभिरक्षा में रखा जाए जिससे कि उन्हें भविष्य में चीजों की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. अतः केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या स्वयं को छिपा रखा है जिससे कि यह आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता।

3. अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्वोक्त व्यक्ति को यह निर्देश देती है कि वह शासकीय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, मडुरै के सम्मुख उपस्थित हो।

[फा. सं० 673/65/99-सी-यू-एस०-VIII]

प्रकाश चन्द्र, उप सचिव

## ORDER

New Delhi, the 11th October, 1999

S.O. 3043.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/65/99-Cus. VIII dated 2-9-1999 under the said sub-section directing that Shri S. Najimudeen S/o Late Mohamed Shamsudeen; Address : No. 9, 2nd Floor, Mohamathiar Lane, Town Mall Road, Madurai-1, Tamil Nadu; Native Place Address : No. 14/83-A (New No. 5/83-A), East Street, Kilakarai, Ramnad District, Tamil Nadu be detained and kept in custody in the Central Prison, Madurai with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Madurai within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/65/99-Cus. VIII]  
PARKASH CHANDRA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1999

का०आ० 3043.—अतः संयुक्त सचिव, भारत सरकार जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा की उप-धारा (1) के अन्तर्गत विशेष रूप से शक्ति प्रदान की गई है, ने उक्त उप-धारा के अधीन आदेश फाइल सं० 673/64/99-सी-यू-एस०-VIII, दिनांक 26-8-99 जारी किया और यह निर्देश दिया कि श्रीमती सुभन मोंगा पत्नी श्री मदन कुमार मोंगा पता : ए०जे०-60 बी, शालीमार भाग, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़ नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए जिससे कि उन्हें भविष्य में चीजों की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. अतः केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या स्वयं को छिपा रखा है जिससे कि यह आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता।

3. अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्वोक्त व्यक्ति को यह निर्देश देती है कि वह शासकीय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित

होने के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के सम्मुख उपस्थित हो।

[फा० सं० 673/64/99-जी.यू.एस०-VIII]

एम०एस० नेगी, अवर सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 12th October, 1999

S.O. 3044.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/64/99-Cus. VIII dated 26-8-99 under the said sub-section directing that Smt. Suman Monga, W/o Sh. Madan Kumar Monga, R/o. AJ-60B, Shalimar Bagh, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from Smuggling goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/64/99-Cus. VIII]

M. S. NEGI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1999

का०आ० 3045.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च 2003 तक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, राजनंद गांव, मध्यप्रदेश पर लागू नहीं होंगे।

[फा० सं० 1(38)/99-ए०सी०]

एल०सी० दूरा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 28th September, 1999

S.O. 3045.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit,

Rajnandgaon, M.P. from the date publication of this notification in the Official Gazette up to 31st March, 2003.

[F. No. 1(38)/99-AC]

L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1999

का.आ. 3046.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च 2002 तक नागालैंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लि., दीमापुर, नागालैंड राज्य पर लागू नहीं होंगे।

[फा. सं. 1 (39)/99-ए.सी.]

एल. सी. दूरा, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1999

S.O. 3046.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to The Nagaland State Co-op. Bank Ltd., Dimapur, Nagaland State from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto 31st March, 2002.

[F. No. 1(39)/99-AC]

L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1999

का.आ. 3047.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च 2003 तक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लि., गोरखपुर, उत्तर प्रदेश पर लागू नहीं होंगे।

[फा. सं. 1 (40)/99-ए.सी.]

एल. सी. दूरा, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1999

S.O. 3047.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Zila Sahakari Bank Ltd., Gorakhpur,

U.P. from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto 31st March, 2003.

[F. No. 1(40)/99-AC]  
L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3048.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध में सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च 2003 तक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, नरसिम्हापुर (म.प्र.) पर लागू नहीं होंगे।

[फा.सं. 1 (32) 99-ए.सी.]  
एल.सी. टूरा, अव्वर सचिव

New Delhi, the 1st October, 1999

S.O. 3048.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Narsinghpur, Madhya Pradesh from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto 31st March, 2003.

[F. No. 1(32)/99-AC]  
L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3049.— बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च 2003 तक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, गुना (म.प्र.) पर लागू नहीं होंगे।

[फा.सं. 1 (33)/99-ए.सी.]  
एल.सी. टूरा, अव्वर सचिव

New Delhi, the 1st October, 1999

S.O. 3049.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central

Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Guna, (Madhya Pradesh) from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto 31st March, 2003.

[F. No. 1(33)/99-AC]  
L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3050.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च 2001 तक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित विदिशा (म.प्र.) पर लागू नहीं होंगे।

[फा.सं. 1 (34)/99-ए.सी.]  
एल.सी. टूरा, अव्वर सचिव

New Delhi, the 1st October, 1999

S.O. 3050.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Vidisha, (Madhya Pradesh) from date of publication of this notification in the Official Gazette upto 31st March, 2001.

[F. No. 1(34)/99-AC]  
L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3051.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 2003 तक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सागर (म.प्र.) पर लागू नहीं होंगे।

[फा.सं. 1 (35)/99-ए.सी.]  
एल.सी. टूरा, अव्वर सचिव

New Delhi, the 1st October, 1999

relate to its holding shares in the Nainital Bank Limited.

[F. No. 15/8/96-BOA]

C. L. SHARMA, Under Secy.

S.O. 3051.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Sagar, (Madhya Pradesh) from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto 31st March, 2003.

[F. No. 1(35)/99-AC]

L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3052.— बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध बैंक आफ बड़ौदा पर 15 अगस्त, 2001 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका सम्बन्ध नैनीताल बैंक लि. शेयरों की उसकी धारिता से है।

[फा.सं. 15/8/96-बी.ओ.ए.]

सी.एल. शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 7th October, 1999

S.O. 3052.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to Bank of Baroda upto 15th August, 2001 in so far as they

New Delhi, the 11th October, 1999

S.O. 3053.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri V. P. Shetty, presently General Manager, Vijaya Bank as a whole time director (designated as the Executive Director) of UCO Bank, for a period of five years from the date of his taking charge.

[F. No. 9/5/98-B.O.I]

D. CHOUDHURY, Under Secy.

(ग्रन्थ विभाग)

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3054. राष्ट्रपति, एतद्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 77 की धारा (3) के अनुसरण में विधायक शक्तियों के प्रत्यायोजन नियमावली, 1978 में तदन्तर संशोधन के लिये निम्नलिखित नियमों को बनाते हैं, नामतः—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विधायक शक्तियों के प्रत्यायोजन (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 1999 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. विधायक शक्तियों के प्रत्यायोजन नियम, 1978 की अनुसूची-VI में, मारणी नीचे के "टिप्पण" में "3.50 रुपये" शब्द और अंक के स्थान पर "5.00 रुपये" शब्द और अंक रखे जायेंगे।

[सं. एक 1(14)/संस्था II (क)/98]

रुबीना अली, अवर सचिव

टिप्पणी :—दिनांक 22 जुलाई, 1978 की अधिसूचना संख्या एस.ओ. 2131 के अन्तर्गत प्रकाशित विनियम शक्तियों के प्रत्यायोजन नियमावली, 1978 का भाव में निम्नवत संशोधन किया गया है :—

- (1) अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1187, दिनांक 9-6-1979
- (2) " संख्या एस.ओ. 2942, दिनांक 1-9-1979
- (3) " संख्या एस.ओ. 2611, दिनांक 4-10-1980
- (4) " संख्या एस.ओ. 2164, दिनांक 15-8-1981
- (5) " संख्या एस.ओ. 2304, दिनांक 5-9-1981
- (6) " संख्या एस.ओ. 3073, दिनांक 4-9-1982
- (7) " संख्या एस.ओ. 4171, दिनांक 11-12-1982
- (8) " संख्या एस.ओ. 1314, दिनांक 26-2-1983
- (9) " संख्या एस.ओ. 2502, दिनांक 4-8-1984
- (10) " संख्या एस.ओ. 22, दिनांक 5-1-1985
- (11) " संख्या एस.ओ. 1958, दिनांक 11-5-1985
- (12) " संख्या एस.ओ. 3082, दिनांक 6-7-1985
- (13) " संख्या एस.ओ. 3974, दिनांक 24-8-1985
- (14) " संख्या एस.ओ. 5641, दिनांक 21-12-1985
- (15) " संख्या एस.ओ. 1548, दिनांक 19-4-1986
- (16) " संख्या एस.ओ. 3183, दिनांक 20-9-1986
- (17) " संख्या एस.ओ. 3787, दिनांक 8-11-1986
- (18) " संख्या एस.ओ. 2508, दिनांक 19-9-1987
- (19) " संख्या एस.ओ. 3092, दिनांक 7-11-1987
- (20) " संख्या एस.ओ. 3581, दिनांक 10-12-1988
- (21) " संख्या एस.ओ. 641, दिनांक 17-3-1990
- (22) " संख्या एस.ओ. 1469, दिनांक 26-5-1990
- (23) " संख्या एस.ओ. 2173, दिनांक 18-8-1990
- (24) " संख्या एस.ओ. 3033, दिनांक 17-11-1990
- (25) " संख्या एस.ओ. 3414, दिनांक 22-12-1990
- (26) " संख्या एस.ओ. 534, दिनांक 23-2-1991
- (27) " संख्या एस.ओ. 2235, दिनांक 24-8-1991
- (28) " संख्या एस.ओ. 547(ई), दिनांक 24-7-1992
- (29) " संख्या एस.ओ. 466, दिनांक 13-3-1993
- (30) " संख्या एस.ओ. 1292, दिनांक 12-6-1993
- (31) " संख्या एस.ओ. 685, दिनांक 12-3-1994
- (32) " संख्या एस.ओ. 1232, दिनांक 28-5-1994
- (33) " संख्या एस.ओ. 1945, दिनांक 13-8-1994
- (34) " संख्या एस.ओ. 2451, दिनांक 24-9-1994
- (35) " संख्या एस.ओ. 174, दिनांक 28-1-1995
- (36) " संख्या एस.ओ. 670, दिनांक 26-9-1996
- (37) " संख्या एस.ओ. 665(ई), दिनांक 5-8-1998
- (38) " संख्या एस.ओ. 1835, दिनांक 7-9-1998
- (39) " संख्या एस.ओ. 2274, दिनांक 5-3-1999

## (Department of Expenditure)

New Delhi, the 12th October, 1999

S. O. 3054. — In pursuance of clause (3) of Article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978 namely :—

1. (1) These rules may be called the Delegation of Financial Powers (2nd amendment) Rules, 1999.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In Schedule VI of Delegation of Financial Powers Rules, 1978, in the Note below the Table, for the words and figures "Rs. 3.50" the words and figures "Rs. 5.00" shall be substituted.

[No. F. 1(14)/E II (A)/98]

Smt. RUBINA ALI, Under Secy.

Foot note :—The Delegation of Financial Powers Rules, 1978 published vide S.O. No. 2131, dated 22nd July, 1978 have subsequently been amended by :—

- (i) Notification No. S.O. 1187, dated 9-6-1979.
- (ii) Notification No. S.O. 2942, dated 1-9-1979.
- (iii) Notification No. S.O. 2611, dated 4-10-1980.
- (iv) Notification No. S.O. 2164, dated 15-8-1981.
- (v) Notification No. S.O. 2304, dated 5-9-1981.
- (vi) Notification No. S.O. 3073, dated 4-9-1982.
- (vii) Notification No. S.O. 4171, dated 11-12-1982.
- (viii) Notification No. S.O. 1314, dated 26-2-1983.
- (ix) Notification No. S.O. 2502, dated 4-8-1984.
- (x) Notification No. S.O. 22, dated 5-1-1985.
- (xi) Notification No. S.O. 1958, dated 11-5-1985.
- (xii) Notification No. S.O. 3082, dated 6-7-1985.
- (xiii) Notification No. S.O. 3974, dated 24-8-1985.
- (xiv) Notification No. S.O. 5641, dated 21-12-1985.
- (xv) Notification No. S.O. 1548, dated 19-4-1986.
- (xvi) Notification No. S.O. 3183, dated 20-9-1986.
- (xvii) Notification No. S.O. 3787, dated 8-11-1986.
- (xviii) Notification No. S.O. 2508, dated 19-9-1987.
- (xix) Notification No. S.O. 3092, dated 7-11-1987.
- (xx) Notification No. S.O. 3581, dated 10-12-1988.
- (xxi) Notification No. S.O. 641, dated 17-3-1990.
- (xxii) Notification No. S.O. 1469, dated 26-5-1990.
- (xxiii) Notification No. S.O. 2173, dated 18-8-1990.
- (xxiv) Notification No. S.O. 3033, dated 17-11-1990.
- (xxv) Notification No. S.O. 3414, dated 22-12-1990.
- (xxvi) Notification No. S.O. 534, dated 28-2-1991.
- (xxvii) Notification No. S.O. 2235, dated 24-8-1991.
- (xxviii) Notification No. S.O. 547 (E) dated 24-7-1992.
- (xxix) Notification No. S.O. 466, dated 13-3-1993.
- (xxx) Notification No. S.O. 1292, dated 12-6-1993.
- (xxxi) Notification No. S.O. 685, dated 12-3-1994.
- (xxxii) Notification No. S.O. 1232, dated 28-5-1994.
- (xxxiii) Notification No. S.O. 1945, dated 13-8-1994.
- (xxxiv) Notification No. S.O. 2451, dated 24-9-1994.
- (xxxv) Notification No. S.O. 174, dated 28-1-1995.
- (xxxvi) Notification No. S.O. 670, dated 26-9-1996.
- (xxxvii) Notification No. S.O. 665 (E) dated 5-8-1998.
- (xxxviii) Notification No. S.O. 1835, dated 7-9-1998.
- (xxxix) Notification No. S.O. 2274, dated 5-8-1999.

(बीमा खंड)

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3055.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम, वर्ग 3 और 4 कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 13 के उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्धारित करती है कि वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारियों में से प्रत्येक को 1 अप्रैल, 1998 को आरम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1999 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए बोनस के बदले में संवाय, उक्त उपनियम में अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, उसके संबलम के 15 प्रतिशत की दर पर किया जाएगा।

[फा.सं. 2(15)/बीमा-III/96]

खड्ग सिंह, अधर सचिव

(Insurance Division)

New Delhi, the 13th October, 1999

S.O. 3055.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 13 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, the Central Government hereby determine that, subject to the other provisions of the said sub-rule, the payment in lieu of bonus for the period commencing on 1st day of April, 1998 and ending with 31st March, 1999 to every Class III and Class IV employee shall be at the rate of 15 percent of his salary.

[F. No. 2(15)/Ins. III/96]

KHARG SINGH, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

(कन्सुलर अनुभाग)

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3056.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का वृतावास, दोहा में सहायक श्रीमती ममता कोहली को 05-10-99 से सहायक कौंसली अधिकारी का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी. 4330/1/98]

योगेश नारंग, उप सचिव

(एन. आर. आई.)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(Consular Section)

New Delhi, the 5th October, 1999

S.O. 3056.—In pursuance of the Clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948(41 of 1948), the Central

Government hereby authorises Mrs Amrita Kohli, Assistant, in the Embassy of India, Doha, Qatar to perform the duties of Assistant Consular Officer with effect from 05-10-1999.

[No. T-4330/1/98]

Y. C. NARANG, Dy. Secy. (NRI)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3057.—केन्द्रीय सरकार ने, दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खंड (च) के अनुसरण में, डा. आर. के. बाली को, डा. एल. के. गांधी के, जिनकी अवधि 24 अगस्त, 1999 को समाप्त हो गई, स्थान पर 04 अक्टूबर, 1999 से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् का सदस्य नामनिर्दिष्ट किया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 3 के खंड (च) के अनुसरण में, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 430, तारीख 24 जनवरी, 1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 के परन्तुक के साथ पठित खंड (च) के अधीन नामनिर्दिष्ट” शीर्ष के नीचे—

क्रम संख्यांक 1 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान, पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात्:—

“1. डा. आर. के. बाली नाम निर्दिष्ट केन्द्रीय सरकार  
20-बी/3, 04-10-99  
डी.बी. गुप्ता रोड  
करोलबाग,  
नई दिल्ली-110005.

[सं. बी. 12013/1/99-पी.एम.एस.]

सी.एल. भाटिया, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 6th October, 1999

S.O. 3057.—Whereas, in pursuance of clause (f) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. R. K. Bali has been nominated by the Central Government to be member of the Dental Council of India with effect from 4th October, 1999 in place of Dr. L. K. Gandhi, whose term expired on 24th August, 1999;



Now, therefore, in pursuance of clause (f) of section 3 read with sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare, (Department of Health), No. S.O. 430, dated the 24th January, 1984, namely :—

In the said notification under the heading "Nominated under clause (f) read with proviso to section 3".

For serial number 1 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

1. "Dr. R. K. Bali Nominated Central Government  
20-B/3, D. B. Gupta 4-10-1999  
Road, Karol Bagh,  
New Delhi-110005.

[No. V-12013/1/99-PMS]  
C. L. BHATIA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1999

का.घा. 3058:— डा. सोमा सुन्दरम सिवाशमा सुंदरी द्वारा टी बी ई आर स्टेट मेडिकल इंस्टीट्यूट, रसिया में प्राप्त की गई आयुर्विज्ञान अर्हता एम. डी (कायचिकित्सक) भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 की धारा 14 के अंतर्गत इन प्रयोजन के लिए एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता है :

और उक्त अर्हता धारक डा. सोमा सुंदरम सिवाशमा सुंदरी लक्ष्मी नर्सिंग होम वेल्लोर से पूर्ण कार्य के प्रयोजन के लिए संलग्न है न कि वैयक्तिक लाभ के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसरण में केन्द्र सरकार एतद्वारा:—

(क) एक वर्ष की अवधि को, अथवा

(ख) जिस अवधि के दौरान डा. सोमा सुंदरम सिवाशमा सुंदरी, लक्ष्मी नर्सिंग होम वेल्लोर से संबद्ध रहें, जो भी लघुतर हो, को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिस तक उक्त लक्ष्मी नर्सिंग होम वेल्लोर में डा. सुसोमा सुंदरम सिवाशमा सुंदरी का चिकित्सीय व्यवसाय सीमित होगा ।

[सं. वी-11016/5/99 एम ई (यू जी)]  
एस. के. मिश्रा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th October, 1999

S.O. 3058.—Whereas medical qualification M.D. (Physician) obtained from the TVER State Medical Institute, Russia by Dr. Somasundaram Sivashama Sunthary is a recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956, under Section 14 of the said Act;

And whereas, Dr. Somasundaram Sivashama Sunthary, who possess the said qualification is attached to Laxmi Nursing Home, Vellore for purpose of charitable work and not personal gain;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies :—

(a) a period of one year; or

(b) the period during which Dr. Somasundaram Sivashama Sunthary is attached to the said Laxmi Nursing Home, Vellore whichever is shorter, as the period to which medical practice by Dr. Somasundaram Sivashama Sunthary in the said Laxmi Nursing Home, Vellore is limited.

[No. V-11016/5/99-ME(UG)]  
S. K. MISHRA, Under Secy.

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3059.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग के नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालय को, जिसके 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड,  
अम्बलमुगल, जिला एर्नाकुलम, केरल  
पिन-682302

[सं. ई-11012/1/99-हिन्दी]  
बी०के० आनन्द, उप निदेशक (रा०भा०)

MINISTRY OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS

(Department of Chemicals and Petrochemicals)

New Delhi, the 6th October, 1999

S.O. 3059.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the official languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following office under the administrative control of the Department of Chemicals and Petrochemicals, the 80 per cent staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi :

Hindustan Organic Chemicals Ltd.,  
Ambalmughal,  
Distt. Ernakulam,  
Kerala,  
Pin code 682302.

[No. E-11012/1/99-Hindi]  
B. K. ANAND, Dy. Director (O.L.)

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3060—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि हरियाणा राज्य में छत्ता टर्मिनल से एन.टी.पी.सी. फरीदाबाद तक पेट्रोलियम गैस के परिवहन के लिये गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाईन बिछाई जानी चाहिये ;

और यह कि केन्द्रीय सरकार को प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये उस भूमि में जिसमें उक्त पाइपलाईन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1961 का 50) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध कराये जाने की तारीख से इक्कीस दिवस के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाईन बिछाने के संबंध में आक्षेप, लिखित रूप में सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड, ए-112, सेक्टर-26, नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) को कर सकेगा।

## अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम	गोटा सं.	अर्जित क्षेत्रफल कनाल/मरला	अन्य विवरण
1	2	3	4	5	6
फरीदाबाद	बल्लभगढ़	मोजपुर	12/18/2	1—04	
			13/1	0—05	
			13/2	1—00	
			31/25	0—13	
			योग	3—02	

[सं. एल-14014/02/98-जी. पी.]

सुनील कुमार सिंह, अवर सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 11th October, 1999

S.O. 3060—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum Gas to National Thermal Power Corporation, Far idated from Chhairsa Terminal in Haryana a pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited, A-112, Sector-26, Noida, Gautam Budh Nagar (U.P.)

## SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Plot No. Khasra/Kila	Acquired area in Kanal/Marla	Remarks
1	2	3	4	5	6
Faridabad	Ballabgarh	Maujpur	12/18/2	1-04	
			13/1	0-05	
			13/2	1-00	
			31/25	0-13	
			Total	3-02	

[No.L-14014/2/98-G.P.]

S. K. SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1999

का.प्र. 3081.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में मौकालू ई.पी. एस. से ग्लोबल स्टील लिमिटेड तक पैट्रोलियम गैस के परिवहन के लिये एक पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये;

और यह कि केन्द्रीय सरकार को प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये उस भूमि में जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइंस (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1961 का 50) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जल्दता को उपलब्ध कराये जाने की तारीख से इक्कीस दिवस के भीतर उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के संबंध में आक्षेप, लिखित रूप में सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड, के.जी. बेसिन, दानवेपेट, राजमुंद्री (मध्य प्रदेश) को कर सकेगा।

## अनुसूची

जिला	मंडल/तहसील	गांव	सर्वे नं.	उ.का.प्र. के लिये अर्जित की जाने वाली भूमि हेक्टेयर में
कृष्णा	मुदिनेपल्ली	बेवूरु	31 भाग	0.1250 जी.पी.

[सं. एल-14014/13/99-जी.पी.]

सुनील कुमार सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 11th October, 1999

S.O. 3061—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum Gas from Kaikaluru EPS to Global Steel Limited, Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to the competent authority. Gas Authority of India Limited, K.G. Basin, Danvaipet, Rajahmundry (Andhra Pradesh).

## SCHEDULE

Distt.	Mandal Tehsil	Village	Survey No.	Land to be Acquired for ROU in Hect.
Krishna	Mudenepalli	Chevuru	31-Part	0.1250 G.P.

[No. L-14014/13//99-G.P.]

S.K. SINGH, Under Secy

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 1999

का.घा. 3062—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में काँकालूरु ई.पी.एस. से श्री राम सैरोमिक प्राइवेट लिमिटेड तक पेट्रोलियम गैस के परिवहन के लिये एक पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यह कि केन्द्रीय सरकार को प्रतीत होता है कि उक्त पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये उस भूमि में जिसमें उक्त पाईपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, इस अधिसूचना से उपाय्य अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1961 का 50) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध कराये जाने की तारीख से इक्कीस दिवस के भीतर उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाईपलाइन बिछाने के संबंध में आपेक्ष, लिखित रूप में सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड, के.जी. बेसिन, दानवैपेट, राजमुन्त्री (आन्ध्र प्रदेश) को कर सकेगा।

## अनुसूची

जिला	मंडल/तहसील	गांव	सर्वे नं.	उ.का.अ. के लिये अर्जित की जाने वाली भूमि हेक्टे. में
1	2	3	4	5
कृष्णा	मदिनेपल्ली	चेवूरु	95 भाग	0.0100
			94-1 ,,	0.0950
			94-2 ,,	0.1250
			93 ,,	0.0100 जी.पी.

1	2	3	4	5
कृष्णा (जारी)	मुदिनेपल्ली (जारी)	चेवुरु जारी)	37 भाग	0.0350 जी.पी.
			38-1 "	0.0100
			38-2 "	0.0850
			39-1 "	0.0250
			40-2 "	0.0750
			40-3 "	0.0500
			40-4 "	0.0700
			40-5 "	0.0650
			42-1 "	0.0100
			42-2 "	0.0950
			30 "	0.0100

[सं. एल-14014/12/99-जी.पी.]

मुनील कुमार सिंह, भवन सचिव

New Delhi, the 12th October, 1999

S.O. 3062—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum Gas from Kakaluru EPS to Sri Rama Ceramics Private Limited, Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the Gas Authority of India, Limited:

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, has published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to the competent authority Gas Authority of India Limited, K.G. Basin, Danvaipet, Rajahmundry (Andhra Pradesh).

## SCHEDULE

Distt.	Mandal Tehsil	Village	Survey No.	Land to be Acquired for ROU in Hect.
Krishna	Mudenepalli	Chevuru	95-Part	0.0100
			94-1 "	0.0950
			94-2 "	0.1250
			93 "	0.0100 G.P.
			37 "	0.0350 G.P.
			38-1 "	0.0100
			38-2 "	0.0850
			39-1 "	0.0250
			40-2 "	0.0750
			40-3 "	0.0500
			40-4 "	0.0700
			40-5 "	0.0650
			42-1 "	0.0100
			42-2 "	0.0950
			30 "	0.0100

[No. L-14014/12/99-G.P.]  
S.K. SINGH, Under Secy.

## खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1999

का.प्र. 3063.— भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 6 के उपविनियम (3) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा नीचे अनुसूची के दिये गये उत्पादों के मुहरांकन शुल्क अधिसूचित करता है :

## अनुसूची

भारतीय मानक सं.	भाग अनु.	वर्ष	शीर्षक	मुहरांकन शुल्क		इकाई	इकाई दर	प्रचालन तिथि
				बड़े पैमाने पर	छोटे पैमाने पर			
1	2	3	4	5	6	7	8	9
00873		74	द्रवित शूकोस	35000	29000	1 मी.	12.00	97-08-07
01046		92	रोकड़ बक्सा	35000	29000	एक रोकड़	4.00	97-12-03
01540	01	80	रसायन उद्योगों के लिये अनवृक्ष घूने की विशिष्ट भाग 1	35000	29000	एक टन	5.00	97-10-10
02046		69	सजावटी थर्मोसैटिंग संश्लिष्ट रेजिनबद्ध परतदार चादरें	100000	90000	एक वर्ग मीटर	0.35	97-07-30
02096		92	एसबैस्टॉस सीमेंट की सपाट चट्टें	30000	24000	एक टन	10.00	97-01-17
05244		91	सुरक्षित जमा लॉकर केबिनेट	30000	24000	एक सुरक्षित जमा लॉकर	10.00	97-12-03
06937		97	शिरोपरि प्रोजेक्टर	35000	29000	एक नग	5.00	97-08-08
07983		94	शौचालय साफ करने का द्रव्य पदार्थ	30000	24000	एक लिटर	0.03	97-07-30
08471	04	77	एसीटीलीन जेनरेटर	35000	29000	एक जेनरेटर	200.00	97-08-01
08540		86	गिलास साफ करने के द्रव	35000	29000	एक लिटर	0.20	97-05-27
09740		81	शेडिंग क्रीम	26000	21000	एक कि.ग्रा.	0.30	97-08-06
09836		81	विस्फोटक	50000	42000	एक नग	4.50	97-08-08
11536		97	संसाधित-धान्य से निर्मित शिशु आहार	50000	42000	एक टन	100.00	97-11-25
11673		92	सोडियम हाइपोक्लोराइट	35000	29000	1000 लिटर	2.50	97-12-09
12187		87	कांफर	35000	29000	एक नग	4.00	97-12-03

1	2	3	4	5	6	7	8	9
13021	01	91	नलिकाकार प्रतिदीप्त बत्तियों के लिये एसी आपूर्ति वाले इलेक्ट्रॉनिकी बैलास्ट भाग 1 सामान्य एवं सुरक्षा अपेक्षाएं	30000	24000	एक नग	1.50	97-08-08
13021	02	91	नलिकाकार प्रतिदीप्त बत्तियों के लिये एसी आपूर्ति वाले इलेक्ट्रॉनिकी बैलास्ट भाग 2 कार्यकारिता अपेक्षाएं	40000	33000	एक नग	1.50	97-08-08
13545		92	गर्म मसाला	35000	29000	एक कि. ग्रा.	0.20	97-03-25
14106		96	प्रत्यक्ष कार्य हैण्डपम्प	35000	29000	एक पंप	5.00	97-07-30
14268		95	पूर्य प्रबलित कंश्रीट के लिए अशोषित प्रतिबल मोक्षित अल्प किप्रान्ति सात प्लाई लड्ड	60000	50000	1 मीटर	20.00	97-08-08
14276		95	सीमेंट बद्ध कण बोर्ड	300000	24000	एक वर्ग मीटर	0.10	97-03-22
14299		95	अजाडिरेकिटन युक्त नीम अर्क सांद्र	50000	42000	1 कि.ग्रा.	6.00	97-07-30
14300		95	अजादिरेकिटन युक्त नीम आधारित पायसनीय सांद्र	50000	42000	100 लिटर	50.00 पहले 1000 एवं 25.00 अगली	97-07-30

[सं. के.प्र.वि./13 : 10]

वी.के. जैन, अपर महानिदेशक

## MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS

(Department of Consumer Affairs)

(BUREAU OF INDIAN STANDARDS)

New Delhi, the 6th October 1999

S.O. 3063.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 6 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies the marking fee(s) during 1997 for the products given in the schedule :

## SCHEDULE

IS Number	Part	Year	Title	Marking Fee		Unit	Unit Rate	Enforce-ment Date
				LS	SS			
1	2	3	4	5	6	7	8	9
00873		74	Liquid Glucose	35000	29000	1 Mt.	12.00	97-08-07
01046		92	Cash Box	35000	29000	One Cash Box	4.00	97-12-03

1	2	3	4	5	6	7	8	9
01540	01	80	Quick Lime and Hydrated Lime for Chemical Industries : Part 1 Quicklime	35000	29000	1 Tonne	5.00	97-10-10
02046		69	Decorative Thermosetting Synthetic Resin Bonded Laminated Sheets	100000	90000	One Sq. Metre	0.35	97-07-30
02096		92	Asbestos Cement Flat Sheet	30000	24000	1 Tonne	10.00	97-01-17
05244		91	Safe Deposit Locker Cabinet	30000	24000	One Safe Deposit Locker Cabinet	10.00	97-12-03
06937		97	Overhead Projectors	35000	29000	1 Piece	5.00	97-08-08
07983		94	Toilet Cleaner, Liquid	30000	24000	1 Litre	0.03	97-07-30
08471	04	77	Acetylene Generators, Medium Pressure, Stationary, of Water-to-Carbide and Carbide-to Water type	35000	29000	1 Generator	200.00	97-08-01
08540		86	Glass Cleaner Liquid	35000	29000	One Litre	0.20	97-05-27
09740		81	Shaving Cream	26000	21000	1 Kg.	0.30	97-08-06
09836		81	Exploders	50000	42000	One Piece	4.50	97-08-08
11536		97	Oricessed Cereal Based Weaning Foods	50000	42000	One Tonne	100.00	97-11-25
11673		92	Sodium Hypochlorite Solution	35000	29000	1000 Lits.	2.50	97-12-09
12187		87	Coffers	35000	29000	One Coffer	4.00	97-12-03
13021	01	91	AC Supplied Electronic Ballasts for Tubular Fluorescent Lamps : Part 1 General & Safety Requirements	30000	24000	One Piece	1.50	97-08-08
13021	02	91	AC Supplied Electronic Ballasts for Tubular Fluorescent Lamps : Part 2 Performance Requirements	40000	33000	One Piece	1.50	97-08-08
13545		92	Garam Masala	35000	29000	1 K.G.	0.20	97-03-25
14106		96	Direct Action Hand-pumps	35000	29000	1 Pump	5.00	97-07-30
14268		95	Uncoated Stress Relieved low Relaxation Seven-Ply Strand For Prestressed Concrete	60000	50000	1 Mt	20.00	97-08-08
14276		95	Cement Bonded Particle Boards	30000	24000	One Square Metre	0.10	97-03-22



1	2	3	4	5	6	7	8	9
14299	95	Neem Extract Concentrate Containing Azadirachtin	50000	42000	One Kg.		6.00	97-07-30
14300	95	Neem based EC Containing Azadirachtin	50000	42000	100 Litres		50.00 for First 1000 & 25.00 for next	97-07-30

[No. CMD/13:10]

V. K. JAIN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3064.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, वे स्वीकृत कर दिये गये हैं :

## अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	शीर्षक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं./भाग/अनुभाग वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	7137365	97/05	आचार्या इंडस्ट्रीज, 110 आशिर्वाद इंड. एस्टेट नं. 4, 1 तल, राममंदिर रोड, गौरेगांव (प.) बम्बई-400104	250 वोल्ट तक की रेटित वोल्टता और 16 एम्पीयर तक की रेटित धारा के लिये प्लग साकेट आउटलेट	आई एस 01293 : 88
2.	7137466	97/05	आचार्या इंडस्ट्रीज, 110 आशिर्वाद इंड. एस्टेट नं. 4, 1 तल, राममंदिर रोड, गौरेगांव (प.) बम्बई-400104	सीलिंग रोज	आई एस 00371 : 79
3.	7135058	97/05	ई.पी.सी. इंड. प्रा. लि., बी-20, एम आई डीसी, अम्बाड़ नासिक-422010	सिचाई उपस्कर-उत्सर्ज की पाइप पद्धतियां-विशिष्ट	आई एस 13488 : 92
4.	7137567	97/05	मनसन्तो कैमीकल्स आफ इंडिया लिमिटेड, प्लॉट नं. 4 एवं 5, मधुवन इंडस्ट्रियल एरिया, मधुवन डेम रोड, पी.ओ. रखोली सिलवस्ता (यू.टी.)-396240	ब्यूटाक्लोर पायसनीय सांद्रण	आई एस 09356 : 80

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5.	7136666	97/05	महावीर रोलिंग मिल्स 2410, फेस 4, जीआईडीसी एस्टेट, वतवा, अहमदाबाद	कंक्रीट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विन्धापित इस्पात सरिण श्रीर तार	आई एस 01786 : 85
6.	8195485	97/05	माडन डोर डिवाइसिज प्रा. लि., सी-75 ए, सैक्टर बी, नौएडा (उ.प्र.)	पार्लियामेंट हिंज्स	आई एस 00362 : 91
7.	8196487	97/05	माडन डोर डिवाइसिज प्रा. लि., सी-75 ए, सैक्टर बी, नौएडा (उ.प्र.)	इस्पात के ठक्कनदार कब्जे	आई एस 01341 : 92
8.	8195788	97/05	लक्ष्मी पालीमर्स, एफ-23, रिको इंडस्ट्रियल एरिया, नोखा, जिला बीकानेर-334803	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिये पानीइथाइलीन पाइप	आई एस 14151 : 94
9.	7139470	97/05	आदित्य सीमेंट कम्पनी, प्लॉट नं. 5 ए बी एवं सी, मर्वे नं. 213, तालुक कोटडा सांगनी, बीरवल शापर, जिला राजकोट, जिला राजकोट- 360030	33ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 00269 : 89
10.	7138872	97/05	अशोक पेस्टीसाइड्स 840 जीआईडीसी एस्टेट, मकरपुरा, बड़ोदरा-390010	मोनोक्रोटोफास एसएल	आई एस 08074 : 90
11.	7136969	97/05	यूनाइटेड फासफोरस डी-1 अजन्ता इंडस्ट्रियल एस्टेट, इयावा वासपा, तह. सनतुद जिला अहमदाबाद	कीटनाशक-फोरेट जी संयुजित	आई एस 09359 : 80
12.	7138165	97/05	गणेश बन्जोप्लास्ट लिमिटेड, किरासरा नौलखी पोर्ट रोड, तालुक मलिया, जिला राजकोट	आयोडीन युक्त नमक	आई एस 07224 : 85
13.	7138670	97/05	प्रकाश रि-रोलिंग प्राइवेट लिमिटेड सर्वे नं. 270/1, प्लॉट नं. 9, भावनगर राजकोट रोड, सिंहोर जिला भावनगर-364240	कंक्रीट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विन्धापित इस्पात सरिण श्रीर तार	आई एस 01786 : 85
14.	7139066	97/05	वैस्टर्न इंजीनियरिंग कारपोरेशन 5521 जीआईडीसी, सचिन, जिला सूरत-394230	चीराफाडी के लिये रबड़ के दस्ताने	आई एस 04148 : 89
15.	7138266	97/05	गायत्री पेस्टीकेम 81/4, जीआईडीसी, वतवा-382445 अहमदाबाद जिला	फेसबेलरेट ई सी	आई एस 11997 : 87

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16.	7138367	97/05	माडर्न सीमेंट इंडस्ट्रीज लि., कलोल गांधा हाईवे, पोपटपुरा, गांधा तालुक, पंचमहल जिला	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
17.	7138771	97/05	पारे इंजी. एण्ड इलेक्ट्रिकल्स लि., 178, जीआईडीसी इंड. एस्टेट, नारौदा, अहमदाबाद-380025	दरवाजे, खिड़कियों तथा रोशन- दानों के लिये तप्त बेल्लिन सैकशन	आई एस 07452 : 90
18.	7138064	97/05	रवि प्रॉफाइल प्राइवेट लिमिटेड, 3365 फेस 4, जीआईडीसी इंड. एस्टेट, छतराल, जिला मेहसाणा	सिचाई उपस्कर-सिचाई तंत्र के लिये छिड़काव यंत्र के लिये पॉलीइथाइलीन पाइप	आई एस 14151 : 94 भाग 01
19.	7137870	97/05	सेन्सु इलेक्ट्रिकल्स प्रा. लि., 374 जीआईडीसी अजी इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेस 2, राजकोट-360003	जेट अपेकेंट्री पम्प मॉडमलिन	आई एस 12225 : 85
20.	7139268	97/05	यूनाइटेड फॉस फॉरस लिमिटेड, 3101/2 जी आई डीसी अंकलेश्वर	बलोरीपाइरीफॉस पायसनीय सांद्र	आई एस 08944 : 78
21.	8198693	97/05	जिसरा पेंट्स एंड केमिकल्स डब्ल्यू जेड 69, नांगली नई दिल्ली-110058	वॉल्यूम रंग के शूक डिस्टेंपर	आई एस 00427 : 65
22.	8197893	97/05	अनिसा इलेक्ट्रो इंजी. कं. (रजि.), 30-8/2 सैन रोड, कांतिनगर दिल्ली-110015	नोडक टाइप ए.सी. संवातन पंखे	आई एस 02312 : 67
23.	8198087	97/05	उपा इलेक्ट्रिकल्स 2624 महावीर बाजार, तेलीवाडा, दिल्ली-110006	पानी गर्म करने के डुबाऊ हीटर	आई एस 00368 : 92
24.	9148481	97/05	एवीआर इंजीनियर्स डी-43, इंड. फोकल प्वाइंट जालंधर (पंजाब)-144004	जलकल प्रयोजनों के लिये ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेंक वाल्ब	आई एस 00778 : 84
25.	9146679	97/05	इंजीनियरिंग सेल्स कारपोरेशन प्लॉट नं. 55, सैक्टर 3, एचएसआईडीसी इंड. एरिया, करनाल (हरियाणा)-132001	हस्पताल के डक्कन दान कब्जे	आई एस 01341 : 92
26.	9147681	97/05	गार्ड बाल्ट्स इंडस्ट्रीज, एनडी 192, फतेहपुरा, जालंधर (पंजाब)-144008	जलकल प्रयोजनों के लिये ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेंक वाल्ब	आई एस 00778 : 84
27.	9146578	97/05	हिल-व्यू रेफ्रिजेशन (प्रा) लि., ई-21, फेस 7, इंड. एरिया, मोहाली (पंजाब)	द्रव चालित डोर ब्लोजर	आई एस 03564 : 86
28.	9147782	97/05	प्रवीण ट्रेडिंग एण्ड मैनु. कं., 8 सैनी कालोनी, छोटा साईपुर इंड. एरिया, जालंधर (पंजाब)-144004	जलकल प्रयोजनों के लिये ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेंक वाल्ब	आई एस 00778 : 84

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29.	9148582	97/05	रमणिक इंडस्ट्रीज, 17, दादा कालोनी, इंड. एरिया, जालंधर-144004 (पंजाब)	जलकल प्रयोजनों के लिये ताम्बा मिश्रधातु के गेट, ग्लोब और चेक वाल्व	आई एम 00778 : 84
30.	9146376	97/04	सू-बन इंडस्ट्रीज लि., ई/3 एम आई ई जिला रोहतक, बहादुरगढ़	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिये पालीइथाइलीन पाईप	आई एस 14151 : 94 भाग 01
31.	9148380	97/05	मतलज पाइप्स, गांव अजितवाल, जिला मोगा (पंजाब)	पूर्व बलित कंक्रीट पाईप (प्रबलन सहित और रहित)	आई एम 00458 : 88
32.	9148279	97/05	वीर विजन प्रा. लि., प्लॉट नं. 30, सेक्टर 5 परवाना (हि. प्र.)	पानी की आपूर्ति के लिये उच्च घनत्व वाले पॉलिएथिलीन पाईप	आई एस 04984 : 87
33.	9148178	97/05	मंजूथी प्लास्टिक्स (प्रा.) लि., प्लॉट नं. 20, सेक्टर 5, परवाना	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिये पालीइथाइलीन पाईप	आई एस 14151 : 94 भाग 01
34.	9147176	97/05	निधि पाइप्स लि., गांव भनखरपुर सम्मुख : लाल घाईट, जिला पटियाला, डे राबस्ती	पतली दीवार के नम्य दल युग्मन पाईप	आई एस 11722 : 86
35.	9146982	97/05	रुंगटा इरीगेशन लि., काला अम्ब नाहन, सिरमौर, गांव मोजिनन्द	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिये पालीइथाइलीन पाईप	आई एस 04151 : 94 भाग 1
36.	9146477	97/05	सू-बन इंडस्ट्रीज लि., ई-3, एम आई डी, जिला रोहतक, बहादुरगढ़ (हरियाणा)	पानी की आपूर्ति के लिये उच्च घनत्व वाले पॉलिएथिलीन पाईप	आई एस 04984 : 87
37.	9148784	97/05	शिवा पाइप्स डिफेंस रोड, समीप पनोली चीक, पठानकोट-145001	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिये पालीइथाइलीन पाईप	आई एस 14151 : 94 भाग 01
38.	9147075	97/05	स्वाति स्टोरवेल प्रा. लि., प्लॉट नं. 44/45, इंड. एरिया, सेक्टर 1, परवाना	सिंचाई तंत्र के छिड़काव के लिये पालीइथाइलीन पाईप	आई एस 14151 : 94 भाग 01
39.	9148077	97/05	रेणू कैमीकल्स लिमिटेड, पी.ओ. रेणूकूट, सोनभद्रा सोनभद्रा-231217	कैल्शियम क्लोराइड	आई एस 01314 : 84
40.	8197489	97/05	आदित्य सीमेंट, (ग्रासिम इंड. लि. की एक इकाई) आदित्यपुरम, गम्भूपुरा, चित्तौड़गढ़-312612	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 12269 : 87
41.	8196992	97/05	भटनागर सीमेंट कं. (प्रा.) लि., ए-17, रिको इंड. एरिया, बेहरोड, दिल्ली-जयपुर हाईवे, असवर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
42.	9149180	97/05	न्यू इंडिया इंडस्ट्रीज, 38, इंड. एरिया, फेस 3, गंगवाल, जम्मू-180010	विद्युत संस्थापन के लिये कंड्यूट भाग 3 कंड्यूट विद्युत रोधक सामग्री के लिये वृद्ध सांद्र कंड्यूट	आई एस 09537 : 81 भाग 03
43.	9147984	97/05	पायन इंटरप्राइसेज, इंड. एस्टेट, फेस 3,	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये एल्यूमीनियम के चालक	आई एस 00398 : 76 भाग 02
44.	9151167	97/05	एस्सार केबल्स एंड कंडक्टर्स प्लॉट नं. 81, एचपीएसआई डी सी इंड. एस्टेट, बादी (हि.प्र.)	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये एल्यूमीनियम के चालक	आई एस 00398 : 76 भाग 02
45.	9149281	97/05	जी. एस. सी. कारपो. 354, राम दरवार इंड. एरिया, फेस 2, चण्डीगढ़	एक फेज लघु ए. सी. और सर्किट विजली की मोटर	आई एस 00996 : 79
46.	7135260	97/05	काल्ट इंडस्ट्रीज, मोदी मार्केट, एन. टी. क्रासिंग, रोड नं. 2, सम्मुख : बीएससी मार्केट, काडावली (प) मुम्बई-400067	घरेलू और समान कार्यों के लिये स्विच	आई एस 03854 : 88
47.	7134763	97/05	केडी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 105, यूनाइटेड इंड. एस्टेट, मोगुल लेन, महीम, मुम्बई-400016	घरेलू और समान कार्यों के लिये स्विच	आई एस 03854 : 88
48.	7134965	97/05	मेडीट्रोनिक्स मैयूफीकरिंग कं. प्रा. लि., डब्ल्यू-30, (डी) एडीएम आई डी सी आनन्दनगर, अम्बेरनाथा, थाणे जिला-421503	नैदानिक चिकित्सा एक्स-रे उपस्कर की विनिर्दिष्ट	आई एस 07620 : 86 भाग 01
49.	7137769	97/05	प्राप्ति प्राइवेट्स, 4, शिवाजी कालोनी, अंधेरी-कुर्ली रोड, बम्बई-400099	एनी डायराईड प्रकार की तापी मापी	आई एस 07652 : 88
50.	7134460	97/05	पेस वेल्ड इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 15, जेपी उद्योगनगर, मर्वे नं. 53, मनोर रोड, एन आर रेलवे ग्रीज, पालघर थाणे जिला-401404	हस्त्य प्राप्त आर्क वेल्डिंग के लिये आवृत्त कार्बन और कार्बन मैगनीज इस्पात इलेक्ट्रोड	आई एस 00814 : 91
51.	7136262	97/05	स्वास्तिकमनी 202-ए, बाम्बे टाकीज कम्पाऊंड, मलाड (प), मुम्बई-400064	250 वोल्ट तक की रेटित वोल्टता और 16 एम्पीयर तक की रेटितधारा के लिये प्लग सॉकेट ग्राउटलेट	आई एस 01293 : 81
52.	7136464	97/05	इंडिया क्लिक निक्सोन कम्पाऊंड, ब्रण्डीवली फार्म रोड, आफ साकी पिहार रोड, मुम्बई-400072	आमर ड्रम	आई एस 03575 : 93

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53.	7136868	97/05	यूनीक इंस्ट्रुमेंटल कार्पोरेशन, पाप्युलर रोलिंग मिल कम्पाउंड, टांक रोड, भनदप (प) मुम्बई-400078	पिटवा एल्युमीनियम के बर्तन	आई एस 01660 : 82 भाग 01
54.	7134864	97/05	केडी इलेक्ट्रिकल इंस्ट्रुमेंट, 105, यनाडोड इं. एस्टेट, मोगुल तैर, महिम, मुम्बई-400078	250 वोल्ट तक की रेटिन बोल्टता और 16 एम्पीयर तक की रेटित धारा के लिये प्लग साकेट आउटलेट	आई एस 01293 : 88
55.	7136363	97/05	स्वास्तिकमनी 202-ए, बाम्बे-टाकीज कम्पाउंड, मलाड (प), मुम्बई-400064	घरेलू और समान कार्यों के लिये स्विच	आई एस 03854 : 88
56.	8198390	97/05	एलायड इंजीनियरिंग वर्क्स, 35 गोविन्द मोहल्ला, हैदरपुर, दिल्ली-110042	बिजली के छत के पंखे और रेग्युलेटर	आई एस 00374 : 79
57.	8198188	97/05	उपा इलेक्ट्रिकल्स, 2624 महावीर बाजार, तेलीवाड़ा, दिल्ली-110006	घरेलू और सामान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं	आई एस 00302 : 92 भाग 02 खंड 201
58.	7135361	97/05	सूरज इलेक्ट्रिकल्स 26 नाहर उद्योग, पं. एम. एम. पी. मालवीय मार्ग एल बी एस मार्ग, मुलन्द (प) मुम्बई-400080	250 वोल्ट तक की रेटित बोल्टता और 16 एम्पीयर तक की रेटितधारा के लिए प्लग साकेट आउटलेट	आई एस 01293 : 88
59.	8195283	97/05	प्रामिनेन्ट सीमेंट प्रा. लि., मालनपुर इंस्ट्रुमेंटल एरिया, भिण्ड	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 081112 : 89
60.	8196689	97/05	अनु इलेक्ट्रिकल मोटर्स प्लॉट नं. 113, जमरुदपुर ऑटो काम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110048	एक फेस लघु ए.सी. और साविक बिजली की मोटर	आई एस 00996 : 79
61.	8197792	97/05	कोणार्क इंस्ट्रुमेंट, बी-12/6, मिलमिल इं. एरिया, जी.टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली-110032	विद्युत सहायक-घरेलू और ऐसे ही संस्थापनों के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	आई एस 08828 : 93
62.	8195990	97/05	मल्टीप्ली केबल्स (प्रा.) लि., 130, गली नं. 3, जवाला नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए पी बी सी रोधित केबल	आई एस 00694 : 90
63.	8196588	97/05	शमून इंटरप्राइसेज, 138, कृष्णा गली, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055	एक फेस लघु ए.सी. और साविक बिजली की मोटर	आई एस 00996 : 79

[सं. के प्र वि 33 : 11]

बी.के. जैन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 6th October, 1999

S.O. 3064.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name & address (factory) of the party	Title of the standard	IS:No./Part/Sec. & Year
1	2	3	4	5	6
1.	7137365	97/05	Acharya Industries, 110 Ashirwad Indl. Estate No. 4 I Floor, Rammandir Road Goregaon (W) Bombay 400 104	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (second revision) (Amendments 3)	IS 01293:88
2.	7137466	97/05	Acharya Industries, 110 Ashirwad Indl. Estate No. 4 I Floor, Rammandir Road, Goregaon (W) Bombay 400 104	Ceiling roses (second revision) (Amendments 4)	IS 00371:79
3.	7135058	97/05	E.P.C. Inds. Pvt. Ltd., B/20, MIDC Ambad Nasik 422010	Irrigation equipment-emitting pipe-system	IS 13488:92
4.	7137567	97/05	Mansanto Chemicals of India Limited Plot No. 4 & 5 Madhuban Industrial Estate Madhuban Dam Road P.O. Rakholi Silvassa (U T) 396240	Butachlor emulsifiable concentrates (Amendments 2)	IS 09356:80
5.	7136666	97/05	Mahavir Rolling Mills 2410, Phase IV GIDC Estate Vatva Ahmedabad	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
6.	8195485	97/05	Modern Door Devices Pvt. Ltd. C-75 A, Sector 8, Noida (UP)	Parliament hinges (fifth revision)	IS 00362:91
7.	8196487	97/05	Modern Door Devices Pvt. Ltd. C-75 A, Sector 8, Noida (UP)	Steel butt hinges (sixth revision)	IS 01341:92

1	2	3	4	5	6
8. 8195788	97/05	Laxmi Polymers F-23 RIICO Industrial Area, Nokha Distt. Bikaner 334803	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01	
9. 7139470	97/05	Aditya Cement Company Plot No. 5 A, B and C Survey Number 213 Taluka Kotda Sangani Verval Shapar Distt. Rajkot 360030	33 Grade ordinary portland cement (Forth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89	
10. 7138872	97/05	Ashoka Pesticides 840 GIDC Estate Makarpura Vadodara 390010	Monocortophos SL (Second revision)	IS 08074:90	
11. 7136969	97/05	United Phosphorus D-1 Ajanta Industrial Estate Iyava Vasana Tal Sanand Distt. Ahmedabad	Phorate granules, encapsulated (Amendments 2)	IS 09359:80	
12. 7138165	97/05	Ganesh Benzoplas Limited Kirsara Naulakhi Port Road Taluka Malia Distt. Rajkot	Iodized salt (First revision) (Amendments 2)	IS 07224:85	
13. 7138670	97/05	Prakash Re-Rollers Private Limited Survey Number 270/1 Plot Number 9 Bhavnagar Rajkot Road Sihor Distt. Bhavnagar 364240	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85	
14. 7139066	97/05	Western Engineering Corpora- tion, 5521 GIDC Sachin Distt. Surat-394239	Surgical rubber gloves (First revision) (Amendment 1)	IS 04148:89	
15. 7138266	97/05	Gayatri Pestichem 81/4, GIDC Vatva 382 445 Distt. Ahmedabad	Fenvalerate EC (Amendment 1)	IS 11997:87	
16. 7138367	97/05	Modern Cement Industries Ltd. Kalol Gadhra Highway Popatpura Gadhra Taluka Panchmahals Distt.	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
17. 7138771	97/05	Paray Engg. & Electronics Ltd. 178, GIDC Indl. Estate Naroda, Ahmedabad 380 025	Hotrolled steel sections for doors, windows and ventilators (second revision)	IS 07452:90	
18. 7138064	97/05	Ravi Profile Private Limited 3365 Phase 4 GIDC Indl. Estate Chhatral Distt. Mahesana	Polyethylene pipes for sprinkler irriga- tion systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01	



1	2	3	4	5	6
19. 7137870	97/05	Sensu Electricals Pvt. Ltd. 374 GIDC Aji Industrial Estate Phase II Rajkot 360003	Jet centrifugal pump combination (Amendments 2)	IS 12225:87	
20. 7139268	97/05	United Phosphorus Limited 3101/2, G.I.D.C. Ankleshwar	Chlorpyrifos emulsifiable concentrates (Amendment 1)	IS 03944:78	
21. 8198693	97/05	Girsa Paints & Chemicals WZ-69, Nangli Jalab New Delhi 110058	Distemper, dry, colour as required (revised) (Amendments 4)	IS 03427:65	
22. 8197893	97/05	Anisa Electro Engg. Co. (Regd.) 30-8/2, Main Road Kanti Nagar Delhi 110 051	Propeller type ac ventilating fans (first revision) (Amendments Nos. 6)	IS 02312:67	
23. 8198087	97/05	Usha Electricals 2624, Mahabir Bazar, Teliwara, Delhi 110006	Electric immersion water heaters) Fourth revision)	IS 00368:92	
24. 9148481	97/05	AVR Engineers D-43, Indl. Focal Point Jalandhar (Punjab) 144004	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84	
25. 9146679	97/05	Engineering Sales Corporation Plot 55, Sector 3 HSIDC Indl. Area Karnal (Haryana) 132001	Steel butt hinges (Sixth revision)	IS 01341:92	
26. 9147681	97/05	Guide Valves Industries No. 192 Fatehpura Jalandhar (Punjab) 144008	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84	
27. 9146578	97/05	Hill View Refrigerations (P) Ltd., E-21, Phase VII Indl. Area Mohali (Punjab)	Door closers (hydraulically regulated) (Second revision) (Amendment 1)	IS 03564:86	
28. 9147782	97/05	Pardeep Trading & Mfg. Co. 8, Saini Colony, Chhota Saipur Indl. Area Jalandhar (Punjab) 144004	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84	

1	2	3	4	5
29. 9148582	97/05	Ramnik Industries 17, DADA Colony Indl. Area Jalandhar (Punjab) 144004	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84
30. 9146376	97/05	Su-Ban Industries Ltd. E/3, M.I.E. Distt. Rohtak Bahadurgarh (Haryana)	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
31. 9148380	97/05	Sutlej Pipes Village Ajitwal Distt. Moga (Punjab)	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments)	IS 00458:88
32. 9148279	97/05	Veer Vision Pvt. Ltd. Plot No. 30 Sector 5 Parwanoo (HP)	High density polyethylene pipes for potable water supplies; sewage and industrial effluents (third revision)	IS 04984:87
33. 9148178	97/05	Manjushree Plastics (P) Ltd. Plot No. 20, Sector 5 Parwanoo	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
34. 9147176	97/05	Nidhi Pipes Ltd. Vill : Bhankharpur Opp : Lalpoint Distt. Patiala Derabassi	Thin walled flexible quick coupling pipes (Amendment 1)	IS 11722:86
35. 9146982	97/05	Rungta Irrigation Ltd. Kala AMB, Nahan Sirmour Vill : Moginand	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
36. 9146477	97/05	SU-BAN Industries Ltd. E/3, M.I.E. Distt. Rohtak Bahadurgarh (Haryana)	High density polyethylene pipes for potable water supplies; sewage and industrial effluents (third revision)	IS 04984:87
37. 9148784	97/05	Shiva Pipes Defence Road Near Pangoli Chowk Pathankot-145001	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
38. 9147075	97/05	Swati Storewel Pvt. Ltd. Plot No. 44/45 Indl. Area Sector 1 Parwanoo	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
39. 9148077	97/05	M/S Renu Chemicals Limited P.O. Renukoot, Sonebhadra Sonebhadra- 231217	Calcium chloride	IS 01314:84
40. 8197489	97/05	Aditya Cements (A Unit of Grasim Inds. Ltd.) Adityapuram, Shambhupura Chittorgarh-312612	53 grade ordinary Portland cement (Amendments 3)	IS 12269:87

1	2	3	4	5
41. 8196992	97/05	Bhatnagar Cement Co. (P) Ltd. A-17, Riico Indl Area Behror Delhi—Jaipur Highway Alwar	43 grade Ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
42. 9149180	97/05	New India Industries 38, Indl. Area Phase-III, Gangyal Jammu (J & K) 180010	Conduits for electrical installations: Part 3 Rigid plain conduits of insulating materials (superseding IS 2509)	IS 09537:81 Part 03
43. 9147984	97/05	Payal Enterprises Indl. Estate, Phase III Gangyal Jammu (J & K) 180010	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:67 Part 02
44. 9151167	97/05	Essar Cables & Conductors Plot No. 81, HPSIDC Indl. Estate Baddi (HP)	Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 Part 02
45. 9149281	97/05	G.S.C. Corpn. 354, Ram Darbar Indl. Area Phase II, Chandigarh	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79
46. 7135260	97/05	Colt Industries Modi Market, N.T. Cross Road No. 2 Opp. BMC Market Kandivli (W) Mumbai-400067	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amendments 3)	IS 03854:88
47. 7134763	97/05	Kaydee Electrical Industries 105, United Incl. Estate Mogul Lane, Mahim Mumbai-400 016	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amendments 3)	IS 03854:88
48. 7134965	97/05	Meditronics Manufacturing Co. Pvt. Ltd., W-30 (D), Adil MIDC Anandnagar, Ambernath Thane District-421 503	Diagnostic medical X-ray equipment : Part 2 Performance requirements	IS 07620:86 Part 01
49. 7137769	97/05	Prapti Products 4, Shivaji Colony, Andheri-Kurla Road Mumbai-400 099	Sphygmomanometer, aneroid type (first revision)	IS 07652:88
50. 7134460	97/05	Pace Weld. Industries Plot No. 15, Jh Udyog Nagar, Survey No. 53, Manor Rd. NR Rly Bridge, Palghar Thane Dist.-401 404	Covered electrodes for manual metal arc welding of carbon and carbon manganese steel (Fifth revision)	IS 00814:91

1	2	3	4	5	6
51. 7136262	97/05	Swastikamane 202-A, Bombay Talkies Compound Malad (W) Mumbai 400 064	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (second revision) (Amendments 3)	IS 01293:88	
52. 7136464	97/05	Toughalt India Killick Nixon Compound Chandivali Farm Road, Off : Saki Vihar Road, Mumbai 400 072	Bitumen drums (third revision)	IS 03575:93	
53. 7136868	97/05	Unique Industrial Corporation Popular Rolling Mill Compound Tank Road, Bhandup (W) Mumbai 400 078	Wrought aluminium utensils :Part 1 Cooking table, serving storing and baking utensils (second revision) (Amendments No. 2)	IS 01660:82 Part 01	
54. 7134864	97/05	Kaydee Electrical Industries 105, United Indl. Estate Mogul Lane, Mahim Mumbai 400 016	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (second revision) (Amendments 3)	IS 01293:88	
55. 7136363	97/05	Swastikamane 202-A, Bombay Talkies Compound Malad (W) Mumbai 400 064	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amendments 3)	IS 03854:88	
56. 8193390	97/05	Allied Engineering Works 35 Govind Mohalla Haiderpur Delhi 110042	Electric ceiling type fans and regulators (third revision) (Amendments 4)	IS 00374:79	
57. 8193188	97/05	Usha Electricals 2624, Mahabir Bazar, Teliwara, Delhi 110006	Safety of household and similar electrical appliances: Part 2 Particular requirements, Sec 201 Electric immersion Water heater	IS 00302:92 Part 02 Sec 201	
58. 7135361	97/05	Suraj Electricals 26, Nahar Udyog, PT. M.M. Maviya Marg, Off. LBS Marg, Mulund (W) Mumbai 400 080	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (second revision) (Amendments 3)	IS 01293:88	
59. 8191283	97/05	Prominent Cement Pvt. Ltd. Malanpur Industrial Area Bhind Bhind	43 grade Ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	

1	2	3	4	5	6
60. 8196689	97/05	Anu Electrical Motors Plot No. 113, Zamrudpur Auto Complex, New Delhi 110048	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79	
61. 8197792	97/05	Konark Industries B-12/6, Jhilmil Indl. Area, G.T. Road, Shahdara, Delhi 110032	Circuit breakers for overcurrent pro- tection for household and similar installations (first revision)	IS 08828:93	
62. 8195990	97/05	Multiple Cables (P) Ltd., 130, Street No. 3, Jwala Nagar, Shahdara, Delhi 110032	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendments No. 1 to 4)	IS 00694:90	
63. 8196588	97/05	Shagoon Enterprises 138, Krishna Gali, Pahar Ganj, New Delhi 110055	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)		

[No. CMD/13:11]

V. K. JAIN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1999

का.प्र. 3065.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :

## अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/ माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	शीर्षक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं. / भाग/अनुभाग
1	2	3	4	5	6
1.	5075056	97/03	बंसल सीमेंट प्रा. लि. गांव मथुराकिस्मत, गोकुलपुर पी.ओ. समरईपुर, पी.एस. खड़गपुर (एल) जिला मिर्जापुर, प. बंगाल	पोर्टलैंड स्लैब सीमेंट	आई एस 00455 : 89
2.	5074155	97/03	मेगना जूट मिल्स, एल आई सी दिव्यादूशी ट्रेडर्स एण्ड कॉमर, जगतदल, 24 परगना (उ.) प. बंगाल	वस्त्रादि-ए-डब्लि पटसन के बोरे	आई एस 01943 : 64
3.	5074256	97/03	सीता सीमेंट लिमिटेड गांव-तेलीगाना, पो.ओ. कुतरा, सुन्दरगढ़	सीसल रस्सियाँ—भाग 1 बिना तारकोल वाली किस्में	आई एस 01321 : 92 भाग 1

(1)	(2)	(3)	(5)	(6)
4. 5073961	97/03	सिमरा स्टील इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, 225/11 बागमारी रोड, कलकत्ता 700 054	सीर स्पार्ट पेंटिका संग्राहक भाग 1—अपेक्षाएं	आईएस 12933 : 92 भाग 01
5. 5074054	97/03	श्रीराम सिंथेटिक फैब्रिकस 95/1/3 बी, कोस्मिपोर रोड, कलकत्ता 700 002	उर्वरक पैकिंग के लिये पटसन के कट्टे	आईएस 07406 : 84 भाग 02
6. 5073763	97/03	सुपर उत्कल इलेक्ट्रिक लैम्प इंडस्ट्रीज, घाट नं. 6, पुरुनहत्सही, बारीपाड़ा जिला मयुरभंज, उड़ीसा 757 001	सामान्य प्रयोजन के लिए व्हाईबुड	आईएस 00303 : 89
7. 5074761	97/03	एंग्लो इंडिया जूट मिल्स कं. लि., जगतबल, 24 परगना	वस्त्रादि—सीमेंट पैक करने के पटसन के कट्टे	आईएस 02580 : 82
8. 5074458	97/03	श्रीसिंह इंटरनेशनल इन्व्यूपमेंट कं. लि., 22 बी रामचण्ड डे स्ट्रीट, दक्षिण जगतबल, 24 परगना	सिचाई उपस्कर छान टाइप फिल्टर	आईएस 12785 : 89
9. 5074357	97/03	सीता सीमेंट लिमिटेड गांव देवडीगाना, पी. ओ. कुआ, सुन्दरगढ़	मनीला रस्सियां	आईएस 01084 : 94
10. 5074559	97/03	बी. के. इंटरप्राइजेज, घोड नं. एस-3/11 एवं 12, कलिंगा इंडस्ट्रियल एस्टेट, जिल्हा सुन्दरगढ़, उड़ीसा, सुन्दरगढ़	विस्फोटकों के पैकेजों हेतु सामान्य अपेक्षाएं भाग 1 व्यापारिक उच्च विस्फोटक	आईएस 10212 : 86 भाग 01
11. 5075359	97/03	म्यूचुअल इन्सुलेटिड केबल्स एण्ड कंडक्टर्स लिमिटेड, एस 3 ए-2/5 26 न्यू इंडस्ट्रियल एस्टेट, जगतपुर कटक, उड़ीसा	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 4 एल्युमीनियम मिश्रधातु-लड़दार चालक एल्यु-मैंगनी सिलि	आईएस 00398 : 76 भाग 04
12. 5075864	97/03	गुप्ता केबल्स प्रा. लि. स्टेशन रोड, भुवनेश्वर 751 006	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक	आईएस 00398 : 76 भाग 05
13. 5075460	97/03	यूनिवर्सल इंडस्ट्रियल पैटस प्लाट नं. ए 13 ( पार्ट ), चौथा फेस, आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया, पी. ओ. गमराई, जिला प. सिवभूम बिहार।	तैयार मिश्रित रंग रोमान, हवा से सूखने वाले, रंग आक्साइड जिक क्रोम वाले, पहली सतह	आईएस 02074 : 92
14. 5075662	97/03	विका मेन्सूफैक्ट्रिंग कम्पनी प्रा. लि., गांव लरगया, पी. ओ. खिजरी, नासकुम, बिहार, रांची 834 010	पूर्वप्रति बलित कंकीट के लिए बिना लेपित प्रतिबल मुक्त तार	आईएस 06006 : 83

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15.	5075157	97/03	मोदी प्लास्टिक्स लि., नसरिंगंज धानापुर पटना 800 018	पेयजल आपूर्ति हेतु सीवरोचित पीवीसी फिटिंग की विशिष्ट भाग 2 संकेत हेतु विशिष्ट अपेक्षाएं	आईएस 10124 : 88 भाग 02
16.	5074862	97/03	निर्माण सीमेंट लि., एन. एच. 30, बिहरी पटना, बिहार।	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
17.	5074963	97/03	साकेत ट्यूब्स दीवारगंज, पटना शहर, बिहार 800 008	पेयजल आपूर्ति के लिये गैर प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आईएस 04985 : 88
18.	5076159	97/03	टाटा आयरन एंड स्टील कं. लि., जमशेदपुर	फ्लैज कार्य व अभिरूपण कार्यों के लिये ताप बेस्वित इस्पात प्लेट, चद्वरों पट्टिकाओं और फ्लैट—विशिष्ट	आईएस 05986 : 92
19.	6122347	97/03	क्वालिटी एग्री वैट इंडस्ट्रीज, नं. 2/222—ए, काटूर रोड, तिवघाटुरम, सलेम 636 307	कुक्कुट आहार के संपूरक खनिज मिश्रण	आईएस 05872 : 92
20.	6121951	97/03	अर्बन इंडस्ट्रीज, 48, सिडको इंड एस्टेट, अम्बातूर, मद्रास 600 098	काच रेशा प्रबलित पॉलिएस्टर रोजिल (जी. आर. पी.) स्क्वेडिंग प्लास	आईएस 11246 : 92
21.	6122448	97/03	क्वालिटी एग्री वैट इंडस्ट्रीज, नं. 2/222—ए, काटूर रोड, तिवघाटुरम, सलेम 636 307	पशु आहार के संपूरक खनिज मिश्रण	आईएस 01664 : 92
22.	6122546	97/03	पंसमई हरीशंशम लि., 52/2, मंगलम रोड, उरुवधूर, पांडीचेरी 605 110	सिंवाई उपस्कर—समक	आईएस 13487 : 92
23.	6123652	97/03	गेलैक्सी सीमेंट्स (प्रा) लि., इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट एरिया, ए. एम. रोड, इडायला, मलवा, केरल इरुमेथला	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
24.	6122852	97/03	लक्ष्मी पॉलीमर्स, विल्डिंग नं. XXI/336 सर्वे नं. 27/3, थोरातूर म्यूनिसीपल लिमिटेड, पालक्काड, केरला, 679 122	बिजली के प्रयोजनों के लिये वायु संवेदी आसंजी टैप भाग 3 अलग-अलग साम- ग्रियों के लिए	आईएस 07834 : 87 भाग 03
25.	6122751	97/03	गोकुल कंपैसिटर्स, 26 एवं 28, केपीजी नगर, थोथा स्ट्रीट क्रॉस, गणपति कोयम्बतूर—641 006	शंट संघारित्र—यावर तंत्र के लिए	आईएस 02834 : 86
26.	7127362	97/03	गेलैक्सी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, गाला नं. 33, प्रथम तल, सिह इंड. एस्टेट, नं. 3, राममंदिर रोड, गोरेगांव (प.) मुम्बई 400 104	250 वोल्ट तक की रेटिंग वोल्टता और 16 एम्पीयर तक की रेटिंगधारा के लिए प्लग संकेत आउटलेट	आईएस 01293 : 88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27.	7127564	97/03	गोम्रा प्रॉप्टोलेब प्रा. लि., 50, तिविम इंडस्ट्रियल एस्टेट, मापसा, गोम्रा 403 526	घरों के लिए	आईएस 05695 : 70
28.	7128465	97/03	हितेश इंडस्ट्रीज, अमवाल उद्योगनगर, बिल्डिंग नं. 8, गाला नं. 14, सतावली रोड, वसिव वसई रोड ( पू ), थाणे जिला 401 208	अग्निशमन कार्बन डाईऑक्साइड टाइप ( सुवाह्य और ट्रांसी आरोपित )	आईएस 02878 : 86
29.	7131353	97/03	कुणाल इंजीनियरिंग वर्क्स, 794 गणेश नगर, वितावा, पुराना बेलापुर रोड, कल्वा ( ई ) थाणे 400 605	सुवाह्य, अग्निशामक यंत्र, शुष्क पाउडर	आईएस 02171 : 85
30.	7129063	97/03	प्वॉटर इंडस्ट्रीज, बी/3 साई स्टार इंड. एस्टेट, बी. पी. क्रॉस रोड नं. 3, भयन्दर ( पू ) थाणे जिला 401 105	घरेलू और समान कार्यों के लिए स्विच	आईएस 03854 : 88
31.	7131151	97/03	भारत फायर इंजीनियर्स, 3/6 अनुपम इंड. एस्टेट, एलबीएस मार्ग, मुलम्ब ( प. ) मुम्बई 400080	सुवाह्य अग्निशामक यंत्र शुष्क पाउडर ( कार्टिज टाइप )	आईएस 02171 : 85
32.	7131252	97/03	भारत फायर इंजीनियर्स, 3/6 अनुपम इंड. एस्टेट, एलबीएस मार्ग, मुलम्ब ( प. ) मुम्बई 400 080	सुवाह्य अग्निशामक यंत्र ( पानी टाइप ( गैस कारतूस )	आईएस 00940 : 89
33.	7128970	97/03	दातार स्विचगियर लिमिटेड बल्लू—100 ए, एमआईडीसी, अम्बाड़, नासिक 422 010	विद्युत सहायकांग—घरेलू और ऐसे ही संस्थापनों के लिये प्रतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	आईएस 08828 : 93
34.	7131050	97/03	ईपीसी इरीगेशन लि. प्लॉट नं. बी 20 एमआईडीसी अम्बाड़, नासिक 422 010	सिंचाई उपस्कर—धूर्णी कुशरक	आईएस 12232 : 87 भाग 01
35.	7127463	97/03	गेलैक्सी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, गाला नं. 33, प्रथम तल, सिंह इंड. एस्टेट नं. 3, राम मंदिर रोड, गोरेगांव ( प ) मुम्बई 400104	घरेलू और समान कार्यों के लिए स्विच	आईएस 03854 : 88
36.	7128768	97/03	हीटरे इंजीनियरिंग 10/2—बी, गोरखन खुर्द तालुक, बोपोली, जिला रायगढ़, कलापुर ( महाराष्ट्र )	खनिज भरे खोलदार तापन एलीमेंट	आईएस 04159 : 83



1	2	3	4	5	6
37.	7129164	97/03	प्लाइवुड इंडस्ट्रीज, बी/3 साई स्टार इंड. एस्टेट, बी पी क्रॉस रोड नं. 3, भयन्वर (पू) थाणै जिला 401105	कील खांवा (नायोनेट) लैम्प होल्डर	आईएस 01258 : 87
38.	7129265	97/03	प्लाइवुड इंडस्ट्रीज, बी/3 साई स्टार इंड. एस्टेट, बी. पी. क्रॉस रोड नं. 3, भयन्वर (पू) थाणै जिला 401 105	250 वोल्ट तक की रेटित वोल्टता और 16 एम्पीयर तक की रेटितधारा के लिए प्लग सॉकेट आउटलेट	आईएस 01293 : 88
39.	7129366	97/03	प्लाइवुड इंडस्ट्रीज बी/3 साई स्टार इंड एस्टेट, बी पी क्रॉस रोड नं. 3, भयन्वर (पू) थाणै जिला 401 105	सीलिंग रोज	आईएस 00371 : 79
40.	7129568	97/03	स्टाक केबल्स प्लॉट नं 111, दीवान इंड एस्टेट, दीवान उद्योग नगर, अलियाली, पालघर (पू) थाणै जिला 401 404	पीवीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1, 1100 वोल्ट तक की कार्य- कारी वोल्टता के लिए	आईएस 1554 : 88 भाग 01
41.	7127867	97/03	स्टीलेज इंडस्ट्रीज लि०, बिल्डिंग "ए", बायकुला सर्विस इंड० ऑफ दादोबा कोणवेव रोड, बायकुला, मुम्बई 400 027	कंपन रोलर—सामान्य अपेक्षाएं भाग 1	आईएस 05500 : 91 भाग 01
42.	7128162	97/03	शंकर इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं० ए-118, 22वां रोड, वागले इंड० एस्टेट, थाणै 400 604	कील खांवा (नायोनेट) लैम्प- होल्डर	आईएस 01258 : 87
43.	7131959	97/03	नोबल फायर प्रोटेक्शन ए प्लाय- सेस प्राइवेट लिमिटेड, जीआईडीसी, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, भिलाइ, जिला बलसाड़	अग्निशमन के लिये शुष्क पाउडर	आईएस 04308 : 82
44.	7130654	97/03	एशियन ट्यूब्स लिमिटेड प्लॉट नं० 70, गांव : अम्बोल तालुक काडी मेहसाणा जिला	यांत्रिक और सामान्य प्रयोजनों के लिये इस्पात के पाइप	आईएस 03601 : 84
45.	7128667	97/03	ऐक्वेस्ट प्लास्टिक्स प्रा० लि०, समीप जीआईडीसी, बामनबोरे तालुक भोटीला, जिला सुन्दरनगर	सिंचाई उपस्कर—सिंचाई लैटरल्स	आईएस 12786 : 89
46.	7132759	97/03	इंडिया ड्रॉसबक लि०, काम्जा रोड, करण नगर, तालुक कापी, जिला मेहसाणा 382 727	सिंचाई उपस्कर—उत्सर्ज की पाइप पद्धतियां—विशिष्ट	आईएस 13488 : 92

1	2	3	4	5	6
47.	7132961	97/03	कोटेश्वर केमकूड इंडस्ट्रीज, सर्वे नं० 155/1 समीप काठला फ्री ट्रेड जोन, गांव किडाना, तालुक अंजर, कछ 370 201	रासायनिक उद्योग के लिए साधा- रण नमक	आईएस 00797 : 82
48.	7132052	97/03	नोबल फायर प्रॉटेक्शन एप्लाय- सेंस प्राइवेट लिमिटेड, जीआईडीसी श्रीगम इंडस्ट्रियल एस्टेट, भिलाइ जिला बलसाड़	जल टाइन सुवाह्य अग्निशामक यंत्र	आईएस 00934 : 89
49.	7132153	97/03	नोबल फायर प्रॉटेक्शन एप्लाय- सेंस प्राइवेट लिमिटेड, जीआईडीसी श्रीगम इंडस्ट्रियल एस्टेट, भिलाइ जिला बलसाड़	सुवाह्य अग्निशामक पानी टाइन (गैस कारतूस)	आईएस 00940 : 89
50.	7132254	97/03	नोबल फायर प्रॉटेक्शन एप्लाय- सेंस प्राइवेट लिमिटेड, जीआईडीसी श्रीगम इंडस्ट्रियल एस्टेट, भिलाइ जिला बलसाड़	यांत्रिक फोन टाइन सुवाह्य अग्नि- शामक यंत्र	आईएस 10204 : 82
51.	7129972	97/03	स्टार सीमेंट कं०, गांव : बानकपुर, पोस्ट नदखी तालुक गोधरा, पंचमहल जिला	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
52.	7130957	97/03	श्री जलेश्वर टिन इंडस्ट्रीज, हाइवे रोड, कनूधर, तालुक पालनपुर, बानसकण्ठ	चौकोर कनस्तर-15 किग्रा० घी बमस्पति, खाद्य तेलों और बेकरी में प्रयुक्त मोयन के लिए	आईएस 10325 : 89
53.	7133357	97/03	यूनाटेड फास्फोरस लिमिटेड, 310/2, जीआईडीसी, अंकलेश्वर	मेनकोजेब जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र	आईएस 08708 : 78
54.	8188690	97/03	बुमसेंस केबल्स (प्रा) लि०, ए-86, सेक्टर 58 नीएडा 201 301	रीब्रीसी रोधित (सारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1: 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी क्षमता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01
55.	8186787	97/03	के०पी० इंजीनियरिंग वर्क्स (रजि) एफ-124, मायापुरी इंड० एरिया फेस 2, नई दिल्ली-110 064	गहूराई से पानी निकालने के हथवर में	आईएस 09301 : 90
56.	8186585	97/03	प्रभात इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) 1735/126 शान्ति नगर, व्री-नगर, दिल्ली 110035	घरेलू और समान साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं खंड 1	आईएस 00302 : 92 भाग 02
57.	8186686	97/03	प्रभात इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) 1735/126, शान्ति नगर, व्री-नगर, दिल्ली-110 035	पानी गरमाने के इन्डाऊ हीटर	आईएस 00368 : 92
58.	8187486	97/03	एस०एस० होम एप्लायंसेंस आरजेड जे-19/261 प० सागरपुर, पंजा रोड, दिल्ली 110 046	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं खंड 30 विद्युत धिकीरक खंड 30	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 30

1	2	3	4	5	6
59.	8186383	97/03	विनेश इंडो कारपोरेशन, 902/290 शालीमार इंडो एरिया पी०ओ० अशोक विहार दिल्ली 110 052	शिरोपरि प्रेरण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 4 एल्युमीनियम मिश्र धातु लड़दार चालक एल्यु-मेग्नी-सिलि	आईएस 00398 : 76 भाग 04
60.	8186484	97/03	विन्डसोर केबल्स (प्रा) लि०, 44, एसएसआई, इंडस्ट्रियल एरिया, जी०टी० करनाल रोड, दिल्ली 110 033	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पॉलीइथाइलीन विद्युत् रोधी ताप स्थायी ठके केबल	आईएस 07098 : 88 भाग 01
61.	8188185	97/03	बुर्गेश इंडस्ट्रीज, जी-17, बुराडा इंडस्ट्रियल एरिया; फेस 1, जोधपुर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
62.	8188387	97/03	राजस्थान सजिफो प्रा० लि०, ई-108, रिफो इंडस्ट्रियल एरिया, नपासर, बीकानेर 334 201	सिचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिए पॉलीइथाइलीन पाइप	आईएस 14151 : 94 भाग 01
63.	8187385	97/03	श्री महादेव सीमेंट वर्क्स प्रा० लि०, बीकानेर रोड, नागौर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
64.	8187082	97/03	स्वास्तिक पाइप्स ए-88-ए, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर 302 013	पानी की आपूर्ति के लिए उच्च घनत्व वाले पॉलिएथिलीन पाइप	आईएस 04984 : 87
65.	8187284	97/03	जे०के० सीमेंट वर्क्स, कैलाश नगर, चित्तौड़गढ़, निम्बाहेरा 312 601	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट	आईएस 01489 : 91 भाग 02
66.	8188286	97/03	राजधानी एसोसिएट्स प्रा० लि०, ए-22 (बी) इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर, बेहरोड़	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
67.	9140061	97/03	जगन ट्यूब लि०, गांव धोलुमाजरा, डेराबस्सी अम्बाला हाइवे, जिला पटियाला डेराबस्सी (पंजाब)	मृदु इस्पात की नालियां नलिका- कार सामग्रियां तथा पिटिंग इस्पात की अन्य फिटिंग	आईएस 01239 : 90 भाग 01
68.	9139884	97/03	लक्ष्मी स्पन पाइप इंडो, 9वां किमी सिरसा डबवाली रोड, जिला सिरसा, गांव एवं पोस्ट खैरेकन (हरियाणा)	पूर्व ठलित कंश्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	आईएस 00458 : 88
69.	9140162	97/03	वीनस प्लाईवुड प्रा० लि०, गांव : रोवाली, पोस्ट नूरपुर पठानकोट रोड, जालंधर (पंजाब)	ब्लॉक बोर्ड	आईएस 01659 : 90
70.	5075258	97/03	अन्वावन उद्योग (सिलिडर्स) लि., गांव लालगढ़, माधोपुर, बिहार 815 353	अल्पदाब द्रवणीय गैसों के लिए 5-लिटर से अधिक जलक्षमता वाले बे लिडत अल्प कार्बन इस्पात सिलि- डर भाग 1 द्रप गै के लिए सिलिडर	आईएस 03196 : 92 भाग 01

1	2	3	4	5	6
71.	7129669	97/03	अमत ट्यूब्स प्रा० लि०, खोपोली पेन रोड, आइसम्बा फाटा, खोपोली	यांत्रिक और सामान्य प्रयोजनों के लिए इस्पात के पाइप	आईएस 03601 : 84
72.	7131454	97/03	विधि डायस्टफस मैन्यू० लि०, 59-बी, एमआईडीसी धातव रोहा, राइगढ़ जिला	कामोसीन, खाद्य ग्रेड	आईएस 02923 : 74
73.	7129770	97/03	अमत ट्यूब्स प्रा० लि०, खोपोली पेन रोड, आइसम्बा फाटा, खोपोली	संरचना प्रयोजनों के लिए इस्पात के पाइप	आईएस 01161 : 79
74.	7129871	97/03	अमत ट्यूब्स प्रा० लि०, खोपोली पेन रोड, आइसम्बा फाटा, खोपोली	सिरामिक सीलिंग के लिए लौह निकल मिश्रधातु	आईएस 12390 : 79 भाग 01
75.	7131555	97/03	विधि डायस्टफस मैन्यू० लि०, 59-बी, एमआईडीसी, धातव रोहा, राइगढ़ जिला	पाँसो 4 आर-खाद्य ग्रेड	आईएस 02558 : 74
76.	7131656	97/03	विधि डायस्टफस मैन्यू० लि०, 59-बी, एमआईडीसी, धातव रोहा, राइगढ़ जिला	सनसैट येलो, खाद्य ग्रेड एक सी एक	आईएस 01695 : 74
77.	7131757	97/03	विधि डायस्टफस मैन्यू० लि०, 59-बी, एमआईडीसी धातव रोहा राइगढ़ जिला	टारट्राजीन, खाद्य ग्रेड	आईएस : 01694 : 74
78.	7128566	97/03	अंकुर साइंटिफिक एनर्जी टेक्नो- लॉजी प्रा० लि०, सावली रोड, गांव गोठाडा, तालुक सावली जिला बडोदा	चलचित्रों (8 मिमी टाइप 5) हेतु शुम्भकीय अवयव रिकार्डों के रिकार्डित अभिलक्षण	आईएस 12293 : 90 भाग 02
79.	7132658	97/03	गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कार- पोरेशन लि०, पीछे नरौदा रेलवे क्रॉसिंग, कारन्ज बग, समीप बेस्ट डिजीस हॉस्पिटल, एन एच नं० 8, नारौदा अहमदाबाद 382 340	क्लोरोपाइरीफॉस पायसनीय सांद्र	आईएस 08944 : 78
80.	7131858	97/03	एक्व गार्ड लास्टिफस एण्ड पॉलीमर्स ए-1/839, जीआईडीसी माकरपुरा, इंड० एस्टेट, बडोदा 390 010	सिंचाई तंत्र के ठिठकाव यंत्र के लिए पॉलीइथाइलीन पाइप	आईएस 14151 : 94 भाग 01
81.	9143774	97/03	अग्रवाल केबल्स मालगोदाम रोड, फैजाबाद 224 001	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के बालक	आईएस 00398 : 76 भाग 02

1	2	3	4	5	6
82.	9140263	97/03	बाबाजी इंडस्ट्रीज, गांव कछनालगांज, रामपुर रोड, उद्यमसिंह नगर, काशीपुर	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस बल्हा	आईएस 04246 : 92
83.	9141669	97/03	पर्यंत वायर्स काठगोदाम नैनीताल	बाड़ लगाने के लिये जस्तीकृत इस्पात के कांटेदार तार	आईएस 00278 : 78
84.	9141568	97/03	काशी विषयनाथ स्टील्स लिमिटेड नारायण नगर, बाजपुर रोड, काशीपुर	सामान्य संरचना कार्यों के लिए इस्पात	आईएस 02062 : 92
85.	6124048	97/03	कातवा सीमेंट्स लि०, यादावडा गांव, गोकक तालुक बेलगाम जिला	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 12269 : 87
86.	9142873	97/03	ए०एम कॉयर्स लिमिटेड, गांव धोलमजरा पी०ओ० डापेर, जिला पटियाला, डेरबस्ती (पंजाब)	कुशविंग के लिये रखड़ चढ़े तारियल जटा की जीट	आईएस 08391 : 87
87.	9140970	97/03	आनन्द पाइप गांव मण्डी, लधुका तहसील फाजिल्का, फेरोयपुर जिला मण्डी लधुका (पंजाब)	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	आईएस 00458 : 88
88.	9139379	97/03	अमर सिंह एण्ड संस (प्रा) लि०, गांव चाक गुजरन, जालंधर रोड, होशियारपुर (पंजाब)	अल्पदाब द्रवणीय गैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल क्षमता वाले वेल्डित अल्प कार्बन इस्पात सिलि- डर भाग 1 द्र पी गै के लिए सिलिडर	आईएस 03196 : 92 भाग 01
89.	9141366	97/03	चण्डीगढ़ केबल्स (प्रा) लि०, प्लॉट नं० सी-69 एवं 70, फोकल प्वाइंट, चनालों रोपड़ (पंजाब)	पीवीसी रोधित (भारी कार्य) विजली की केबल भाग 1 1100 बो० तक की कार्य- कारी बोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01
90.	9143269	97/03	धिमान इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, गुरू की नगरी, मण्डी गोबिन्दगढ़ (पंजाब)	कंक्रीट पंबलन के लिए उच्च सामर्थ्य विस्थापित इस्पात सर्प और तार	आईएस 01786 : 85
91.	9142166	97/03	फाइन इंजी० वर्क्स, मजैस्टिक रोड, मोगा (पंजाब)	पावर श्रेशर के लिए सुरक्षा अपेक्षाएं	आईएस 09020 : 79
92.	9141063	97/03	जी०एच० पाइप इंडस्ट्रीज, गांव इला खेरा, मुक्तसर रोड, मालौर (पंजाब)	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	आईएस 00458 : 88
93.	9141265	97/03	एच०पी०सीमेंट एण्ड इंस०(प्रा) लि०, बाटा मण्डी, जिला सिरमौर पोंटा साहिब (हि०प्र०)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 88

1	2	3	4	5	6
94.	9142469	97/03	हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेप० कारपो० लि०, आईडीडीसी काम्पलेक्स, स्टाफ रोड, पीओ बाघस 35, ग्रम्बाला कैंट 133 001	चिकित्सकीय विद्युत उपस्कर नैदानिक एक्स-रे उपस्कर	आईएस 07620 : 86 भाग 01
95.	9141164	97/03	जे०एम० मेटल एंड स्टील वर्क्स, सोडल सैदपुर रोड, समीप काली माता मंदिर, जलंधर (पंजाब)	जलकल प्रयोजनों के लिए तांबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब ग्रौर चेक वाल्व	आईएस 00778 : 84
96.	9142671	97/03	मेक्स वाल्व्स एण्ड रेग्युलेटर्स प्रा० लि०, 419, इंड० एरिया, फेस 1 पंचकुला (हरियाणा)	द्रवित पेट्रोलियम गैसों (द्रव गैसों) मिश्रण के उपयोग के लिए अल्पदाब रेग्युलेटर	आईएस 09798 : 81
97.	9139682	97/03	पोद्धार टायर्स लि०, पोद्धार नगर, जी०टी० रोड, जुगियाना, लुधियाना (पंजाब) 141 1420	साइकिल तथा रिकशा—हवा भरे टायर	आईएस 02414 : 91
98.	9140364	97/03	स्टेण्डर्ड इलैक्ट्रिकल्स डी-116, फेस 7, इंड० एरिया, मोहाली (पंजाब)	फ्यूज—कम वोल्टेज भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	आईएस 09224 : 79 भाग 01
99.	9142974	97/03	आरती स्टील प्रा० लि०, शेरपुर कलां, समीप फोकल प्वाइंट लुधियाना	केबल रक्षण हेतु मुकुट इस्पात के तार फारमड वायरयुक्त ग्रौर टेप	आईएस 03975 : 88
100.	9141467	97/03	बण्डीगढ़ केबल्स (प्रा) लि०, प्लॉट नं० सी-69 एवं 70, फोकल प्वाइंट चनाखों रोपड़ (पंजाब)	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आईएस 00694 : 90
101.	9140465	97/03	बुआ इलैक्ट्रिकल्स 3237/1 स्ट्रीट नं० 3, न्यू जनता नगर, सम्मुख अरोडा पेलेस जिल रोड, लुधियाना	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2—विवरणात्मक अपेक्षाएं	आईएस 00302 : 93 भाग 02
102.	9141972	97/03	करम स्टील कारपोरेशन नसरअली रोड, जिला फतेहगढ़-साहिब, मण्डी गोबिन्दगढ़ (पंजाब)	कंक्रीट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विस्थापित इस्पात स्रिंग और तार	आईएस 01786 : 85
103.	9142772	97/03	आर०के० ग्राइडिंग जम्मू (प्रा) लि०, इंडस्ट्रियल एस्टेट (एक्स-टेंशन) कठुवा, हाटलिआ	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
104.	9141871	97/03	स्टर्डी पॉलीमर्स लि०, 21, इंडस्ट्रियल एरिया, सोलन, बदवी	पेयजल आपूर्ति हेतु सीबरोचित पीवीसी फिटिंग की विशिष्ट भाग 2 सॉकेट हेतु विशिष्ट अपेक्षाएं	आईएस 10124 : 88 भाग 02
105.	9140667	97/03	अठुजा बल्ब्स प्रा० लि०, फाल गंज, इंडस्ट्रियल एस्टेट, कानपुर	टंगस्टन तंतु के सामान्य मेवा बिजली के लैम्प	आईएस 00418 : 78

1	2	3	4	5	6
106.	9141770	97/03	खण्डेलवाल केबल्स लि., उद्योग नगर, वृन्दावन, मथुरा 281 121	इनेमल क्रिये गोल बार्डिंग तार	आईएस 04800 : 68 भाग 05
107.	9142065	97/03	एम०के० विनायल (प्रा) लि०, जी०टी० रोड इंडस्ट्रियल एरिया, पोस्ट मौहार, जिला फतेहपुर (उ०प्र०)	पेयजल आपूर्ति के लिये सीबरोचित पीबीसी फिटिंग की विशिष्ट भाग 2 सर्किट हेतु विशिष्ट अपेक्षाएं	आईएस 10124 : 88
108.	9144069	97/03	बम्बा सीमेंट प्राइवेट लि., गांव पृथ्वीपुरा, मारलिया, जम्मू (जे.के.)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस. 08112 : 89
109.	9144271	97/03	कृष्णा मेटल वर्क्स, न्यू छछरोली रोड, जिला यमुना नगर, जगाधरी (हरियाणा)-135003	पीतल की चद्दों की पट्टियां और पश्नियां	आई एस 00410 : 77
110.	9144170	97/03	मेहत सीमेंट्स प्राइव फैक्टरी गांव एवं पोस्ट मेहतन तहसील फगवाड़ा, कपूरथला (पंजाब)	पूर्व डलित कंक्रीट प्राइव (प्रबलन सहित और रहित)	आई एस 00458 : 88
111.	9144473	97/03	विशाल और विक्रम सीमेंट इंड बाजा रोड, जैतु मण्डी, (पंजाब)-151202	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
112.	9140566	97/03	कृष्णा इलैक्ट्रिकल (रजि.) दादरी कालोनी, समीप गुरुद्वारा साहिब, समना (पंजाब)	विद्युत इस्तरी	आई एस 00366 : 91
113.	9142368	97/03	आर.के. इलैक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज (इंडिया) लि., 20वां मील पत्थर, ताथेरी रोड, पोस्ट राई, सोनीपत (हरियाणा)	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पोलिइथाइलीन विद्युतरधी ताप स्थापी ठके हुए केवल भाग 1 110.0बी. तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए।	आई एस 07098 : 88 भाग 01
114.	9140869	97/03	सीमेक्स स्टील ट्यूब्स (प्रा.) लि. कला अम्ब, इंडस्ट्रियल एरिया, त्रिलोकपुर रोड, जिला सिरमोर (कला अम्ब)	संरचना प्रयोजनों के लिए इस्पात के पाइप	आईएस 01161 : 79
115.	6127660	97/03	शाइन फ्लो, 1454 थाडागाम रोड, जी सी टी पोस्ट, कोयम्बतूर-641013	एक क्रिस्टल वाले संश्लिष्ट स्फटिक	आई एस 09709 : 89
116.	8188791	97/03	बाल काम इंडिया बी-33, पुराना विष्णु गार्डन, नई दिल्ली-110018	ए.सी. बाट घंटा मीटर, क्लास 0.5, 1 एवं 2	आई एस 13010 : 90
117.	8187587	97/03	माइक्रोटैक स्विचगियर, एच-17, डीएस आईडीसी काम्पलेक्स, नांगलोई इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110041	विद्युत सहायकांग-घरेलू और ऐसे ही संस्थापनों के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	आई एस 08828 : 93

[सं. के प्रवि/13 : 11]

वी. के. जैन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 6th October, 1999

S.O. 3065.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of Bureau of Indian Standards,, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name & address (factory) of the party	Title of the standards	IS:NO/Part/Sec & Year
1	2	3	4	5	6
1.	5075056	97/03	Bansal Cement Pvt. Ltd., Vill : Mathurakismat, Gokulpur, P.O. Samraipur, P.S. Kharagpur (L), Dist : Midnapur, West Bengal.	Portland slag cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00455:89
2.	5074155	97/03	Megna Jute Mills, LIC : Divyadrasthi Traders & Commer Jagatdal, 24-Parganas (North) 24-Parganas (North), West Bengal.	A-twill jute bags (revised) (Amendments Nos. 5)	IS 01943:64
3.	5074256	97/03	Sita Cement Limited Vill. Telighana, P.O. Kutra, Sundargarh.	Sisal ropes : Part 1 Untarred varieties (Third revision)	IS 01321:92 Part 01
4.	5073961	97/03	Sigma Steel Engineers Private Limited 225/11 Bagmari Road Calcutta 700054	Solar flat plate collector : Part 1 Requirements (first revision) (Amendments 2)	IS 12933:92 Part 01
5.	5074054	97/03	Sriram Synthetic Fabrics., 95/1/3B Dossipore Road, Calcutta 700002	Jute bags for packing fertilizers:Part 2 Laminated bags manufactured from 380 g/sq. m; 68 × 39 tarpaulin fabric (first revision)	IS 07406:84 Part 02
6.	5075763	97/03	Super Utkal Electric Lamp Industries Ward No. 6 Purunahatsahi Baripada Dist. Mayurbhanj Orissa 0757001	Plywood for general purposes (Third revision) (Amendment 1)	IS 00303:89
7.	5074761	97/03	Anglo India Jute Mills Co. Ltd. Jagatdal 24 Parganas	Jute sacking bags for packing cement (second revision) (with Amendments No. 3)	IS 02580:92
8.	5074458	97/03	Oasis Irrigation Equipment Co. Ltd. 22 B Ramchand Dey Street South Jagadal 24 Parganas (S)	Irrigation equipment—strainer type filters (Amendment 1)	IS 12785:89



1	2	3	4	5	6
9.	5074357	97/03	Sita Cement Limited Vill. Telighana, P.O. Kutra, Sundargarh.	Manila ropes (Fourth revision)	IS 01084:94
10.	5074559	97/03	B. K. Enterprises, Shed No. S-3/11, & 12, Kalinga Industrial Estate, Dist : Sundargarh, Orissa. Sundargarh, Orissa.	General requirements for packages of explosives : Part 1 Commercial high explosives (first revision) (Amendment 1)	IS 10212:86 Part 01
11.	5075359	97/03	Mutual Insulated Cables & Conductors Limited, S 3A-25/26 New Industrial Estate, E, Jagatpur, Cuttack Cuttack, Orissa.	Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium) magnesium silicon type) (third revision)	IS 00398:76 Part 04
12.	5075864	97/03	Gupta Cables Pvt. Ltd. Station Road Bhubaneswar 751006	Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 5 Aluminium conductors galvanized steel reinforced for extra high voltage (400 KV and above) (first revision)	IS 00398:76 Part 05
13.	5075460	97/03	Universal Industrial Paints, Plot No. M 13 (Part), IVth Phase, Adityapur Industrial Area, P.O. Gamarai, Dist : West Singhbhum, Bihar.	Ready mixed paint, air drying, red oxide-zinc chrome, priming (Second revision)	IS 02074:92
14.	5075662	97/03	Vika Manufacturing Company Pvt. Ltd., Village — Bargawa P.O. Khijri, Nakum Bihar Ranchi 834010	Uncoated stress relieved strand for prestressed concrete (first revision) (Amendments 2)	IS 06006:83
15.	5075157	97/03	Modi Plastics Ltd. Nasriganj Danapur Patna 800018	Fabricated PVC fittings for potable water supplies : Part 2 Specific requirements for sockets (first revision)	IS 10124:88 Part 02
16.	5074862	97/03	Nirman Cements Ltd. N.H. 30 Bihta Patna, Bihar	33 Grade ordinary portland cement (fourth revision) (Amendments 2)	IS 00269:89
17.	5074963	97/03	Saket Tubes Didarganj Patna City, Bihar 800008	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88

1	2	3	4	5	6
18.	5076159	97/03	Tata Iron & Steel Co. Ltd. Jamshedpur 7	Hot rolled steel plates, sheet, strips and flats for flanging and foorming operation (first revision)	IS 05986:92
19.	6122347	97/03	Kwality Agro Vet Industries No. 2/222, A, Kattor Road, Sivadhapuram Salem 636307	Mineral mixtures for supplementing poultry feeds (first revision)	IS 05672:92
20.	6121951	97/03	Urbane Industries 48, Sidco Indl. Estate Ambattur Madras 600098	Glass fibre reinforced polyester (GRP) squatting pans (first revision)	IS 11246:92
21.	6122448	97/03	Kwality Agro Vet Industries No. 2/222-A, Kattor Road, Sivadhapuram Salem 636307	Mineral mixtures for supplementing cattle feeds (third revision) (with amendment No. 1)	IS 01664:92
22.	6122549	97/03	Pasumai Irrigations Ltd., 52/2. Mangalam Road, Uruvaiyur, Pondicherry 605110	Irrigation—equipment emitters	IS 13487:92
23.	6123652	97/03	Galaxy Cements (P) Ltd Industrial Developnemt Area A. M. Road, Edathala Aluva Kerala Erumathala P.O. 683105	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendment 3)	IS 08112:89
24.	6122852	97/03	Lakshmi Polymers Bldg. No. XX1/336, Survey No. 27/3 Shoranur Municipal Limits Palakkad Kerala Shoranur 679122	Injection moulded PVC socket fittings with solvent Cement joints for water supplies : Part 3 specific requirements for 90 degree elbows	IS 07834:87 Part 3
25.	6122751	97/03	Gokul Capacitors 26 & 28, KPG Nagar IV Street Cross Ganapathy Coimbatore 641006	Shunt capacitors for power systems (second revision) (Amenements 4)	IS 028 34:86
26.	7127362	97/03	Galaxy Electrical Industries Gala No. 33, I Floor, Singh Indl. Estate No. 3 Rammandir Road Goregoan (W) Mumbai 400104	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (seconod revision) (Amendments 3)	IS 01293:88

1	2	3	4	5	6
27.	7127564	97/03	Goa Optolab Pvt. Ltd. 50, Tivim Industrial Estate Mapusa Goa 403 526	Spectacle lenses	IS 05695:70
28.	7128465	97/03	Hitesh Industries Agarwal Udyognagar, Bldg. No. 8, Gala No. 14, Satavali Road, Wali, Vasai Road (E) Thane District 401 208	Fire extinguisher, carbon dioxide type (portable and trolley mounted) (second revision) (Amendment 1)	IS 02878:86
29.	7131353	97/03	Krunal Engineering Works 704, Ganesh Nagar Vitawa, Old Belapur Road Kalwa (E) Thane 400 605	Portable fire extinguishers, dry powder (cartridge type) (Third revision) (Amendment No. 1)	IS 02171:85
30.	7129063	97/03	Pointer Industries B/3, Sai Star Indl. Estate, B.P. Cross Road No. 3 Bhayander (E) Thane District 401 105	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amendments 3)	IS 03854:88
31.	7131151	97/03	Bharat Fire Engineers 3/6, Anupam Indl. Estate LBS Mary Mulund (W) Mumbai 400 080	Portable fire extinguishers, dry powder (cartridge type) (Third revision) (Amend- ment No. 1)	IS 02171:85
32.	7131252	97/03	Bharat Fire Engineers 3/6, Anupam Indl. Estate LBS Marg, Mulund (W) Mumbai 400 080	Portable fire extinguisher, water type (gas cartridge) (third revision)	IS 00940:89
33.	7128970	97/03	Datar Switchgear Limited W-100 A, MIDC Ambad Nasik 422 010	Circuit breakers for overcurrent protection for household and similar installations (first revision)	IS 08828:93
34.	7131050	97/03	EPC Irrigation Ltd. Plot No. B/20, MIDC Ambad. Nasik 422010	Rotating sprinkler : Part 1 Designe and operational requirement	IS 12232:87 Part 01
35.	7127463	97/03	Galaxy Electrical Industries Gala No. 33, I Floor, Singh Indl. Estate No. 3 Rammandir Road, Goregaon Mumbai (W) 400 104	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amendments 3)	IS 03854:88

1	2	3	4	5	6
36.	7128768	97/03	Heatray Engineering 10/2-B, Gorthan Khurd Taluka Khopoli, Dt. Raigad Kalapur (Maharashtra)	Mineral filled sheathed heating elements (second revision) (Amendments 6)	IS 04159:83
37.	7129164	97/03	Pointer Industries B/3, Sai Star Indl. Estate B.P. Cross Road No. 3 Bhayander (E) Thane District 401 105	Bayonet lamp holders (Third revision) (Amendments 2)	IS 01258:87
38.	7129265	97/03	Pointer Industries B/3, Sai Star Indl. Estate B.P. Cross Road No. 3 Bhayander (E) Thane District 401 105	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (second revision) (Amend- ments 3)	IS 01293:88
39.	7129366	97/03	Pointer Industries B/3, Sai Star Indl. Estate B.P. Cross Road No. 3 Bhayander (E) Thane District 401 105	Ceiling roses (second revision) (Amendments 4)	IS 00371:79
40.	7129568	97/03	Stack Cables Plot No. 111, Dewan Indl. Estate Dewan Udyog Nagar, Aliyali Palghar (W) Thane District 401 404	PVC insulated (heavy duty) electric cables: IS 01554:88 Part 1 For working voltages upto and including 1 100 V (Third revision)	Part 01
41.	7127867	97/03	Steelage Industries Ltd. Bldg. 'A' Byculla Service Inds. Off. Dadoba Kondeo Road Byculla, Bombay-400 027	Vibratory rollers	IS 05500:91 Part 01
42.	7128162	97/03	Shankar Industries Plot No. A-118, 22nd Road Wagle Indl. Estate Thane 400 604	Bayonet lamp holders (Third revision) (Amendments 2)	IS 01258:87
43.	7131959	97/03	Novel Fire Protection Applian- ces Private Limited GIDC Sarigam Industrial Estate Bhilad Distt. Valsad	Dry powder for fire fighting (first revision) (Amendments 3)	IS 04308:82
44.	7130654	97/03	Asian Tubes Limited Plot No. 70 Village : Ankhol Taluka Kadi Mehsana District	Steel tubes for mechanical and general engineering purposes (first revision) (Amendments 2)	IS 03601:84
45.	7128667	97/03	Everest Plastics Pvt. Ltd. Near GIDC Bamanbore Talak Chotila Distt. Surendernagar	Irrigation equipment—Polyethylene pipes for irrigation laterals (Amendment 1)	IS 12786:89

1	2	3	4	5	6
46. 7132759	97/03	India Drossbach Ltd. Vamja Road Karan Nagar Tal Kadi Distt. Mehsana 382727	Irrigation equipment—emitting pipe-system.	IS 13488:92	
47. 7132961	97/03	Koteslwar Chemfood Industries Survey No. 155/1 Near Kandla Free Trade Zone Village Kidana Taluka Anjar Kutch 370201	Common salt for chemical industries (third revision) (Amendment 1)	IS 00797:82	
48. 7132052	97/03	Novel Fire Protection Appliances Private Limited. GIDC Sarigam Industrial Estate Bhilad Distt. Valsad	Specification for portable fire extinguisher water type (soda acid) (third revision)	IS 00934:89	
49. 7132153	97/03	Novel Fire Projection Appliances Private Limited GIDC Sarigam Industrial Estate Bhilad Distt. Valsad	Portable fire extinguisher, water type (gas cartridge) (third revision)	IS 00940:89	
50. 7132254	97/03	Novel Fire Protection Appliances Private Limited GIDC Sarigam Industrial Estate Bhilad Distt. Valsad	Portable fire extinguisher mechanical foam type (Amendments 3)	IS 10204:82	
51. 7129972	97/03	Star Cement Co. Village Vanakpur Post Nadarkha Taluka Godhra Panchmahal Distt.	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
52. 7130957	97/03	Shri Jaleshwar Tin Industries High Way Road Kanodar Taluk Palanpur Distt. Banaskantha	Square tins - 15 kg for ghee, Vanaspati, edible oils and bakery shortennings (first revision) (Amendment 1)	IS 10325:89	
53. 7133357	97/03	United Phosphorus Limited 3101/2, G.I.D.C. Amkleshwar	Mencozeb water dispersible powder concentrates (Amendment 1)	IS 08708:78	
54. 8188690	97/03	Brimson Cables (Pvt.) Ltd. A-86, Sector 58, Noida 201 301	PVC insulated (heavy duty) electric cables: Part 1 For working voltages upto and including 1 100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01	
55. 8186787	97/03	K.P. Engineering Works (Regd.) F-124, Mayapuri Indl. Area Phase II, New Delhi 110064	Deepwell hand pumps (third revision) (Amendments 2)	IS 09301:90	

1	2	3	4	5	6
56. 8186585	97/03	Prabhat Electricals (India) 1735/126, Shanti Nagar, Tri Nagar, Delhi 110035	Safety of household and similar electrical appliances: Part 2 Particular requirements, Sec 201 Electric immersion water heater	IS 00302:92 Part 02 Sec 201	
57. 8186686	97/03	Prabhat Electricals (India) 1735/126, Shanti Nagar, Tri Nagar, Delhi 110035	Electric immersion water heaters (fourth revision)	IS 00368:92	
58. 8187486	97/03	S.S. Home Appliances RZJ-19/261 West Sagarpur Pankha Road Delhi 110046	Safety of household and similar electrical appliances: Part 2 Particular requirements, Sec 30 Electric radiators (Amendment 1)	IS 00302:92 Part 02 Sec. 30	
59. 8186383	97/03	Vinesh Indl Corporation 902/290 Shalimar Indl Area P.O. Ashok Vihar Delhi 110052	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (Aluminium magnesium silicon types) (third revision)	IS 00398:76 Part 04	
60. 8186484	97/03	Windsor Cables (P) Ltd. 44, SSI, Industrial Area, G.T. Karnal Road, Delhi 110033	Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables: Part 1 For working voltage up to and including 1100 V (first revision) (Amendment 1)	IS 07098:88 Part 01	
61. 8188185	97/03	Durgesh Industries G-17, Boranada Industrial Area Phase-I Jodhpur Jodhpur	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
62. 8188387	97/03	Rajasthan Surgico Pvt. Ltd. E-108, RIICO Industrial Area Napasar Bikaner Bikaner 334201	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems: Part 1 pipes	IS 14151:94 Part 01	
63. 8187385	97/03	Shri Mahadev Cement Works Pvt. Ltd. Bikaner Road Gogelav Nagaur Nagaur	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
64. 8187082	97/03	Swastic Pipes A-88-A, Vishwakarma Industrial Area Jaipur Jaipur 302013	High density polyethylene pipes for potable water supplies; sewage and Industrial effluents (third revision)	IS 04984:87	

1	2	3	4	5
65. 8187284	97/03	J.K. Cement Works - Kailash Nagar Chittorgarh NIMBAHERA 312601	Portland pozzolana cement : Part 2 calcined clay based (third revision) (Amendment No. 1)	IS 01489:91 Part 02
66. 8188286	97/03	Rajdhani Associates Pvt. Ltd. A 22 (B) Industrial Area Alwar Behror	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
67. 9140061	97/03	Jagan Tubes Ltd. Vill : Ghollumajra, Derabassi Ambala Highway, Distt. Patiala Derabassi (Punjab)	Mild steel tubes, tublars and other wrought steel fittings, part 1 Mild steel tubes (fifth revision) (Amend- ments 3)	IS 01239:90 Part 01
68. 9139884	97/03	Laxmi Spun Pipe Inds. 9 Km. Stone, Sirsa Dabwale Road Distt. Sirsa Vill : & PO Khairekan (Haryana)	Precast concrete pipes (with and with- out reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88
69. 9140162	97/03	Venus Plywood Pvt. Ltd. Vill : Radwali PO Nurpur Pathankot Road Jalandhar (Punjab)	Block boards	IS 01659:90
70. 5075258	97/03	Chandawat Udyog (Cylinders) Ltd., Village : Lalgargh, Madhupur, Madhupur, Bihar, 815 353	Welded low carbon steel cylinder exceeding 5 litre water capacity for low pressure liquifiable gases : Part 1 cylinders for liquified petroleum gas (LPG) (fourth revision)	IS 03196:92 Part 01
71. 7129669	97/03	Amat Tubes Pvt. Ltd. Khopoli Pen Road, Isamba Phata Khopoli	Steel tubes for mechanical and general engineering purposes (first revision) (Amendments 2)	IS 03601:84
72. 7131454	97/03	Vidhi Dyestuffs Mfg. Ltd. 59-B, MIDC Dhatav, Roha Raigad District	Carmoisine' food grade (first revision) (Amendments 2)	IS 02923:74
73. 7129770	97/03	Amat Tubes Pvt. Ltd. Khopoli Pen Road, Isamba Phata Khopoli	Steel tubes for structural purposes (third revision) (Amendments 2)	IS 01161:79
74. 7129871	97/03	Amat Tubes Pvt. Ltd., Khopoli Pen Rod, Isamba Phata Khopoli	Iron nickel alloy 36 for ceramic sealing	IS 12390:79 Part 01
75. 7131555	97/03	Vidhi Dyestuffs Mfg. Ltd., 59-B, MIDC Dhatav, Roha Raigad District	Ponceau 4R, food grade (first revision) (with amendment No. 3)	IS 02558:74

1	2	3	4	5
76. 7131656	97/03	Vidhi Dyestuffs Mfg. Ltd. 59-B, MIDC Dhatav, Roha Raigad District	Sunset yellow FCF, food grade (first revision) (Amendment No. 2)	IS 01695:74
77. 7131757	97/03	Vidhi Dyestuffs Mfg. Ltd. 59-B, MIDC Dhatav, Roha Raigad District	Tartrazine, food grade (First revision) (Amendments No. 3)	IS 01694:74
78. 7128566	97/03	Ankur Scientific Energy Technology P. Ltd., Savli Road Village Gothda Tal Savli Distt. Baroda	Recorded Characteristics of magneite audio records for motion picture film (8mm type S)	IS 12293:90 Part 02
79. 7132653	97/03	Gujarat Agro Industries Corporation Ltd., Beyond Naroda Rly Crossing Karanj Baug Near Chest Disease Hospital N H No 8 Naroda Ahmedabad 382340	Chlorpyrifos emulsifiable concentrates (Amendment 1)	IS 08944:78
80. 7131858	97/03	Acquaguard Plastics & Polymers Pvt. Ltd. A-1/839, GIDC Makar Pura Indl. Estate Baroda 390010	Polyethylene pipes for sprinkler irri- gation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
81. 9143774	97/03	Agarwal Cables Malgodown Road Faizabad Faizabad 224001	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 2 Alu- minium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 Part 02
82. 9140263	97/03	Babaji Industries Village : Kachnalganj Rampur Road Udham Singh Nagar Kashipur	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (fourth revision)	IS 04246:92
83. 9141669	97/03	Parvat Wires Kathgodam Nainital	Galvanized steel barbed wire for fenc- ing (third revision) (Amendments 4)	IS 00278:78
84. 9141568	97/03	Kashi Vishwanath Steels Limited, Narain Nagar Bazpur Road Kashipur	Steel for general structural purposes (Fourth revision) (supersedes IS 225:1975) (Amendment No. 1)	IS 02062:92
85. 6124048	97/03	Katwa Cement Co., Yadawad Village Gokak Taluk Belgaum District	53 grade ordinary Portland cement (Amendments 3)	IS 12269:87



1	2	3	4	5
86. 9142873	97/03	A.M. Coirs Limited Vill : Gholumajra, P.O. Dapper Distt. Patiala Derabassi (Punjab)	Rubberized coir sheets for cushioning (first revision)	IS 08391:87
87. 9140970	97/03	Anand Pipes Vill : Mandi Ladhuka Teh. Fazilka, Distt. Ferozepur Mandi Ladhuka (Punjab)	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:83
88. 9139379	97/03	Amar Singh & Sons (P) Ltd. Vill : Chak Gujran Jalandhar Road Hoshiarpur (Punjab)	Welded low carbon steel cylinder exceeding 5 litre water capacity for low pressure liquifiable gases : Part 1 Cylinders for liquefied petroleum gas (LPG) (fourth revision)	IS 03196:92 Part 01
89. 9141366	97/03	Chandigarh Cables (P) Ltd. Plot No. C-69 & 70 Cocal Point, Chanalon Ropar (Punjab)	PVC insulated (heavy duty) electric cables : Part 1 for working voltages upto and including 1100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
90. 9143269	97/03	Dhiman Industries Pvt. Ltd. Guru-Ki-Nagri Mandi Gobindgarh (Punjab)	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS: 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
91. 9142166	97/03	Fine Engg. Works Majestic Road Moga (Punjab)	Safety requirements for power threshers (Amendments 4)	IS 09020:79
92. 9141063	97/03	G.H. Pipe Industries Vill : Enna Khara, Muktsar Road Malour (Punjab)	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88
93. 9141265	97/03	H.P. Cement & Inds. (P) Ltd. Bata Mandi Distt. Sirmaur Paontasahib (HP)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
94. 9142469	97/03	Haryana State Electronics Dev. Corpn. Ltd., IDDC Complex 35 Staff Road, PO Box 35 Ambala Cantt 133001	Diagnostic medical X-ray equipment: Part 3 Radiation safety requirement	IS 07620:86 Part 01
95. 9141164	97/03	J.M. Metal & Steel Works Sodal Saidpur Road Near Kali Mata Mandir Jalandhar (Punjab)	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84
96. 9142671	97/03	Max Valves & Regulators Pvt. Ltd. 419, Indl. Area, Phase-I Panchkula (Haryana)	Low pressure regulators for use with liquefied petroleum gas (LPG) (Amendments 5)	IS 09798:81
97. 9139682	97/03	Poddar Tyres Ltd. Poddar Nagar, G.T. Road, Jugiana Ludhiana (Punjab)	Cycle and Rickshaw pneumatic tyres (Third revision) (Amendment No. 1)	IS 02414:91

1	2	3	4	5
98. 9140364	97/03	Standard Electricals D-116, Phase VII Indl. Area Mohali (Punjab)	Low voltage fuses: Part 1 General re- quirements	IS 09224:79 Part 01
99. 9142974	97/03	Aarti Steel Pvt. Ltd. Sherpur Kalan, Near Focal Point Ludhiana	Mild steel wires, formed wires and tapes for armouring of cables (third revision)	IS 03975/ :88
100. 9141467	97/03	Chandigarh Cables (P) Ltd. Plot C-69 & 70 Cocal Point, Chanalon Roper (Punjab)	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 v (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
101. 9140465	97/03	Dua Electricals 3237/1, Street No. 3 New Janta Nagar Opposite Arora Palace Gill Road Ludhiana	Safety of household and similar elec- trical appliances: Part 2 Particular requirements	IS 00302:92 Part 02
102. 9141972	97/03	Karam Steel Corporation Nasrali Road Distt. Fatehgarh Sahib Mandi Gobindgarh (Punjab)	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
103. 9142772	97/03	R. Kay Grinding Jammu (P) Ltd. Industrial Estate (Exten.) Kathua Hatlimra	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
104. 9141871	97/03	Sturdy Polymers Ltd. 21, Industrial Area Solan Baddi	Fabricated PVC fittings for potable water supplies: Part 2 Specific re- quirements for sockets (first revision)	IS 10124:88 Part 02
105. 9140667	97/03	Ahuja Bulbs Pvt. Ltd. Faal Ganj Industrial Estate Kanpur	Tungsten filament general service elec- tric lamps (third revision) Amend- ments 7)	IS 00418:78
106. 9141770	97/03	Khandelwal Cables Ltd. Udyog Nagar Vrindavan Mathura 281121	Enamelled round winding wires : Part 5 Wires for elevated temperatures (Amendments 7)	IS 04800:68 Part 05
107. 9142065	97/03	M.K. Vinyl (P) Ltd. G.T. Road Indl. Area Chaudagra, Post Mauhar Distt. Fatehpur (UP)	Fabricated PVC fittings for potable water supplies : Part 2 Specified re- quirements for sockets (first revision)	IS 10124:88 Part 02
108. 9144069	97/03	Bamba Cement Private Ltd. Vill : Prithipura Maralia Jammu (J & K)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89

1	2	3	4	5
109. 9144271	97/03	Krishna Metal Works New Chhachhrauli Road Distt. Yamunanagar Jagadhari (Haryana) 135003	Cold rolled brass sheet, strip and foil (third revision)	IS 00410:77
110. 9144170	97/03	Mehat Cements Pipe Factory Vill: & PO Mehtan Teh. Phagwara Kapurthala (Punjab)	Precast concrete pipes (with and with- out reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88
111. 9144473	97/03	Vishal Vir Vikram Cement Inds. Baja Road Jaitu Mandi (Punjab) 151202	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments)	IS 08112:89
112. 9140566	97/03	Krishna Electrical (Regd.) Dardi Colony Near Gurdwara Sahib Samana (Punjab)	Electric irons (fourth revision)	IS 00366: 91
113. 9142368	97/03	R.K. Electrical Industries (India) Ltd. 20th Mile Stone, Tatheri Road, PO Rai Sonepat (Haryana)	Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables: Part 1 For working voltage up to and including 1100 V (first revision) (Amendment 1)	IS 07098:88 Part 01
114. 9140869	97/03	Seemax Steel Tubes (P) Ltd. Kala AMB Industrial Area Atrilokpur Road Distt. Sirmour Kala AMB	Steel tubes for structural purposes (third revision) (Amendments 2)	IS 01161:79
115. 6127660	97/03	Shine Flo 1454 Thadagam Road GCT Post Coimbatore 641 013	Synthetic quartz single crystal	IS 09709:89
116. 8188791	97/03	Bal Kam India B-33, Old Vishnu Garden, New Delhi 110018	ac watt-hour meter, class 0.5, 1 and 2 (Amendments 1)	IS 13010:90
117. 8187587	97/03	Microtech Switchgear H-17, DSIDC Complex, Nangloi Industrial Area, Delhi 110041	Circuit breakers for overcurrent protec- tion for household and similar instal- lations (first revision)	IS 08828: 93

[No. CMD/13:11]

V. K. JAIN Addl. Director General

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3066. — भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :

## अनुसूची

क्र. सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	शीर्षक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं./भाग/अनुभाग वर्ष
1	2	3	4	5	6
1.	5076765	97/04	साइन सेप्टी एप्पलाइसेस लि. पी-25, ट्रांसपोर्ट डिपो रोड, कलकत्ता-700088	खनिज टोप लैम्प एसेम्बलियां	आई एस 05679 : 86
2.	5076462	97/04	पिप्रोनियर प्लास्टिक वर्क्स प्रा.लि., यसन्तनाल साहू रोड, कलकत्ता-700053	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र लिए पॉलीइथाइलीन पाइप भाग 2 सिंचाई तंत्र के छिड़काव युग्मक के लिए पॉलीइथाइलीन पाइप	आई एस 14151 : 94 भाग 02
3.	5077363	97/04	एस.एच. पालीमर्स (प्रा.) लि. पी.ओ. एवं गांव फुलवारी, जिला जलपाईगुड़ी	बोर नलकूपों के लिए अनमिश्रित पी.ओ. सी. गारी और आवरफ पाइप	आई एस 12818 : 92
4.	5076260	97/04	सूरी सेफ ग्लास वर्क्स (प्रा.) लि. जनपुरा, महेश तारा, जिला 24 परगना 742352	सुरक्षा कांच भाग 2, सड़क परिवहन के लिए	आई एस 02553 : 90 भाग 02
5.	7134157	97/04	मेस्ट कंट्रोल (इंडिया) प्रा.लि., ए-6, मीरा इंड. एस्टेट, 10/11, एम आई डी सी एरिया, मीरा-401104, जिला थाना	ब्रोमोडाइजॉन सी.बी.	आई एस 12913 : 90
6.	7122155	97/04	प्रोग्रेसिव इलेक्ट्रिकल इंड. 22, (पुरानी बिल्डिंग), पटेल इंड. एस्टेट, एस.बी. रोड, डहीसर, बम्बई-400068	सीलिंग रोज	आई एस 00371 : 79
7.	7133256	97/04	प्रोग्रेसिव इलेक्ट्रिकल इंड. 22, (पुरानी बिल्डिंग), पटेल इंड. एस्टेट, एस.बी. रोड, डहीसर, बम्बई-400068	कील खांचा (बायोनेट) लैम्प होल्डर	आई एस 01258 : 87
8.	7133054	97/04	विक्टर इंडस्ट्रीज, गाला नं. 206, दूसरा तल, आशीर्वाद हैवी इंड. एस्टेट, नं. 2, राम मंदिर रोड, गोरे गांव (प.) बम्बई-400062	सीलिंग रोज,	आई एस 00371 : 79

1	2	3	4	5	6
9.	7133862	97/04	डोमीडब्ल्यू हॉम प्राइवेट लिमिटेड गांव चौपडवा, एन एच 8-ए, तालुक भलुआ, जिला कच्छ	आयोडीन युक्त नमक	आई एस 07224 : 85
10.	7133963	97/04	मार्बल प्राइवेट लिमिटेड, सी/18, फेम 1, जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, नारोदा, अहमदाबाद-382330	निमज्जनीय पंपसेट	आई एस 08034 : 89
11.	8190778	97/04	महावीर इंडस्ट्रीज, एम पी-1, प्रथम फेस, इंडस्ट्रियल एरिया, बाडमेर-344001	सिचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिए पालीइथाइलीन पाइप	आई एस 14151 : 94
12.	8189793	97/04	पित्तिल सीमेंट एंड इंडस्ट्रीज लि. गांव : पृथ्वीपुरा, तहसील : जयतरन, पाली, जयतरन	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
13.	7135765	97/04	अपार लिमिटेड, धर्म सिंह देसाई पार्क, गांव बाठुवा, तहसील साबली, जिला बड़ोदा 391775	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक	आई एस 00398 : 76 भाग 04
14.	7135462	97/04	सी आई पाइपस मैनुफैक्चरिंग कारपोरेशन, 259, जी आई डी सी इंडस्ट्रियल एस्टेट, वधवान शहर, जिला सुपेन्द्र नगर, 363030	जल, गैस और मल निस्कास के लिए खड़ी ढलाई के लोहे के दाब पाइप	आई एस 01537 : 76
15.	7135967	97/04	टू केबल्स प्राइवेट लिमिटेड, ब्लॉक नं. 304, समीप माधव बेग्लिज, सरखेज बावला हाइवे, चण्गोदर, जिला अहमदाबाद-382210	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए पी वी सी रोधित केबल	आई एस 00694 : 90
16.	7135563	97/04	अपार लिमिटेड धर्मसिंह देसाई पार्क, गांव बाठुवा, तह. साबली, जिला-बड़ोदा-391775	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक, भाग 2 जस्ताकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालक	आई एस 00398 : 76 भाग 02
17.	7135866	97/04	अपार लिमिटेड, धर्मसिंह देसाई पार्क, गांव बाठुआ, तह. साबली, जिला बड़ोदा-391775	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक	आई एस 00398 : 76 भाग 05
18.	7134056	97/04	विष्मन्त मजिफल इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 14, इंडस्ट्रियल एरिया, समीप जी टी एस, सैक्टर 30 गांधीनगर-382030	हथकरघे की बनी अथवा अतिरिक्त सूती रज	आई एस 00758 : 88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
19.	7136060	97/04	गुजरात एग्री इंडस्ट्रीज कारपो- लि., पीछे नारोदा रेलवे क्रासिंग, कारंजबग, समीप चेस्ट डिजिज हॉस्पिटल, एन.एच. नं. 8, नारोदा अहमदाबाद-382340	मिथाइल पैराथियान भुरकन पाउडर	आई एस 09860 : 78
20.	7136565	97/04	सायाजी मेथनेस लिमिटेड, 17/18 जीवीएमएम औद्योगिक बसाहव, औधव, अहमदाबाद-382410	कैरामल भाग 1 प्लेन	आई एस 04467 : 80 भाग 01
21.	8192580	97/04	एन. पी. इलेक्ट्रिकल्स एस-66-ए, गली नं. 2, बिष्णु गार्डन, नई दिल्ली—110018	डिजर्ट कूलर के पम्पसेट	आईएस 11951 : 87
22.	8191780	97/04	राज सिंह इंडर, प्लॉट नं. एफ—269, 3 रा फेस, रिको इंड. एरिया, भीलवाड़ा।	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
23.	8193279	97/04	वायर लिक्स, जी-472, रोड नं. 9ए, वी के आई एरिया, जयपुर 302 013	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आईएस 00694 : 90
24.	8193380	97/04	वायर लिक्स जी-472, रोड नं. 9 ए, वी के आई एरिया, जयपुर 302013	पीवीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग I 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01
25.	9144574	97/04	अग्रवाल स्पन पाइप्स गांव एवं पोस्ट पट्टाणा, तहसील गडशंकर, होशियारपुर (पंजाब)	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	आईएस 00458 : 88
26.	9144776	97/04	बीर सिंह एंड संस, चण्डीगढ़ रोड, समराला (पंजाब) 141114	पावर शेयर की सुरक्षा अपेक्षाएं	आईएस 09020 : 79
27.	9144372	97/04	महक केमीकल्स प्रा. लि., प्लॉट नं. 47, 48, 53 से 55 इंड. एरिया, जिला उना, तेलीवाला (हि. प्र.)	ऑक्सीजिंग पाउडर-स्टेबल	आईएस 01065 : 89
28.	9143976	97/04	राज एण्ड संस बीप्स लि., गांव एवं पोस्ट जण्डी अली, खम्मा चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना (पंजाब)	कंक्रीट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विन्धापित इस्पात सरिए और तार	आईएस 01786 : 85
29.	9144877	97/04	हिमालयन प्लास्टिक प्रा. लि. पी ओ देवनघाट, जिला सोलन (हि. प्र.)	सिचाई तन्त्र के छिड़काव यंत्र के लिए पॉलीएथाइलीन पाइप	आईएस 14151 : 94 भाग 01

1	2	3	4	5	6
30.	9144978	97/04	मोण्टोरा आयल प्राइवेट लि., चिराना रोड, बिसयाकपुर, रनिया, कानपुर देहात कानपुर देहात	वनस्पति	आईएस 10633 : 86
31.	9145475	97/04	बनारसी दास स्टील प्रा. लि., 197, इंड. एरिया, फेस 2, पंचकुला ( हरियाणा )	अपशिष्ट और संवातन के लिये रेत के साँचों में ढले लोहे के स्प्रिंग और साकेट पाइप, फिटिंग और सहाय- कांग	आईएस 01729 : 79
32.	9145576	97/04	जी. एस. सी. कास्टिंग प्रा. लि., सम्मुख : एंग्रो टैंक, जण्डीझली रोड, बुधवाल, लुधियाना लुधियाना ( पंजाब )	अपशिष्ट और संवातन के लिए रेत के साँचों में ढले लोहे के स्प्रिंग और साकेट पाइप फिटिंग और सहायकांग	आईएस 01729 : 79
33.	9146275	97/04	ह्यूम पाइप्स प्रा. लि., गांव एंथ पोस्ट घरौन तह : खराड़, जिला रोपड़ घरौन ( पंजाब )	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप ( प्रबलन सहित और रहित )	आईएस 00458 : 88
34.	9145071	97/04	केशवान सीमेंट प्रा. लि., 6 ठा किमी. पत्थर, निजामपुर रोड, नारनौल ( हरियाणा ) 123001	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
35.	9148378	97/04	रॉयल वुड इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 26, फेस 3, इंड. एरिया, गंगवाल जम्मू जे एंड के	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर ( ठोस कोर प्रकार ) भाग 1 प्लाईवुड सतहयुक्त पल्ले	आईएस 02202 : 91 भाग 01
36.	9145980	97/04	सुरिन्द्र इंजीनियरिंग कं. प्रा. लि., गांव : चार हेरी, राजपुरा-अम्बाला रोड, राजपुरा ( पंजाब )	पानी, गैस और मल-जल के लिये विद्युत चालित इस्पात पाइप ( 1683 से 2032 मिमी. सांकेतिक साइज )	आईएस 03589 : 91
37.	9145677	97/04	बी टी सीमेंट प्रा. लि., मोगा रोड, जिला फिरोजपुर धर्मकोटा ( पंजाब )	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
38.	9146174	97/04	एल्कॉन वायर्स एंड केबल इंडस्ट्रीज, 27—ए, फोकल प्वाइंट, कोटकपुरा 151 204	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पॉलिइथाइलीन विद्युत रोधी ताप स्थायी ढके हुए केबल	आईएस 07093 : 88 भाग 01
39.	9146780	97/04	क्रॉप केमीकल्स इंडिया, सी-63 से 65 फोकल प्वाइंट, कोटकपुरा 151 204	मैलार्थियान पायसनीय सांद्र	आईएस 02567 : 78
40.	9146881	97/04	क्रॉप केमीकल्स इंडिया, सी-63 से 65 फोकल प्वाइंट, कोटकपुरा 151 204	क्लोरोपाइरीफॉस पायसनीय सांद्र	आईएस 08944 : 78

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
42.	9145374	97/04	चण्डीगढ़ केबल्स (प्रा.) लि., प्लॉट नं. सी—69 एवं 70 कोकल प्वाइंट, चनालों रोपड़ (पंजाब)	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पॉलीइथाइलीन विद्युतरक्षी ताप स्थायी ठोके- केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	आईएस 07098 : 88 भाग 01
43.	9145172	97/04	केम्पान सीमेंट प्रा. लि., छटा किमी. पत्थर, निजामपुर रोड, नारनौल (हरियाणा) 123 001	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
44.	9147883	97/04	मूनलाइट पेंट्स एण्ड केमिकल्स (इंडिया) 43, फोकल प्वाइंट, इंड. एरिया, मेहता रोड, अमृतसर	सड़कों पर निशान लगाने के लिए तैयारशुदा रोगन	आईएस 00164 : 81
45.	9147479	97/04	रॉयल वुड इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 26, फेस 3, इंड. एरिया, गंगियाल, जम्मू (ज एवं क)	ब्लॉक बोर्ड	आईएस 01659 : 90
46.	9144675	97/04	एवन मेटर्स प्रा. लि., डी-15, फोकल प्वाइंट, जिला पटियाला, डेराबस्सी (पंजाब) 140 507	ड. सी. बाट घंटा मीटर, क्लास 0.5, 1 एवं 2	आईएस 13010 : 90
47.	7132355	97/04	गणेश बेन्जोप्लास्ट लिमिटेड गणेश हाउस, मरोल नाका, अंधेरी (पूर्व) बम्बई 400059	मोडियम बेन्जोएट, खाद्य ग्रेड	आईएस 04447 : 67
48.	7122458	97/04	मधुकर महुकारी कारखाना मर्यादित नवी मार्ग, फेजपुर, जलगांव जिला 425 524	सिचाई उपस्कर—सिचाई लैटरल्स के लिए पॉलिइथालीन पाइप	आईएस 12786 : 89
49.	7133761	97/04	प्लॉट फलैमप्रूफ कंट्रोल 7 ए, इंड. एस्टेट, नं. 1, गाम मंदिर रोड, गौरेगांव (प) मुम्बई 400 104	बिजली के आवरणों के लिए ज्वाला-सह आवरण	आईएस 02148 : 81
50.	7133660	97/04	विधि डायस्टफस मैन्यू. लि., 59-बी, एन प्राइडोपो, दातव, रोहा, राइगढ़ जिला	संश्लिष्ट खाद्य रंग—निर्मितियां और मिश्रण	आईएस 05346 : 75
51.	7132860	97/04	वर्धमान प्रेस्ट्रीस्ट प्राइवेट (प्रा.) लि., गेट नं. 318, एट गांव कोण्डली, जम्भूलपाड़ा, तह : बाड़ा, थाणे जिला	पूर्व प्रबलित कंक्रीट पाइप फिटिंग	आईएस 00784 : 78
52.	7132456	97/04	गणेश बेन्जोप्लास्ट लिमिटेड, गणेश हाउस, मरोल नाका, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई 400059	बेंजोइक अम्ल	आईएस 04448 : 94
53.	7134359	97/04	रोबस्ट सीमेंट प्राइवेट लि., मंडल रोड, समीप अलीगढ़ क्रॉसिंग विराम गाम, जिला अहमदाबाद	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
54.	7135664	97/04	आपार लि., धर्मे सिंह देसाई पार्क गांव बठुआ, तह: सावली, जिला बडोदा-297715	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्यूमीनियम के चालक भाग I एल्यूमीनियम के लड़दार चालक	आई एस 00398 : 76 भाग 01
55.	9146073	97/04	सेफैक्स केमिकल्स (इंडिया) लि., ए2, एम आई ई, दिल्ली-रोहतक रोड, बहादुरगढ़ (हरियाणा) 124 503	मोनो क्रोटीफॉस एस एल	आई एस 08074 : 90
56.	9145778	97/04	सूर्या इंडस्ट्रीज, 136-140/84, इंड एरिया, फेस 1, चण्डीगढ़ 160 002	सीमेंट रंग रोगन	आई एस 05410 : 92
57.	8191275	97/04	सुपर कार्डिक ब्रीथम प्रा. लि., बी-69, जी.टी. करनाल रोड, इंड० एरिया, दिल्ली 110033	छोटे आपरेशन के लिए हाइड्रोलिक मेज	आई एस 06106 : 71
58.	9147277	97/04	मोमेंक हिना एक्सपोर्ट कारपोरेशन इंदिरा काम्पलैक्स (एक्रास केनल) तिगांव रोड, फरीदाबाद	बालों को रंगने के लिए पाउडर	आई एस 10350 : 93
59.	8190273	97/04	ईश्वर बायर प्रॉडक्ट्स, 3/26, सहदेव गली, विश्वास नगर, शाहपुरा, दिल्ली 110032	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी	आई एस 00694 : 90

[सं. के. प्र. वि. /13 : 11]  
बी. के. जैन, अपर महा निदेशक

New Delhi, the 6th October, 1999

S.O. 3066.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule

#### SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name & address (factory) of the party	Title of the standard	IS:No/Part/Sec & Year
1	2	3	4	5	
1.	5076765	97/04	Mine Safety Appliances Ltd. P-25, Transport Depot Road Calcutta-700 088	Miners' cap lamp assemblies (incorporating lead acid type batteries) (first revision) (Amendment 1)	IS 05679:86
2.	5076462	97/04	Pioneer Plastic Works Pvt. Ltd. Basant Lal Saha Road Calcutta-700 053	Polythylene pipes for sprinkler irrigation systems: Part 2 Couplers	IS 1415:94 Part 02
3.	5077363	97/04	S.N. Polymers (P) Ltd. P.O. & Village Fulbari Distt. Jalpaiguri	Unplasticized PVC screen and casting pipes for bore/tubewell (first revision)	IS 12818:92
4.	5076260	97/04	Sure Safe Glass Works Pvt. Ltd. Jalkhura Mahesh Tala Distt. 24 Parganas- 743352	Safety glass: Part 2 For road transport (Amendment 1)	IS 02553:90 Part 02

1	2	3	4	5	6
5.	7134157	97/04	Pest Control (India) Pvt. Ltd. A-6, Mira Indl. Estate 10/11, MIDC Area Mira 401 104 Distt. Thana	Bromadiolone, CB	IS 12913:90
6.	7133155	97/04	Progressive Electrical Inds. 22, (Old Building) Patel Indl. Estate S.V. Road, Dahisar(E) Bombay 400068	Ceiling roses (second revision) (Amendments 4)	IS 00371:79
7.	7133256	97/04	Progressive Electrical Inds. 22, (Old Building) Patel Indl. Estate S. V. Road, Dahisar (E) Bombay 400068	Bayonet lamp holders (Third revision) (Amendments 2)	IS 01258:87
8.	7133054	97/04	Victor Industries Gala No. 206, II Floor Ashirwad Heavy Indl. Estate No. 2, Ram Mandir Road Goregaon (W) Bombay 400062	Ceiling roses (second revision) (Amendments 4)	IS 00371:79
9.	7133862	97/04	Dow Home Products Limited Village Chopadva NH 8-A Taluka Bhachau Distt Kachchh	Iodized salt (first revision) (Amendments 2)	IS 07224:85
10.	7133963	97/04	Marvel Private Limited C/18 Phase I GIDC Industrial Estate Naroda Ahmedabad 382330	Submersible pumpsets (first revision) (Amendments 3)	IS 08034:89
11.	8190778	97/04	Mahaveer Industries SP-1, Ist Phase Industrial Area Barmer 344001	Polyethylene pipes for sprinkler Irrigation systems : Part I Pipes	IS 14151:94 Part 09
12.	8189793	97/04	Pittie Cement & Industries Ltd. Village : Prithvipura, Tehsil : Jaitaran, Pali Jaitaran	43 grade ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
13.	7135765	97/04	Apar Limited Dharam Singh Desai Park Village Bathua Tal Savli Distt Baroda 391775	Aluminium conductors for over, head transmission purposes : Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS 00398:76 Part 04

1	2	3	4	5	6
14.	7135462	97/04	C I Pipes Manufacturing Corporation 259 GIDC Industrial Estate Wadhwan City Distt Surendra Nagar 363030	Vertically cast iron pressure pipes for water, as and sewage (first revision) (Amendments No. 4)	IS 01537:76
15.	7135967	97/04	True Cables Private Limited Block No. 304 Near Madhav Weigh Bridge Sarkhej Bavla High Way Changodar Distt Ahmedabad 382210	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
16.	7135563	97/04	Apar Limited Dharam Singh Desai Park Village Bathua Tal Savli Distt Baroda 391775	Aluminium conductors for over-head transmission purposes : Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendments 3)	IS 00398:76 Part 02
17.	7135866	97/04	Apar Limited Dharam Singh Desai Park Village Bathua Tal Savli Distt Baroda 391775	Aluminium Conductors for over-head transmission purposes : Part 5 Aluminium conductors galvanized steel reinforced extra high voltage (400 KV and above) (first revision)	IS 00398:76 Part 05
18.	7134056	97/04	Bipson Surgical Industries Plot No. 14 Industrial Area Near GTS, Sector 30 Gandhinagar 382030	Handloom cotton gauze, absorbent, non-sterilized (fourth revision)	IS 00758:88
19.	7136060	97/04	Gujarat AGRO Industries Corporation Ltd. Beyond Naroda Rly Crossing Karanj Baug Near Chest Disease Hospital N H No. 8 Naroda Ahmedabad 382340	Methyl parathion dusting powders (Amendments 1)	IS 08960:78
20.	7136565	97/04	Sayaji Sethness Limited 17/18 GVMM Audyogic Vasahat Odhav Ahmedabad 382410	Caramel Part I Plain (first revision) (Amendment 1)	IS 04467:80 Part 01
21.	8192580	97/04	N. P. Electricals S-66-A, Gali, No. 2 Vishnu Garden New Delhi 110018	Pumpset for desert coolers (Amendments 2)	IS 11951:87

1	2	3	4	5
22.	8191780 97/04	Raj Cement Inds. Plot No. F-269 IIIrd Phax. Riico Indl. Area Bhilwara	43 grade ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
23.	8193279 97/04	Wire Links G-472, Road No. 9A VKI Area Jaipur 302013	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
24.	8193380 97/04	Wire Links G-472, Road No. 9A VKI Area Jaipur 302013	PVC insulated (heavy duty) electric cables : Part 1 for working voltages upto and including 1100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
25.	9144574 97/04	Aggarwal Spun Pipes Vill: & PO Padrana Teh. Garshankar Hoshiarpur (Punjab)	Precast concrete pipes (with and with- out reinforcement) (third revision (Amendments 2)	IS 00458:88
26.	9144776 97/04	Bir Singh & Sons Chandigarh Road Samrala (Punjab) 141114	Safety requirements for power thre- shers (Amendments 4)	IS 09020:79
27.	9144372 97/04	Mehak Chemicals Pvt. Ltd. Plot No. 47, 48, 53 to 55 Indl. Area, Distt. Una Talhiwala (HP)	Bleaching powder, stabale second re- vision)	IS 01065:89
28.	9143976 97/04	Raj & Sons Deeps Ltd. Vill : & PO Jandiali Khanna Chandigarh Road Ludhiana (Punjab)	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
29.	9144877 97/04	Himalayan Plastics Pvt. Ltd. PO Deonghat Distt. Solan (HP)	Polythylene pipes for sprinkler irriga- tion systems :Part 2 Couplers	IS 14151:94 Part 01
30.	9144978 97/04	Montora Oil Products Ltd. Chirana Road Bisayakpur Rania Kanpur Dehat	Vanaspati first revision) (Amendment (1)	IS 10633:86
31.	9145475 97/04	Banarsi Dass Steel Pvt. Ltd., 197, Indl. Area Phase-2 Panchkula (Haryana)	Sand cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes, fitting and accessories (first revision) (Amendments 3)	IS 01729:79
32.	9145576 97/04	G.S.C. Castings Pvt. Ltd. Opp: Agro Tec, Jandiali Road Budhewal, Ludhiana (Punjab)	Sand cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes, fitting and accessories (first revision) (Amendments 3)	IS 01729:79
33.	9146275 97/04	Hume Pipes Pvt. Ltd. Vill & PO Gharuan Teh. Kharar, Distt. Ropar Gharuan (Punjab)	Precast concrete pipes with and with- out reinforcement) (third revision (Amendments 2)	IS 00458:88

1	2	3	4	5
34. 9145071	97/04	Keshyan Cement Pvt. Ltd. 6th Km Stone Nizampur Road Narnoul (Haryana) 123001	33 Grade ordinary portland cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89
35. 9147378	97/04	Royal Wood Industries Plot No. 26, Phase III Indl. Area., Gangyal Jammu (J & K)	Wooden flush door shutters (solid core type): Part 1 Plywood face panels (Fifth revision) (Amendment Nos. 2)	IS 02202:91 Part 01
36. 9145980	97/04	Surindra Engineering Co. Pvt. Ltd. Vill. : Chalheri Rajpura-Ambala Road Rajpura (Punjab)	Seamless or electrically welded steel pipes for water, gas and sewage (168.3 to 2032 mm outside diameter) (second revision) (Amendment 1)	IS 03589:01
37. 9145677	97/04	Vee Tee Cement Pvt. Ltd. Moga Road Distt. Ferozepur Dharamkot (Punjab)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
38. 9146174	97/04	Aldon Wires & Cable Industries 27-A, Focal Point Rajpura 140401	Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables: Part 1 For working voltage up to and including 1100 V (first revision) (Amendment 1)	IS 07098:88 Part 01
39. 9146780	97/04	Crop Chemicals India C-63 to 65 Focal Point Kotakpura 151204	Malathion emulsifiable concentrates (second revision) (with amendment No. 1)	IS 02567:78
40. 9146881	97/04	Crop Chemicals India C-63 to 65 Focal Point Kotakpura 151204	Chlorpyrifos emulsifiable concentrates (Amendment 1)	IS 08944:78
41. 9145374	97/04	Chandigarh Cables (P) Ltd. Plot No. C-69 & 70 Focal Point, Chandalon Ropar (Punjab)	Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables; Part 1 For working voltage up to and including 1100 V (first revision) (Amendment 1)	IS 07098:88 Part 01
42. 9145172	97/04	Keshyan Cement Pvt. Ltd. 6th KM Stone Nizampur Road Narnoul (Haryana) 123001	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
43. 9147883	97/04	Moonlight Paints & Chemicals (India) 43, Focal Point Indl. Area, Mehta Road Amritsar	Ready mixed paint, for road marking (first revision) (Amendment No. 1)	IS 00164:81
44. 9147479	97/04	Royal Wood Industries Plot No. 26, Phase III Indl. Area., Gangyal Jammu (J & K)	Black boards	IS 01659:90

1	2	3	4	5
46. 9144675	97/04	Avon Meters Pvt. Ltd. D-15, Focal Point Distt. Patiala Dera Bassi (Punjab) 140507	ac watthour meter, class 0.5, 1 and 2 (Amendments 1)	IS 13010:90
47. 7132355	97/04	Ganesh Benzoplast Limited Ganesh House, Marol Naka Andheri (E) Mumbai- 400 059	Sodium benezoate, food grade (Amend- ment 1)	IS 04447:67
48. 7133458	97/04	Madhukar Sahakari Sakhar Karkhana Maryadit Nhavi Marg Faizpur Jalgaon District 425 524	Irrigation equipment—polyethylene pipes for irrigation laterals (Amend- ment 1)	IS 12786:89
49. 7133761	97/04	Pluto Flameproof Controls 7A, Indl. Estate No. 1, Ram Mandir Road, Goregaon (W) Mumbai 400 104	Flameproof enclosures for electrical apparatus (second re/ision) (Amend- ment Nos. 2)	IS 02148-81
50. 7133660	97/04	Vidhi Dyestufss Mfg Ltd. 59-B, MIDC Dhatav, Roha Raigad District	Coaltar food colour preparations and mixtures (first revision ) (Amend- ments 5)	IS 05346:75
51. 7132860	97/04	Vardhaman Prestressed Pro- ducts Pvt. Ltd. Gat No. 318, At Village Kondale (Jambhulpada) Tal : Wada Thane District	Specification for prestressed concrete pipes (including fittings) (first revi- sion) (Amendment No. 1)	IS 00784:78
52. 7132456	97/04	Ganesh Benzo plast Limited Ganesh House, Marol Naka Andheri (E) Mumbai 400 059	Benzoic acid	IS 04448:94
53. 7134359	97/04	Robust Cement Private Limited Mandal Road Near Aligarh Crossing Viram Gam Distt Ahmedabad	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
54. 7135664	97/04	Apar Limited Dharam Singh Desai Park Village Bathua Tal Savli Distt. Baroda 391775	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 1 Alu- minium standard conductors (second revision) (Amendment No. 1)	IS 00398:76 Part 01

1	2	3	4	5
55. 9146073	97/04	Safex Chemicals India Ltd. A-2, M.I.E. Delhi Rohtak Road Bahadurgarh (Haryana) 124503	Monocrotophos SL (second revision)	IS 08074:90
56. 9145778	97/04	Surya Industries 136-140/84, Indl. Area, Phase-I, Chandigarh 160002	Cement paint (first revision) (Amendment 1)	IS 05410:92
57. 8191275	97/04	Super Cardiac Breaths Pvt. Ltd. B-69, G.T. Karnal Road, Industrial Area Delhi-110033	Tables, operation, hydraulic, minor (Amendment 1)	IS 06106:71
58. 9147277	97/04	M/s. Somaik Henna Export Corporation Indira Complex, (Across Canal); Tigaon Road Faridabad	Powder hair dyes (first revision)	IS 10350:93
59. 8190273	97/04	Ishwar Wire Products 3/26, Sahdev Gali, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90

[No. CMD/13:11]

V. K. JAIN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3067:—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनिषम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :

अनुसूची

क्र. लाइसेंस संख्या सं.	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	शीर्षक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं०/भाग/अनुभाग/वर्ष	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. 5079266	97/06	सेन्चुरी प्लाईवोर्ड (इं) लि., डायमण्ड हारबॅर रोड, कनचौकी, विषणुपुर 24 परगना (द) प. बंगाल	समुद्री उपयोग हेतु प्लाईवुड	आई एस 00710 : 76	
2. 5079367	97/06	सेंचुरी प्लाईवोर्ड (इं.) लि., डायमण्ड हारबर रोड, कनचौकी विषणुपुर, 24 परगना .(द) पं. बंगाल	क्रंकीट शटरिंग कार्य के लिए प्लाईवुड	आई एस 04990 : 93	
3. 5078668	97/06	फेल्कॉन ट्यूब्स प्रा. लि., खपरैल रोड, पोस्ट न्यू चम्पटा, जिला बाजिलिंग	बोर नलकूपों के लिए अनम्यकृत पीवीसी जाली और आवरण पाइप	आई एस 12818 : 92	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	5078466	97/06	लांगलस्ट पाइप्स (इंडिया) प्रा. लि., गांव जगन्नाथपुर, पोस्ट बामुतारी, बाया रिसरा, जगन्नाथपुर, (प. बं.) 712248	बोर नलकूपों के लिये अतम्पकृत पीवीसी जाली और आबरक पाइप	आईएस 12818 : 92
5.	5078870	97/06	रामसरूप इंडस्ट्रियल कारपोरेशन "डी" ब्लॉक, कल्याणी, ताड़िया	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिये सादे कठोर-कठित इस्पात के तार	आईएस 01785 : 83 भाग 01
6.	6128460	97/06	एचएमपी सीमेंट्स लि., शाहबाद, गुलबर्गा जिला शाहबाद 585 229	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
7.	6128561	97/06	एचएमपी सीमेंट्स लि., शाहबाद, गुलबर्गा जिला शाहबाद 585 229	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
8.	7139167	97/06	अपार लि., स्पेशियल ऑयल्स रिफाइनरी डि. महुल, ट्राम्बे बम्बई 400 074	सामान्य कार्यों के कर्तन तेल, घुलनशील	आईएस 01115 : 86
9.	7139672	97/06	केडब्ल्यूएच हेलीप्लास्टिक (इंडिया) लिमिटेड, डी—40, पार्ट 1, ट्रांस थाने क्रीक इंडस्ट्रियल एस्टेट, थाने-बेलापुर रोड, पी. ओ. टर्भी, थाणे 400 613	सिचाई तक के छिड़काव यंत्र के लिए पॉलीइथाइलीन पाइप	आईएस 14151 : 94 भाग 01
10.	9149483	97/06	हिमालय सीमेंट्स चुछुत साम्ब, लेह ( लद्दाख ) जम्मू कश्मीर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
11.	9148885	97/06	रॉयल सीमेंट्स लि., गांव : मच्छीवाड़ा, तह : समरासा, जिला लुधियाना (पंजाब)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
12.	9149584	97/06	महावीर पीवीसी पाइप्स प्रा. लि., 5, 6 किमी. भिवानी-दादरी रोड, गांव हलुवास, जिला भिवानी, हरियाणा	सिचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिए पॉलीइथाइलीन पाइप	आईएस 14151 : 94
13.	9148986	97/06	मै. जीत इलेक्ट्रोवेकडस प्रा. लि., गांव—जाडिया, लखनऊ-बाराबंकी रोड, पांचवां मील पत्थर, बाराबंकी, बाराबंकी	हस्त्य धातु आर्क वोल्टेज के लिये आवृत्त कार्बन और कार्बन मैगनीज इस्पात इलेक्ट्रोड	आईएस 00814 : 91



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14.	9149079	97/06	मै. संगम स्ट्रक्चरल्स लि., ए-28 ए, यूपीएसआईडीसी इंड. एरिया, नैनी, पी. ओ. खडसरा ( करचना ) इलाहाबाद 212 301	सामान्य संरचना इस्पात	आईएस 02062 : 92
15.	7139975	97/06	अनेक डाइज प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. 5106/10 फेस 3, जीआईडीसी एस्टेट, बापी, जिला बलसाड 396 195	टारट्राजिन, खाद्य ग्रेड,	आईएम 01694 : 74
16.	7140253	97/06	निर्मल रबड़ इंडस्ट्रीज, 40-45 उद्योग नगर, सुरेन्द्रनगर	अग्निशमन हेतु न रिसने वाली नम्य डिजिटल रोलर जॉइंट डिलीवरी हौज	आईएम 00636 : 88
17.	8202557	97/06	भगवती केबल उद्योग खसरा नं. 1074, गांव भलसवा, जहांगीरपुरी, दिल्ली 110092	वैलिंग केबल	आईएस 0985 7:90
18.	8202860	97/06	एल्यार इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 125, तिहाड़ गांव, नई दिल्ली 110 018	डेजर्ट कूलर के लिए पम्पसेट	आईएस 11951 : 87
19.	8202961	97/06	जिन्दल इंडस्ट्रीज, बी-72-ए, ऋषि नगर, शकूरबस्ती, दिल्ली 110034	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हा	आईएम 04246 : 92
20.	8201656	97/06	भिलाई वायर्स लि., इंडस्ट्रियल एरिया, पोस्ट बाक्स नं. 14, भिलाई 490 001	शिरोपरि प्रेवण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 2 जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालक	आईएस 00398 : 76 भाग 02
21.	8202759	96/06	सेन्युरी सीमेंट पी. ओ. बैकुण्ठ जिला राइपुर ( म. प्र. ) 493 116	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
22.	8202456	97/06	विक्रम सुपर सीमेंट दामोदरपुरा, विक्रमनगर, पोस्ट खार, जिला मण्डसौर ( म. प्र. ) 458 470	सल्फेट प्रतिरोधी पोर्टलैंड सीमेंट	आईएम 12330 : 88
23.	8199493	97/06	मीरा सीमेंट्स प्रा. लि., पी. ओ. गोटेन, नागौर गोटेन 342 902	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
24.	9150568	97/06	हरमिलाप इलेक्ट्रिकल्स 104/3 एचएसआईडीसी इंड. एस्टेट, जी. टी. रोड, करनाल 132 001	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प	आईएम 00418 : 78
25.	9149382	97/06	लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, वक्ताशप रोड, लक्ष्मी नगर, यमुना नगर ( हरियाणा ) 135001	पीतल की चहरो की पट्टियां और पन्थायें	आईएस 00410 : 77

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
26.	9150670	97/06	रतन पॉलीमर्स प्रा. लि., 1764 मांडन हंड. एस्टेट, जिला रोहतक, बहादुरगढ़ (हरियाणा)	विद्युत संस्थापन के लिये कंड्यूट भाग 3 कंड्यूट विद्युत रोधक सामग्री के लिए दृढ़ सांद्र कंड्यूट	आईएस 09537 : 83 भाग 03
27.	9150468	97/06	महावीर पीवीसी पाइप्स प्रा. लि., 5, 6 किमी. भिवानी-दादरी रोड, गांव हालुवास, जिला भिवानी (हरियाणा)	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आईएस 04985 : 88
28.	9150367	97/06	धर्म इंजी. वर्क्स, ई-70 फाउण्ट्री नगर, आगरा	सामान्य प्रयोजनों ( 20 किलो- वाट ) के लिए एक समान गति वाले संपीडन प्रज्ज्वलित (डीजल) इंजनों हेतु कार्य- कारिता अपेक्षाएं	आईएस 10001 : 81
29.	9150266	97/06	विनायक ट्यूब्स प्रा. लि., सी-19 यूपीएसआईसीसी हंड. एरिया, कोसीकलां, जिला मथुरा	पेयजल आपूर्ति हेतु सीवरोचित पीवीसी फिटिंग की विशिष्ट भाग 2 सकिट हेतु विशिष्ट अपेक्षाएं	आईएस 10124 : 88 भाग 01
30.	9149887	97/06	मै. श्री श्यामजी कंडक्टर्स गांव संझा, पोस्ट भोजपुरा बरेली	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 2 जस्तीकृत इस्पात प्रचालित एल्युमीनियम के चालक	आईएस 00398 : 76 भाग 02
31.	9150064	97/06	पोलर इंटर-कॉन्टिनेंटल प्रा लि., प्लॉट नं. 31, पॉकेट नं. 1, सेक्टर 5, फरीदाबाद 121 006	एक फेज लघु ए. सी. और साविक बिजली की मोटर	आईएस 00996 : 79
32.	9149988	97/06	सुविधा एप्लायंसेस अई/16, बंगला प्लॉट एमआईटी, फरीदाबाद 121 003	बायोगैस चूल्हा	आईएस 08749 : 88
33.	7139369	97/06	दीपक इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 1/1 राम मंदिर हंड. एस्टेट, राम मंदिर रोड, गोरगांव (पू) मुम्बई 400063	फ्लोरोसेंट लैम्पों के लिए बैलास्ट (चोक) भाग 1 स्विच चालित परिपथो हेतु	आईएस 01534 : 77 भाग 01
34.	7139571	97/06	सोलंकी इंडस्ट्रीज, 28/180, मोतीलाल नगर—1, सम्मुख : बेस्ट कालोनी, गोरगांव (प) मुम्बई 400 104	घरेलू और समान विद्युत कार्यों के लिए स्विच	आईएस 03854 : 88
35.	9150771	97/06	शिवालित एग्रो केमीकल्स बी—59, फेस 7, हंड. एस्टेट, जिला रोपड़, सास नगर (पंजाब)	इन्डोसल्फान पायसनीय सांद्र	आईएस 04323 : 80
36.	6131146	97/06	एग्रो इंजीनियर्स एण्ड ट्रेडर्स 162 वेकटस्वामी रोड, पूर्व आरएस पुरम जिला, कोयम्बतूर 641 012	पावर प्रचालित वायु-चालित छिड़- काय यंत्र एवं धुरकत यंत्र भाग 1 नैपसैक द्राइप	आईएस 07593 : 86 भाग 01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37.	8200654	97/06	आधुनिक यंत्र उद्योग (प्रा) लि., प्लॉट नं. 10, 11 खसरा नं. 116, गुरुद्वारा रोड, सिरासपुर, दिल्ली 110 042	धारा ट्रांसफार्मर-भाग 2 मापन धारा ट्रांसफार्मर	आईएस 02705 : 92 भाग 02
38.	8200957	97/06	एल्विन इलेक्ट्रिकल्स इंडस्ट्रीज, 45/16 अशोक नगर, नई दिल्ली 110 018	बिजली के पानी गर्म करने के मण्डारण किस्म के स्थिर हीटर	आईएस 02082 : 93
39.	8199695	97/06	फारबून केबल (प्रा) लि., खसरा नं. 867 गांव खादीपुर दिल्ली 110 036	पीवीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01
40.	8201151	97/05	श्रोवर इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, डब्ल्यूजेड-23 ए, असासपुर गांव, ए-2 ब्लॉक, जनकपुरी नई दिल्ली 110058	एक फेज लघु ए. सी. और साविक बिजली की मोटर	आईएस 00996 : 79
41.	8200452	97/06	राजिन्द्र इलेक्ट्रिकल्स 301/2 थान सिंह नगर, आनन्द पर्वत नई दिल्ली 110005	एक फेज लघु ए. सी. और साविक बिजली की मोटर	आईएस 00996 : 79
42.	8199594	97/06	संजय इलेक्ट्रिकल्स, डब्ल्यूजेड-114 सी, शकरपुर गांव, दिल्ली 110 034	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प	आईएस 00418 : 78
43.	8201050	97/06	मेतिया इलेक्ट्रिकल एप्लायसेंस 10074, नवाब गंज, पुल बंगश, दिल्ली 110006	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणा- त्मक अपेक्षाएं खंड 3 विद्युत इस्तरि	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 03
44.	8202355	97/06	श्रोवर इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, डब्ल्यूजेड-23 ए, असासपुर गांव, ए-2 ब्लॉक, जनकपुरी नई दिल्ली 110058	नोबक टाइप ए. सी. संवातन पंखे	आईएस 02312 : 67

[सं. के० प्र. वि. / 13 : 11]

बी. के. जैन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 6th October, 1999

S.O. 3067.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule:

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name & address (factory) of the party	Title of the standard	IS:No Part/Sec & Year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	5079266	97/06	Century Plyboards (I) Ltd., Diamond Harbour Road, Kanchowki, Bishnupur, 24-Parganas (S), West Bengal.	Marine plywood (First revision) (Amendments 3)	IS 00710:76

1	2	3	4	5	6
2. 5079367	97/06	Century Plyboards (I) Ltd., Diamond Harbour Road, Kanchowki, Bishnupur, 24-Parganas (S), West Bengal.	Plywood for concrete shuttering work (second revision)	IS 04990:93	
3. 5078668	97/06	Falcon Tubes Pvt. Ltd. Khaprail Road PO: New Champta Distt. Darjeeling	Unplasticized PVC screen and casing pipes for bore/tubewell (first revision)	IS 12818:92	
4. 5078466	97/06	Longlast Pipes (India) Pvt. Ltd. Vill: Jagannathpur PO: Bamunari Via: Rishra Jagannathpur (WB) 712248	Unplasticized PVC screen and casing pipes for bore/tubewell (first revision)	IS 12818:92	
5. 5078870	97/06	Ramsarup Industrial Corporation 'D' Block Kalyani, Nadia	Plain hard-drawn steel wire for prestressed concrete; Part 1 Cold- drawn stress relieved wire (Second revision) (Amendment No. 1)	IS 01785:83 Part 01	
6. 6128460	97/06	HMP Cements Ltd. Shahabad Gulbarga District Shahabad 585229	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendment 3)	IS 08112:89	
7. 6128561	97/06	HMP Cements Ltd. Shahabad Gulbarga District Shahabad 585220	33 Grade ordinary portland cement (forth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89	
8. 7139167	97/06	Apar Ltd. Special Oils Refiner Div. Mahul. Trombay Bombay 400074	Cutting oil, soluble (second revision)	IS 01115:86	
9. 7139672	97/06	KWH Helioplastics (India) Ltd. D-40, Part I, Trans Thane Creek Industrial Estate Thane Belapur Road P.O. Turbhe Thane 400613	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01	
10. 9149483	97/06	Himalyan Cements Chudhoot Samd Leh (Ladakh) (J & K)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	

1	2	3	4	5	6
11. 9148885	97/06	Royal Cements Ltd. Vill : Machhiwara Teh : Samrala Distt. Ludhiana (Punjab)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
12. 9149584	97/06	Mahavir PVC Pipes Pvt. Ltd. 5, 6 Km, Bhiwani Dadri Road Village Haluwas Distt. Bhiwani (Haryana)	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 pipes	IS 14151:94 Part 01	
13. 9148986	97/06	M/s Jeet Electrowelds Pvt. Ltd. Village-Gadja Lucknow-Barabanki Road Fifth Mile Stone Barabanki Barabanki	Covered electrodes for manual metal arc welding of carbon and carbon manganese steel (Fifth revision)	IS 00814:91	
14. 9149079	97/06	M/s Sangam Structurals Ltd. A-28A, UPSIDC Industrial Area Naini, P.O. Kharsara (Karchana) Allahabad Allahabad 212301	Steel for general structural purposes (Fourth revision ) (supersedes IS 225: 1975) (Amendment No. 1)	IS 02062:92	
15. 7139975	97/06	Anek Dyes Private Limited Plot No. 5106/10 Phase 3 GIDC Estate Vapi Distt. Valsad 396195	Tartrazine, food grade (first revision) (Amendments No. 3)	IS 01694:74	
16. 7140253	97/06	Nirmal Rubber Industries 40-45 Udyognagar Surendranagar	Non-percolating flexible fire fighting delivery hose (third revision)	IS 00636:88	
17. 8202557	97/06	Bhagwati Cable Udyog Khasra No. 1074 Vill. Bhalswa Jahangirpuri Delhi 110092	Welding cables (first revision)	IS 09857:90	
18. 8202860	97/06	Elpar Electrical Industries 125, Tihar Village New Delhi 110018	Pumpset for desert coolers (Amend- ments 2)	IS 11951:87	

1	2	3	4	5
19. 8202961	97/06	Jindal Industries B-72-A, Rishi Nagar Shakurbasti Delhi-110034	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (fourth revision)	IS 04246:92
20. 8201656	97/06	Bhilai Wires Ltd. Industrial Area Post Box No. 14 Bhilai 490 001	Aluminium conductors for overhead transmission purposes :Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 Part 02
21. 8202759	97/06	Century Cement P.O. Baikunth Distt. Raipur (MP) 493 116	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
22. 8202456	97/06	Vikram Super Cement Damodarpura Vikram Nagar PO Khar Distt. Mandsaur (MP)-458470	Sulphate resisting Portland cement (Amendments 3)	IS 12330:88
23. 8199493	97/06	Mcera Cements Pvt. Ltd. PO Gotan Nagpur Gotan-342902	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
24. 9150569	97/06	Harmilap Electricals 104/3, HSIDC Indl. Estate , GT Road, Karnal (Haryana)-132001	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78
25. 9149382	97/06	Lakshmi Industries Workshop Road Lakshmi Nagar Yamunanagar (Haryana) 135001	Cold rolled brass sheet, strip and foil (third revision)	IS 00410:77
26. 9150670	97/06	Rattan Polymers Pvt. Ltd. 1764, Modern Indl. Estate Distt. Rohtak Bahadurgarh (Haryana)	Conduits for electrical installations: Part 3 Rigid plain conduits of insulating materials (superseding IS 2509)	IS 09537:81 Part 03

1	2	3	4	5
27. 9150468	97/06	Mahavir PVC Pipes Pvt. Ltd. 5, 6 KM., Bhiwani Dadri Road Village Haluwas Distt. Bhiwani (Haryana)	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
28. 9150367	97/06	Dharm Engg. Works E-70 Foundry Nagar Agra	Performance requirements for constant speed compression ignition (diesel) engines for general purposes (up to 20 kW) (Amendments 2)	IS 10001:81
29. 9150266	97/06	Vinyl Tubes Pvt. Ltd. C-19, UPSIDC Indl. Area Kosikalan Distt. Mathura	Fabricated PVC fittings for potable water supplies: Part 2 Specific requirements for sockets (first revision)	IS 10124:88 Part 02
30. 9149887	97/06	M/S Shree Shyamji Conductors Village : Manda Post : Bhojpur Barcilly	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 2 Alu- minium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amend- ment 3)	IS 00398:76 Part 02
31. 9150064	97/06	Polar Inter-Continental Pvt. Ltd. Plot No. 31, Pocket No. 1, Sector-5 Faridabad-121006	Single phase small ac and universal electric motors (second revision) Amendments-2	IS 00996:79
32. 9149988	97/06	Suvidha Appliances 3E/16, Bungalow Plot N.I.T. Faridabad-121003	Bio gas stove (first revision) (Amend- ments 2)	IS 08749:88
33. 7139369	97/06	Deepak Electric Industries 1/1, Ram Mandir Indl. Estate Ram Mandir Road, Goregaon (E) Mumbai-400063	Ballasts for fluorescent lamps : Part 1 for switch start circuits (second re- vision) (Amendments 3)	IS 01534:77 Part 01
34. 7139571	97/06	Solanki Industries 28/180, Motilal Nagar-I Opp. Best Colony Goregaon (W) Mumbai-400104	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amend- ments 3)	IS 03854:88
35. 9150771	97/06	Shivalik Agro Chemicals B-58, Phase VII, Indl. Estate, Distt. Ropar SAS Nagar (Punjab)	Endosulfan emulsifiable concentrates (first revision) (Amendments 2)	IS 04323:80

1	2	3	4	5
36. 6131146	97/06	Agro Engineers & Traders 162, Venkatasamy Road East R S Puram District Coimbatore 641 012	Power operated pneumatic sprayer-cum-duster: Part 1 Knapsack type (first revision)	IS 07593:86 Part 01
37. 8200654	97/06	Adhunik Yantra Udyog (P) Ltd. Plot No. 10 & 11, Khasra No. 116, Gurudwara Road, Sirsapur, Delhi-110042	Current transformers: Part 2 Measuring current transformers (second revision)	IS 02705:92 Part 02
38. 8200957	97/06	Elwin Electrical Industries 45/16, Ashok Nagar, New Delhi-110018	Stationary storage type electric, water heaters (third revision) (Amendment 1)	IS 02082:93
39. 8199695	97/06	Fortune Cable (P) Ltd. Khasra No. 867 Village Khadiapur, Delhi 110036	PVC insulated (heavy duty) electric cables: Part 1 for working voltages upto and including 1100V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
40. 8201151	97/06	Grover Engineering Industries WZ-23A, Assalat Pur Village, A-2 Block, Janakpuri, New Delhi-110058	Single-Phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79
41. 8200452	97/06	Rajindra Electricals 301/2, Than Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-110005	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79
42. 8199594	97/06	Sanjay Electricals WZ-114 C, Shakurpur Village, Delhi-110034	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78
43. 8201050	97/06	Sethia Electrical Appliances 10074, Nawab Ganj, Pul Bangash, Delhi-110006	Safety of household and similar electrical appliances: Part 2 Particular requirements, Sec 3 Electric iron	IS 00302:92 Part 02 Sec 03
44. 8202355	97/06	Grover Engineering Industries WZ-23 A, Assalat Pur Village, A-2 Block, Janakpuri, New Delhi-110058	Propeller type ac ventilating fans (first revision) (Amendments Nos. 6)	IS 02312:67



## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

( संस्कृति विभाग )

( भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण )

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1999

का. आ. 3068 .—केन्द्रीय सरकार ने, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (संस्कृति विभाग) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं. का.आ. 1344 तारीख 7 मई, 1999 द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 15 मई, 1999 में प्रकाशित की गई थी, उक्त अधिसूचना की अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और अधिसूचना की एक प्रति उक्त संस्मारक के समीप सहज दृश्य स्थान पर लगा दी गई थी,

और उक्त राजपत्र 23 जून, 1999 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था,

और केन्द्रीय सरकार को जनता से ऐसी घोषणा की बाबत कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ था।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करती है।

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	स्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन आने वाले राजस्व प्लॉट सं.	क्षेत्र	स्वामित्व	सीमा	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उत्तर प्रदेश	फर्रुखाबाद	सदर	नेकपुर खुद	बंगश नवाब मोहम्मद खान का मकबरा	खसरा सं. 65	0.421 हेक्टर	कब्रिस्तान	उत्तर खसरा सं. 64 दक्षिण खसरा सं. 69 पूर्व खसरा सं. 64 पश्चिम खसरा सं. 66 और 69	

( साइट प्लान नीचे उद्धृत है )

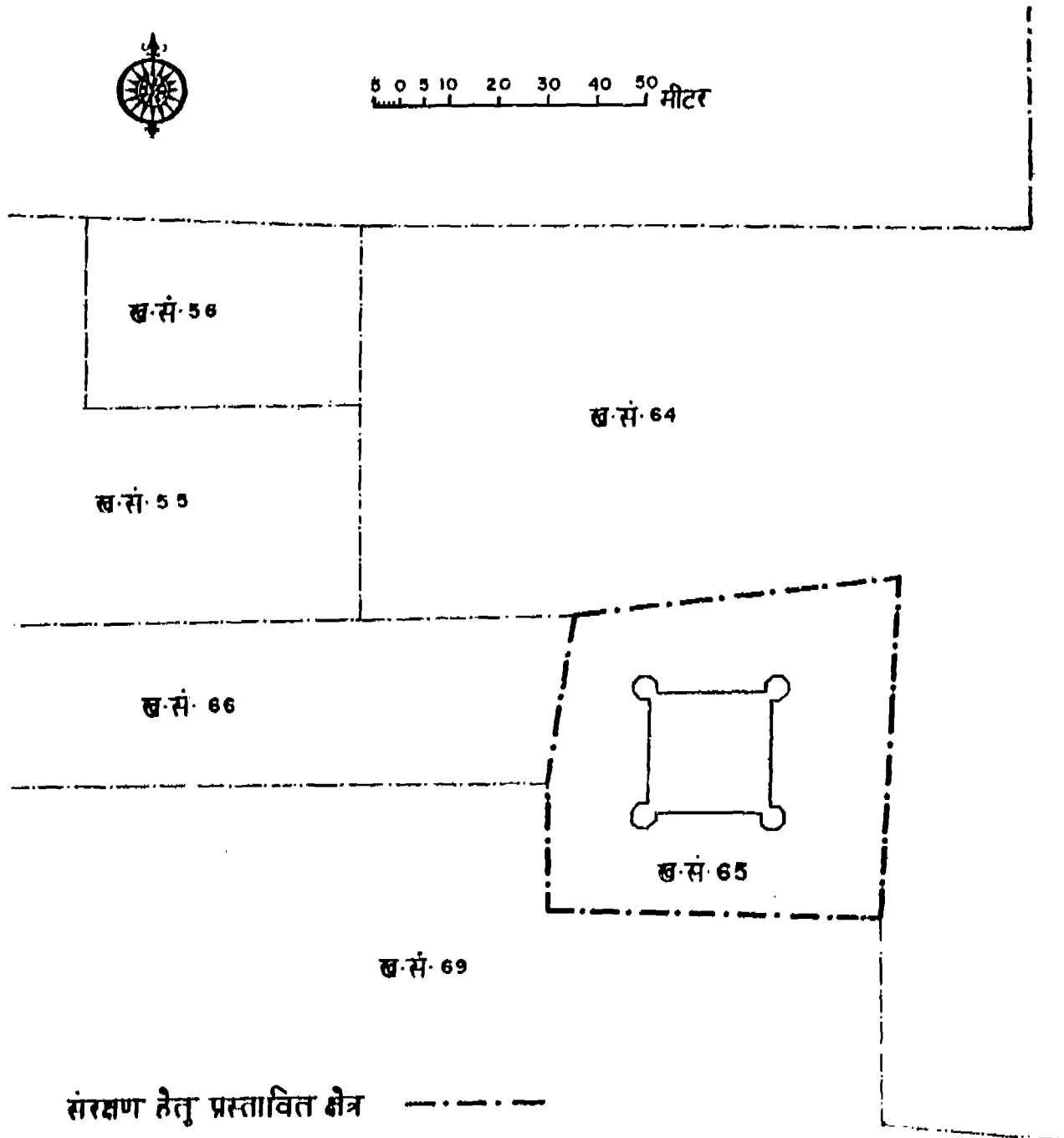
[ फा. सं. 2/4/95-स्मा. ]

सत्य पाल, निदेशक ( प्रशासन )

मौहम्मद खान बंगश नबाब के मकबरे का स्थल मानचित्र  
तहसील एवं जिला फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश)



5 0 5 10 20 30 40 50 मीटर



**MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT****(Department of Culture)****(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)**

New Delhi, the 12th October, 1999

**S.O. 3068.**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Human Resource Development, (Department of Culture) Archaeological Survey of India No. S.O. 1344, dated the 7th May, 1999, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 15th May, 1999, the Central Government gave two months notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Schedule appended thereto to be of national importance and a copy of the notification was affixed in a conspicuous place near the said monument as required by sub section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958.

And whereas the said Gazette was made available to the public on 23rd June, 1999;

And whereas no objections have been received to the making of such declaration from any person by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Schedule annexed hereto to be of national importance.

**SCHEDULE**

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Ownership	Boundaries	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Uttar Pradesh	Farrukhabad	Sadar	Nekpur-khurd	Tomb of Mohammad Khan Bangash Nawab	Khasra Number 65	0.421 Hectares	Kabristan	North Khasra Number 64  South Khasra Number 69  East Khasra Number 64  West Khasra Number 66 and 69	

(Site Plan reproduced below)

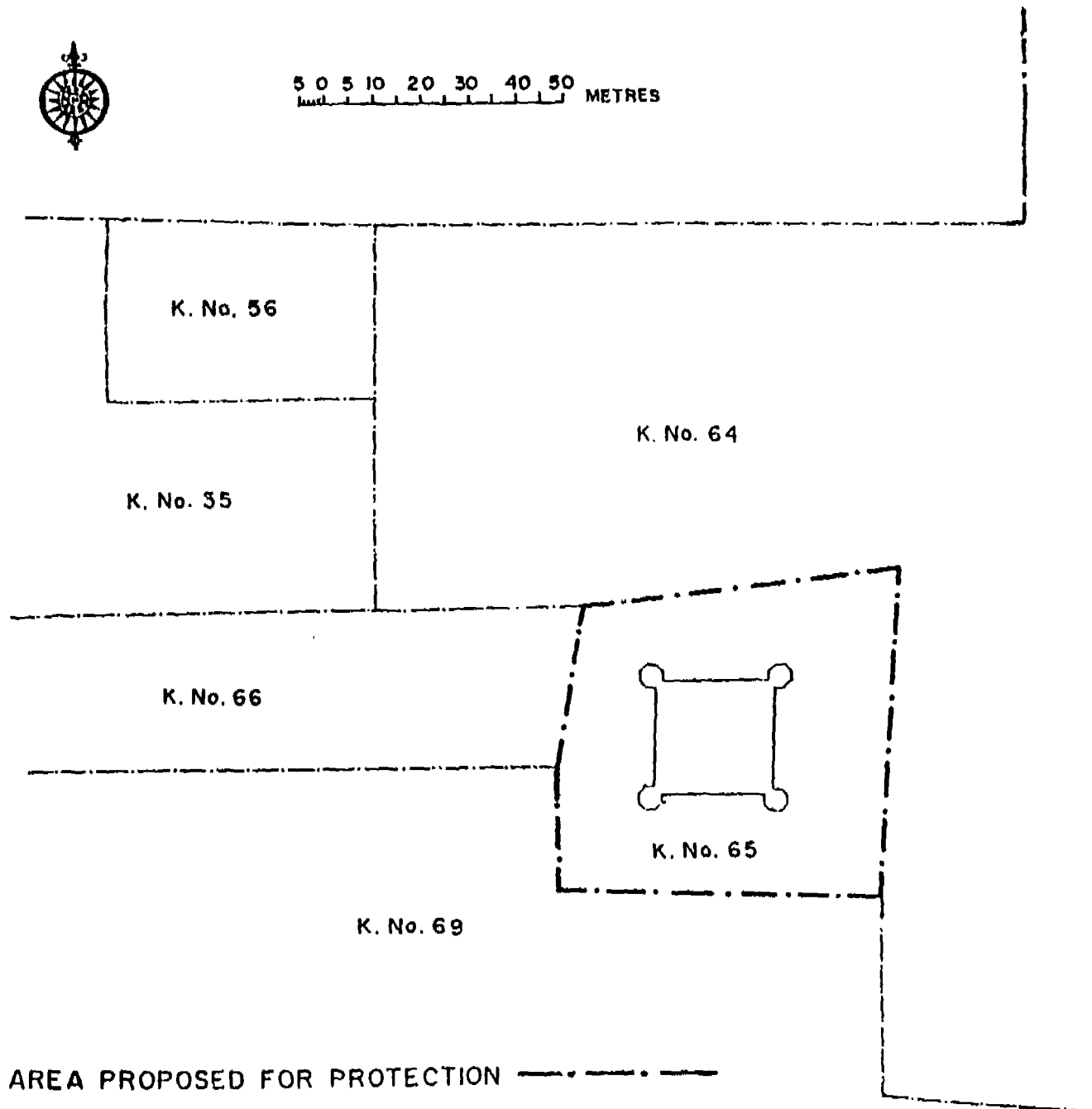
[F. No. 2/4/95-M]

SATYA PAL, Director (Administration)

SITE PLAN  
OF  
TOMB OF MUHAMMAD KHAN BANGASH NAWAB  
TEHSIL & DISTRICT, FARRUKHABAD, (U. P.)



5 0 5 10 20 30 40 50 METRES



## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1999

कांआ० 3069.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में सी०एल०पी०एल० के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं०-2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/28/96-आई आर (सी-I)]

बी०एस०ए०एस०पी० राजू, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd September, 1999

S.O. 3069.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal. (No. II) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. C.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 23rd September, 1999.

[No. L-20012/28/96-IR (C-I)]

V.S.A.S.P. RAJU, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

## PRESENT

Shri B. B. Chatterjee,

Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 43 OF 1997

## PARTIES

Employers in relation to the management of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workman.

## APPEARANCES:

On behalf of the workmen : None.

On behalf of the employers : None.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dated, Dhanbad, the 10th September, 1999

## AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/28/96-I.R. (C-I), dated, the 17th March, 1997.

## SCHEDULE

"Whether the demand of the Union for regularisation of S. Shri Shyam Bihari Kumhar, Ram Narayan Prasad, Ranjeet Singh, Binod Kumar Hazra, Satya Deb Bhagat and Saraju Mahato as D.G. Set Operator/Mechanic in Category V by the management of C.C.L. is legal and justified? If so, to what relief are these workman entitled?"

2. In this reference only the management side appeared and filed its W.S. Thereafter both the parties abstained from 3022 GI/99-17

appearing before this Tribunal and taking any steps although notices were served upon them. The reference is pending since 1997 and it is of no use to drag the same. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is being rendered and the reference is disposed of on 'No dispute' Award basis on the presumption of non-existence of any industrial dispute between the parties presently.

B. B. CHATTERJEE, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1999

कांआ० 3070.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में सी०एल०पी०डी०आई०एल० के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं०-1) धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/126/90-आई आर (सी-I)]

बी०एस०ए०एस०पी० राजू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd September, 1999

S.O. 3070.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal. (No. I) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. CMPDIL and their workman, which was received by the Central Government on 23-9-99.

[No. L-20012/126/90-IR (C-I)]

V.S.A.S.P. RAJU, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 172 of 1990

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Central Mine Planning & Design Institute.

## AND

Their Workmen

## PRESENT:

Shri Sarju Prasad,

Presiding Officer.

## APPEARANCES:

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : Shri D. K. Verma, Advocate.

State : Bihar.

Industry : Mine Planning.

Dated, the 10th September, 1999

## AWARD

By Order No. L-20012(126)/90-I.R. (Coal-I) dated the 21st August, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the dismissal of Shri Mohamad Rahman Arsan Cat. II Helper, CMPDI from service w.e.f. 11-11-85 by CMPDI management is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. This reference case is with respect to dismissal of Mohmad Rahman Ansari, Cat. II Helper of CMPDI.

3. The brief fact of the case giving rise to this industrial dispute.—The concerned workman, Mohmad Rahman Ansari was appointed by the management of CMPDI in the year 1978 and was posted at Headquarter at Ranchi. Thereafter he was transferred to Piperwar Drilling Camp in the month of January, 1983 where he was working as Cat. II Helper. A chargesheet was submitted to the concerned workman by the management of CMPDI Ltd. which is dated 10-6-83. In the chargesheet the gist of the charges were as follows:

(i) That at about 10 a.m. on 9-6-83, the concerned workman, Mohmad Rahman Ansari entered into the official residence of Sri N. R. Mitra, Director (Technical), CMPDIL without permission and while Sri N. R. Mitra was talking on telephone the concerned workman took out a revolver and tried to shoot Sri N. R. Mitra which was foiled by Sri Mitra,

(ii) That the concerned workman is a habitual absentee from place of posting of work and indiscipline and used to leave work without permission."

4. The concerned workman after receipt of the aforesaid chargesheet submitted his explanation dated 3-12-83 denying the allegations to be false which was considered by the management and found unsatisfactory and thereafter an enquiry was ordered to be held against the concerned workman for the aforesaid charges by letter dated 6-12-83 and Sri R. D. Roy, Director (T) was appointed as Enquiry Officer, when Sri V. D. Manjrekar, Dy. CG, CMPDIL was appointed as management representative in the said enquiry. The Enquiry Committee after due information to the concerned workman conducted a domestic enquiry in which the concerned workman took part along with his co-worker. He cross-examined the management's witnesses. Thereafter the Enquiry Committee submitted its report dated 22-9-85 on the basis of which an Office Order was passed on 11-11-85 by which the finding of the enquiry report was accepted and the concerned workman was dismissed from the service of the CMPDIL with effect from 11-11-85. The concerned workman then raised industrial dispute which has been referred to this Tribunal for adjudication as to whether the dismissal of the concerned workman is justified and if not, what relief the workman is entitled to.

5. The concerned workman as well as the management have filed their written statements and from the written statement filed by the workman it appears that he has alleged that the concerned workman was rendering his sincere and honest service to the management, but Sri N. R. Mitra, Director (Technical) developed biasness against the concerned workman as the concerned workman was not obeying the illegal order of Sri Mitra to attend his personal work at his residence beyond the duty hours of the concerned workman. Due to that bias the concerned workman was transferred to Piperwar Drilling Camp where he was being harassed by the management due to bias attitude of Sri Mitra and Sri N. R. Mitra due to that bias attitude got him arrested in a false case by the authority of Bariatu P.S. and in order to harass and victimise the concerned workman a false chargesheet No. 30725-3 dated 10-6-1983 has been served upon him on the basis of baseless and false allegations. According to him at the date and time of alleged incident on 9-6-1983 at 10.00 a.m. the concerned workman was present at Piperwar Drilling Camp which will be evident from the attendance register of Piperwar Drilling Camp. Therefore, it is impossible for him to be present at Ranchi at the time of alleged occurrence. The concerned workman has further challenged the domestic enquiry to be unfair and improper and finding of the Enquiry Officer unjustified and he has prayed for reinstatement in the service with full back wages and consequential benefits.

6. The management in its written statement-cum-rejoinder has pleaded that the concerned workman was of indecent behaviour and as per to this he was chargesheeted and an enquiry was held in which he was found guilty and then as a punishment he was transferred to Piperwar Drilling Camp by Sri N. R. Mitra and for that he was having grudge

against Sri Mitra, Director (Technical). The management has further pleaded that the concerned workman had come to kill Sri N. R. Mitra in his official residence after getting himself marked present during the period of occurrence to prove his alibi and on 9-6-1983 he had made an attempt to shoot down Sri N. R. Mitra which was foiled because Sri N. R. Mitra caught hold the hand of the concerned workman and twisted direction of the revolver then he fled away. The management has further submitted that the behaviour of the concerned workman is roudy and he is indiscipline and he is habitual absentee from the work place without permission of his superior. According to the management the domestic enquiry was fairly and properly held against the concerned workman. The concerned workman had fully participated in the said enquiry and had not made any grievance against the manner in which the enquiry was conducted. He was given full opportunity to engage a co-worker and cross-examine the witnesses of the management and also adduce evidence in his defence. According to the management, the enquiry Officer found him guilty of the charges of misconduct and since the charge of misconduct was of a grave nature the management's action to dismiss the concerned workman is justified and proportionate punishment to the misconduct proved against him. According to the management, the concerned workman is not entitled to any relief whatsoever.

7. On the request of the management the propriety and fairness of the domestic enquiry was taken up as preliminary issue. The management has produced documents relating to the departmental enquiry which have been marked Ext. M-1 to M-20 with the consent of the lawyer of the concerned workman. Thereafter the lawyer of the concerned workman conceded that the domestic enquiry was held fairly and properly and on his request the matter was put up for hearing on merit. Then by order dated 15-6-1992 the domestic enquiry has been held fair and proper.

8. Since the domestic enquiry has been held fair and proper now the only question to be decided is that whether on reappraisal of the evidence collected at the domestic enquiry the charges of misconduct are proved against the concerned workman and if so, whether the punishment of dismissal is justified. The further question to be decided is whether if the punishment of dismissal is not justified then to what relief the workman is entitled to.

#### FINDINGS

9. The management has produced the entire proceedings of the domestic enquiry which have been marked Ext. M-7. Ext. M-3 is the chargesheet from which it appears that the main allegation against the concerned workman, Mohmad Rahman Ansari, is that he had entered into the official residence of Sri N. R. Mitra, Director (Technical), CMPDIL without permission at 10.00 a.m. on 9-6-83 and he tried to shoot Sri N. R. Mitra by a revolver but his attempt was foiled by Sri Mitra. The next allegation is regarding his remaining habitual absent from the work place and indiscipline but the details of dates upon which he was absent has not been mentioned in the chargesheet. The reply of the concerned workman has been marked Ext. M-4 by which he has denied all the allegations of the management. In order to prove the allegation of misconduct the management has produced Nalini Ranjan Mitra, Director, who is alleged to have been attempted to be shot down by the concerned workman. From his evidence it is clear that he has fully supported this allegation against the concerned workman. It appears from his evidence that he was personally knowing the concerned workman because prior to this incident he has been to his house with electrician to attend some electrical fault and also because he was son of late Hyder Ali, Guest House Cook of the company. He has been submitted to rigorous cross-examination but I find nothing by which his evidence should be disbelieved. From his evidence it is apparent that when this witness had joined as Director (Technical) prior to that the concerned workman has assaulted one of the staff member for which he was chargesheeted by the management and enquiry was conducted in which he was held guilty and as a punishment this witness had transferred him to Piperwar Drilling Camp. It appears that, that was the grudge against the Director, Sri N. R. Mitra and for that reason he had gone to his official residence and had taken out a revolver to shoot him. The management has

produced in the domestic enquiry the report of Sri Mitra to Officer-in-Charge which has been marked Ext. M-1 to corroborate the allegation against the concerned workman. The management has then examined MW-2 Sri A. N. Bhattacharjee, Security Officer, who has said that he learnt that the concerned workman had gone to the then Director (T)'s residence and fired at him. Then he went there and found the Director (T) and everyone in the residence of the Director (T) was perturbed and disturbed. There he came to know that the concerned workman tried to fire at the Director (T) but due to mis-fire of revolver the Director (T) was saved. He has further said that the concerned workman left one bicycle which was taken by this witness in his custody and it was afterward handed over to the police. In cross-examination it has been elicited that at the time of incident three guards were posted in the official residence of Sri N. R. Mitra. The guards were (i) Sri R. K. Singh, (ii) Sri Thibu Khalko and (iii) Janamjoy Lohar. The management has examined 3rd witness, Sri L. P. Yadav who has said that he is working as Dy. Drilling Superintendent at Piparwar Drilling Camp where the concerned workman, Md. Rahman Ansari was posted. He has said that Md. Rahman Ansari had been absenting from duty without permission and sometimes with permission from 19-1-83 to 31-3-83 although he has not said the exact date of such absence. He has further stated that in May, 1983 he remained absent and till the date of his evidence Md. Rahman Ansari was absent. He has further stated that from the morning of 8th June, 1983 Md. Rahman Ansari was absenting. In cross-examination he has said that some verbal complaints about misbehaviour was reported to him and he advised him to behave properly. He has further come to say that at 3.00 p.m. on 9-6-83 he came to know about this incident. The management's next witness is Sri R. K. Singh, MW-4, who was Security Guard and on that day of incident he was assigned a duty at a pandal adjoining to the then Director's residence. From his evidence it appears that a day prior to that day there was reception of marriage ceremony of son of Sri N. R. Mitra and for that a pandal was erected adjoining to the house of the Director (T). He has said that at that time he was taking breakfast and in the house of the Director (T) there was shouting of 'Pakro-Pakro' and a man was running away whom some people was chasing him. On enquiry it was learnt that it was Rahman Ansari who had been chased and who had entered into the house of the Director (T). However, this witness has not supported about taking out revolver because he was not present there at that time. But from his evidence it is clear that the concerned workman, Md. Rahman Ansari had entered into the house of Sri N. R. Mitra, Director (T) and he was chased by the people. The concerned workman has not adduced any defence witness. However, he has produced certain medical certificates which were marked DE-1 and DE-2. But he has failed to produce the doctor although he was given opportunity to produce the doctor.

10. From the materials available on record it is clear that the management has been able to prove by producing reliable evidence that the concerned workman, Md. Rahman Ansari, had entered into the official residence of Sri N. R. Mitra, Director (T) of the company and had made an attempt to shoot him. As against this evidence there is absolutely no material on record to disbelieve the allegation of the management regarding entering into official residence of the Director (T) of the company and making an attempt to shoot him by a revolver. The workman has subsequently filed a judgement of criminal court in which he has been acquitted because the prosecution could not produce any witness. That was a case relating to illegal possession of a fire arm in which there was no charge regarding an attempt to commit murder of Sri N. R. Mitra by entering into his official residence. Therefore, by that judgement of acquittal is of no help to the concerned workman. The prosecution case of the criminal case was that on 9-6-83 the police officials were investigating a case when they arrested the concerned workman and on his pointing out a country made revolver was recovered from the house of his uncle (Phupba) and the same was produced by the concerned workman itself. Therefore, that acquittal has nothing to do with the charge of misconduct levelled against the concerned workman. Therefore, I find that the main charge against the concerned workman has been established in the domestic enquiry although the second charge of remaining habitual absence has not been proved because the management has not produced

the relevant papers from which his absence could have been proved. Moreover, the charge of habitual absence is vague because there is no specific date or dates upon which the concerned workman was absenting without permission.

11. Although the charge of habitual absence has not been proved yet the charge of his entering into the official residence of Sri N. R. Mitra, Director (T) and making an attempt to shoot down him by a revolver has been fully established. This charge is a very serious and graver charge and therefore such a delinquent workman cannot be thrust upon the management. This action of the workman is certainly a serious misconduct and in my opinion there cannot be any other punishment then dismissal from service. Therefore, I find that the action of the management in dismissing the concerned workman is fully justified and the concerned workman is not entitled for reinstatement or any other relief whatsoever.

12. For the reasons mentioned above I render Award that the action of the management in dismissing the concerned workman is fully justified and the concerned workman, Mohmad Rahman Ansari, Cat. II Helper, is not entitled any relief.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1999

कां० अ० 3071 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै० बी० सी० सी० एल० के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक, विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं०-2)। धनबाद के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/143/95-आई आर (सी-1)]

बी० एस० ए० एस० पी० राजू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd September, 1999

S.O. 3071.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 23-9-99.

[No. L-20012/143/95-IR(C-I)]  
V.S.A.S.P. RAJU, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

#### PRESENT :

Shri B. B. Chatterjee, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 73 OF 1996

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. B.C.C.L. and their workmen.

## APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None.  
On behalf of the employers : None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 13th September, 1999

## AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/143/95-I.R. (C-I), dated, the 24th July, 1996.

## SCHEDULE

"Whether the demand of the Union for employment of dependent of Smt. Shiv Kumari, Wagon Loaders by the management of Block II Area of M/s. BCCL is justified? If so, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. In this reference none of the parties turned up before this Tribunal nor took any steps although notices were issued to them. The reference is pending since 1996 and it is of no use to drag the same year after year for taking steps by the parties. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is being rendered and the reference is disposed of on 'No dispute' Award basis on the presumption of non-existence of any industrial dispute between the parties presently.

B. B. CHATTERJEE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1999

कां०आ० 3072 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सौ० बी०सी०सी०एल० के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं०-2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/188/95-आई आर (सी-1)]

बी०एस०ए०एस०पी० राजू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd September, 1999

S.O. 3072.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II), Dhanbad, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 23-9-99.

[No. L-20012/188/95-I.R.(C-I)]

V.S.A.S.P. RAJU, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT  
DHANBAD

## PRESENT :

Shri B. B. Chatterjee, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 100 OF 1996

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Govindpur Area No. 3 of M/s. B.C.C.L. and their workmen.

## APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None.

On behalf of the employers : None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 10th September, 1999

## AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/188/95-I.R. (Coal-I), dated, the 9th September, 1996.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Govindpur Area No. III of M/s. BCCL, Sonardih, in refusing to protect the wages of Smt. Parmeshwari Kamin and 13 others (as per list in Annexure) Shale Fickers is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

2. In this reference none of the parties turned up before this Tribunal nor took any steps although notices were issued to them. The reference is pending since 1996 and it is of no use to drag the same any more. Under such circumstances a 'No dispute' Award is rendered and the reference is disposed of on 'No dispute' award basis on the presumption of non-existence of any industrial dispute between the parties presently.

B. B. CHATTERJEE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1999

कां०आ० 3073.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सौ० बी०सी०सी०एल० के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं०-2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/224/96-आई आर (सी-1)]

बी०एस०ए०एस०पी० राजू, डेस्क अधिकारी



New Delhi, the 23rd September, 1999

S.O. 3073.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 23-9-99.

[No. L-20012/224/96-IR(C-I)]

V.S.A.S.P. RAJU, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d)  
(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 168 of 1997

Parties :

Employers in relation to the management of  
Bagdigi Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

Present :

Shri Sarju Prasad, Presiding Officer.

Appearances :

For the Employers : None.

For the Workmen : None.

STATE : Bihar, INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 13th September, 1999

#### AWARD

By Order No. L-20012/224/96-IR (C-I) dated 18-9-1997 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Bagdigi Colliery of M/s. BCCL in denial to regularise Sh. Paras Koiri as Heavy Tyndal with all benefits is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in this Tribunal duly signed by the representatives of the employers and the concerned workman, Paras Koiri. The sponsoring union has got no objection in this settlement. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. I allow the prayer and pass an award in terms of the settlement. The memorandum of settlement along with the application of the sponsoring union shall form part of this award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference Case No. 168/97

Ref. No. 20012/224/96-IR (Coal) dated 18-9-97  
Parties :

Employers in relation to the Management of  
Bagdigi Colliery of M/s. Bharat Coking Coal  
Ltd., Lodna Area

AND

Jharkhand Colliery Mazdoor Union

1. That aforesaid dispute is hereby settled between Management and concerned workman Sri Paras Koiri, Miner Loader, Bagdigi Colliery.
2. That Sri Paras Koiri, Miner Loader, Bagdigi Colliery is hereby regularised as Heavy Tyndal in Cat. IV with effect from 1st December, 1997.
3. That this will be settled all the points mentioned in the dispute.
4. That Sri Paras Koiri will withdraw the Industrial dispute pending in Tribunal No. I, Dhanbad.

It is therefore prayed that your honour may be graciously please to close the above mentioned dispute.

For this act both the parties will ever pray.

For the Employee

Sd/-

Sd/-

1. Paras Koiri, Miner Loader  
Bagdigi Colliery

For the Employer  
1. (A. K. Sengupta)  
Agent,  
Bagdigi, Colliery.

2. Union representative

The letter dated 24-12-97 of the Union representative Sri Lallan Singh, Org. Secretary JCMU is enclosed herewith.

Sd/-

2. (B. Singh)  
Dy. Chief Personnel Manager,  
Lodna Area

Witnesses

Illegible

1.

2. Surinder Paswan

**JHARKHAND COLLIERY MAZDOOR UNION**

Regd. No. 2609

Dated, the 24th December, 1997

To,

The Agent,

Bagdigi Colliery

Sub. : Regarding the case of Shri Parash Koiri of Bagdigi Colliery.

Dear Sir,

I would like to draw your kind notice regarding the case of Shri Parash Koiri of your Colliery. His case was referred to R. L. C. for regularisation|Promotion from General Mazdoor to Tyndal under the Signature of Md. Aurangzeb. While he was Vice-President of Jharkhand Colliery Mazdoor Union. During that period, Shri Parash Koiri was member of our union. Now, the position is that neither Md. Aurangzeb is our Vice-President nor Shri Parash Koiri is our member.

Now the Colliery management is independent to take the decision in the case of Shri Parash Koiri. We have nothing to say anything and have no objection in that case.

Thanking you.

**LALLAN SINGH,**  
Org. Secretary, BCCL Zone

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1999

का० अा० 3074:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. बी.सी.सी.एल. के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वंध में निरिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2), धनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/446/95-आई आर (सी-1)]

बी.एस.ए.एस.पी. राजू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd September, 1999

S.O. 3074.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 23-9-99

[No. L-20012/446/95-IR(C-I)]  
V.S.A.S.P. RAJU, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT  
DHANBAD**

**PRESENT :**

Shri B. B. Chatterjee, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 5 OF 1997

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Bhalgora Area of M/s. B.C.C.L. and their workman.

**APPEARANCES :**

On behalf of the workman : Shri S. Bose, Treasurer.

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 13th September, 1999

**AWARD**

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10 (1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/446/95-I.R. (Coal-I), dated, the 2nd January, 1997.

**SCHEDULE**

"Whether the action of the management of Bhalgora Area of M/s. BCCL in dismissing Shri Jitendra Kumar Adeshra, Cashier-cum-Head Clerk w.e.f. 31-3-1993 is legal and justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The concerned workman Shri Jitendra Kumar Adeshra has made out a case in the W.S. to the effect that he was a permanent employee of BCCL at Bhalgora Project and was originally posted as Personnel Officer's Clerk. While acting in his capacity as such by different office order the concerned workman was directed to perform the additional duties of P.F. of Bhalgora Area and ultimately to take over charge from Shri R. K. Sharma, Cashier Bhalgora Project. On his transfer thereafter to Simlabahal Colliery. The concerned workman by an office order dt. 16-3-90 was also authorized to work as Cashier in Bhalgora Project with effect from 20-3-90 and by order dt. 8/9-6-90 the Dy P.M. of Bhalgora Area confirmed the concerned workman in Clerical Grade-I and also directed payment of difference of wages with effect from 6-6-90. Then again by another office order dated 6-6-90 the Bhalgora Area issued instruction to the concerned workman in his capacity to make payment to the Tipplers and Pay Loaders of Hurrulidih and Simlabahal colliery as Cashier of Bhalgora Project with direction to maintain separate Cash Book etc. Thereafter the concerned workman was served with a chargesheet dt. 3/7-1-91 levelling certain allegations in connected with certain documents but without conducting any preliminary enquiry. The concerned workman submitted his explanation

to the chargesheet but in interim form with request for inspection of certain document which were very much relevant for the purpose of submitting formal reply to the chargesheet by the concerned workman. But the management abstained from giving reply to the said petition of the concerned workman and conducted an enquiry to the chargesheet mentioned above and that too without any information or intimation to the concerned workman. Thereafter all of a sudden the G.M. Bhalgora Area issued a letter dt. 31-3-93 dismissing the concerned workman from service with effect from 31-3-99 but without issuing any show cause notice by supplying copy of the enquiry report for the purpose of punishment of dismissal to the utter prejudice of the concerned workman depriving him to prefer appeal to the competent authority for consideration of his stand in the matter. Further claim of the concerned workman is that the Project Officer, Bhalgora Project was in fact the disciplinary authority and the Area G.M. was the appellate authority and since the order of dismissal was passed by the appellate authority the same has caused serious prejudice to the interest of the concerned workman in the matter of obtaining justice from the authority concerned. Since utter prejudice has been caused to the concerned workman by the action of the management for the reason that the workman though after receiving chargesheet dt. 3/7-1-91 requested the management by the petition dt. 1/3-2-92 for inspection of certain documents for the purpose of submitting formal reply to the chargesheet which was not acceded to, for that the workman was not allowed to submit his formal reply to the chargesheet mentioned above and for that ex parte enquiry was conducted and report by the E.O. was submitted and for that the order of punishment by way of dismissal was passed by the Appellate authority and as such on all these grounds the concerned workman has prayed for an Award in his favour in the form of declaration to the effect that the action of the management of Bhalgora Area of M/s. BCCL in dismissing the concerned workman, Cashier-cum-Head Clerk with effect from 31-3-93 is not legal and justified, for an order directing the management to reinstate the concerned workman with retrospective effect from 31-3-93 and full back wages along with other benefits like continuity of service, seniority etc. and for an order for such other relief as may be deemed fit and proper by this Tribunal.

3 The management side has also submitted their W.S.-cum-rejoinder challenging the maintainability of the present reference and making out a case therein which may be stated as follows :—

The concerned workman was entrusted with the duties and responsibilities of processing employment File in the year 1990-91 of Bhalgora Area in his capacity as Head Clerk of the Area, he dealt with the matter relating to the collection of six letters containing list of workmen from Bhowra Area and on examination of the list for obtaining approval prepared appointment letters in favour of certain workmen. But in course of performing such duties in connection with issuance of appointment letters he committed misconduct of theft, fraud and dishonesty. When the matter was discovered the concerned workman destroyed all relevant papers including

letters and documents and fled away from the Area. The concerned workman thus started remaining absent for days together unauthorisedly without any information and satisfactory cause. Ultimately on necessary enquiries he was served with a chargesheet being dated 3/7-1-91 containing various allegations against the concerned workman. In course of dealing with the matter it revealed that by six letters dt. 13-11-90, 14-11-90, 19-11-90, 20/21-12-90, 10/13-2-91 and 8/11-5-91 the management of Bhowra Area furnished six list of workmen belonging to S.C. and S.T. whose names were forwarded by the Employment Exchange and who were selected and empanelled for appointment under the management. The total number of candidates containing in those 6 Nos. of list were to be provided with employment according to requirement. The concerned workman while dealing with the matter of aforesaid 319 Number of candidates manipulated and prepared appointment letter in respect of 115 persons whose names were not included in any of the six list. The concerned workman obtained signature of competent authority in those appointment letters prepared by him for 83 persons which were duly issued to the persons other than the candidates mentioned in the list who were working as Miner/loaders at the time of detection of the fraud. Immediate after such detection the appointment letter of 32 persons were cancelled. The various acts of the concerned workman of practicing fraud in the matter of issuance of appointment letter etc. by depriving the genuine candidates were given due consideration and thereafter the chargesheet was issued against him. But in course of investigation of the matter the concerned workman committed further mischief by destroying and misplacing all those letters received from Bhowra Area containing list of the selected candidates to be provided with employment and thereafter he started remaining absent from duties with effect from 7-11-91. The concerned workman could not be found anywhere either at his local address or at his permanent address and thereby he started absconding apprehending police action against him. The concerned workman submitted his reply to the chargesheet and also sought for clarification which were given to him and thus full opportunity to make his submission was extended for giving reply to the chargesheet and thereafter the management decided to conduct a departmental enquiry relating to the charges levelled against the concerned workman. The management for that purpose appointed Shri B. K. Singh, P.M. of the company to conduct the enquiry relating to the charges mentioned in the chargesheet and Shri S. Guira, P.O. was appointed as Presenting Officer. The Enquiry Officer made sincere effort to cause personal service of notice notifying the date of enquiry but could not and substituted service as per endorsement of the postal department "Refused" had to be accepted resulting in ex parte hearing of the enquiry. The Officer on completion of the enquiry found the concerned workman to be guilty of the charges levelled against him and a report to that effect was submitted. The competent authority on examination of the report, the papers relating to the enquiry proceeding and all other relevant documents decided to dismiss the concerned workman from his service and accordingly the concerned workman was

dismissed from service with effect from 31-3-93. The action of the management in dismissing the concerned workman was not only legal but also bona-fide and justified. The concerned workman is, therefore, not entitled to any relief in this reference and an Award in favour of the management justifying their action should be passed.

4. In addition to the case made out in the W.S. the management side has also submitted their comments in respect of the contents of different paras of the W.S. of the concerned workman and in doing so the management has however abstained from giving any comment in respect of the contents of para 1 to 8 of the W.S. In respect of contents of para 9 to 12 the say of the management is that the contents of those paras are not fully correct although the fact of issuing chargesheet etc. were admitted. But it is wrong to suggest that no letter was issued explaining the clarification sought for by the concerned workman. In respect of the contents of para 13, 14, 15 and 16 of the W.S. the say of the management is that the statement made therein are incorrect and therefore denied. The concerned workman wilfully avoided to attend the enquiry and under compelling circumstances the Enquiry Officer conducted the same *ex parte* and as such the concerned workman cannot take the plea of prejudice either in the matter of enquiry or in the matter of imposing penalty. The management thus once again has prayed for finding to the effect that the concerned workman is not entitled to any relief in this reference.

5. The workman side also submitted comments in respect of the content of different paras of the W.S. filed on the side of the management and ultimately has again prayed for granting the relief prayed for in the prayer portion of the W.S.

6. The point for decision is whether the concerned workman is entitled to the declaration prayed for in the prayer portion of the W.S. as well as to an order directing the management to reinstate him in the service and with full back wages and other consequential benefits including continuity, seniority etc. upon a finding that the action of the management in dismissing him from service is not justified.

#### DECISIONS AND REASONS

7. The parties abstained from adducing any oral evidence in support of their respective cases and argued the case on merit. The workman side has also abstained from adducing any documentary evidence while on the side of the management papers in connection with domestic enquiry were produced and admitted in the evidence on formal proof being dispensed with marked as Ext. M-1, M-2 and M-3. The admitted position in this case is that the concerned workman while serving a Head Clerk at Bhalgora Area of M/s. BCCI, was served with a chargesheet alleging misconduct of theft, fraud and dishonesty when the concerned workman was as Head Clerk was conferred with the duties and responsibilities of processing employment File in the year 1991 of Bhalgora Area and in doing so he dealt with six number of letters containing list of candidates numbering 319. He was entrusted with the duty to prepare appointment letter in respect of those candidates who were duly selected and entitled for employment on the basis of the requirement of the management of BCCI in the concerned area but ac-

cording to the management the concerned workman taking advantage of his official position as Head Clerk prepared appointment letters on phases in respect of 115 candidates whose names were not appearing in the 6 number of letters containing the list of selected candidates. Out of those 115 appointment letter 83 number of such letters were already issued and the persons so appointed by those letters started working under the management while rest 32 number of such appointment letters were cancelled when the practice of fraud etc. were detected. The management was not satisfied with the reply to the chargesheet issued against the concerned workman and constituted domestic enquiry against the concerned workman by appointing Enquiry Officer as well as Presenting Officer. Several attempts were made by the E.O. by notifying the date of enquiry by sending notice to the concerned workman in his local as well as permanent address but the concerned workman wilfully and purposely avoided service of such type of notice for which substituted service of such notice was accepted and although repeated attempts were made to procure attendance of the concerned workman in the departmental proceeding with a view to procure participation of the concerned workman in such proceeding but all such attempts ended in failure and ultimately the departmental proceeding was decided *ex parte* holding the concerned workman to be guilty of the charges levelled against him in the chargesheet. This is the sum and substance of the case on the side of the management whereas on the side of the workman it has been alleged that the final order of dismissal by way of punishment to the concerned workman was highly prejudicial for non-compliance of mandatory provision of natural justice by way of omission of the management to give him second opportunity to show cause on completion of the enquiry to satisfy the authority the concerned in respect of quantum of the punishment proposed to be inflicted upon the concerned workman and without doing so the management though it fit to issue a letter of dismissal against him. The representative on the side of the workman confined his written argument only on that point without making any attempt to prove the manner in which prejudice was caused to the concerned workman by non-service of second notice and thereby giving him another opportunity to make submission as to the sufficiency etc. of the proposed punishment etc. The representative on the side of the workman Mr. Bose in support of his argument in writing has placed reliance upon a decision of Hon'ble Supreme Court reported in the case of Union of India and others and Md. Ramjan Khan reported in 1991-1-LLJ page 29. In doing so Shri Bose relied upon para 18 and 19 of the Judgement wherein it was held by Hon'ble Court that "Whenever there has been an enquiry officer and he has furnished a report to the disciplinary authority at the conclusion of the enquiry holding the delinquent guilty of all or any of the charges with proposal for any particular punishment or not, the delinquent is entitled to a copy of such report and will also be entitled to make representation against it if he so desires, and non-furnishing of the report to the delinquent amounts to violation of rules of natural justice and make the final order liable to challenge hereafter." Shri Bose by relying on that para being para-18 of the aforesaid Hon'ble Court's judgement.

submitted in the written argument that since on completion of the enquiry against the concerned workman of this reference he was not supplied with a copy of the report of the enquiry officer and was also not served with any notice giving him an opportunity to make his representation, the action of the management in passing the order of dismissal is liable to be set aside and an order in favour of the concerned workman for his reinstatement with full backwages should be passed.

8. On the other hand Learned Advocate on the side of the management while arguing this case submitted that since the workman side has abstained from adducing any oral evidence with a view to prove the manner in which he was prejudiced because of non service of notice etc. and since in the instant case which has got its own peculiarity, the concerned workman intentionally avoided to take part in the enquiry proceeding instead of sincere attempt on the side of the Enquiry Officer to procure his attendance, the question of prejudice can not arise for non-service of notice on both these grounds i.e. omission of the workman to adduce evidence to show the manner in which he prejudiced and his failure to participate in the enquiry proceeding instead of opportunity. In that view of the matter it was submitted by the learned Advocate for the management that the action taken by the management and the order passed against the concerned workman in view of the nature of the misconduct was quite legal and justified which should not be set aside and no order in the form of relief by way of reinstatement etc. of the concerned workman should be passed. On consideration of the submissions for and on behalf of the respective parties I cannot but say that in fact as per decision of Hon'ble Supreme Court relied upon on the side of the workman it was mandatory with a view to meet the principles of natural justice that copy of the report of Enquiry Officer as well as an opportunity to the delinquent and in the instant case to the concerned workman to make his representation were required to be furnished and given which have not been done in the case and in that view of the matter the order of dismissal is no doubt liable to be challenged provided the decision of Hon'ble Court relied upon on the side of the concerned workman is applicable in the instant case. Mere perusal of para 18 and 19 of the aforesaid decision is likely to mislead one of rest portion of the judgement of the Hon'ble Supreme Court is ignored or not gone into. On perusal of the entire judgement I find that the case before the Hon'ble Court was in connection with certain order by way of punishment to the delinquent under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 and the delinquent was entitled to the protection of Article 311(2) of the Constitution but in the instant case the service condition of the concerned workman is not under the Central Civil Service Rules but under the Certified Standing Orders. That being the position the concerned workman can never be treated to be a Public Servant under Article 311(2) of the Constitution of India. It is thus crystal clear that the decision relied upon by the representative on the side of the workman has in fact no application in the instant case and since the fairness etc. of the 3022 GI/99—18

domestic enquiry held against the concerned workman have been decided in favour of the management on being conceded to on the side of the workman and in the absence of any evidence on the side of the workman to show the manner in which he was prejudiced because of non-service of notice for the second time before issuing the order of dismissal by way of punishment there is no way out but to hold that the management has not committed any wrong in passing the order of dismissal by way of punishment specially in view of the grave misconduct alleged against the concerned workman as specifically mentioned in the chargesheet issued against him. Keeping in mind all these facts and circumstances of the present reference and on consideration of the submission for and on behalf of the respective parties I cannot but hold that the concerned workman is not entitled to an order for reinstatement with back wages upon a finding that the action of the management in dismissing the concerned workman from his service is not legal and justified. I hold that the action of the management in dismissing the concerned workman is quite legal and justified and the concerned workman is not at all entitled to any relief in this reference.

This is my Award.

B. B. CHATTERJEE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1999

का०आ० 3075 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस०सी०सी०एल० के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एन-22012/2/98-आई आर (सी-II)]  
वी०एस०ए०एस०पी० राजू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1999

S.O. 3075.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 1st October 1999.

[No. L-22012/2/98/IR(C-II)]

V. S. A. S. P. RAJU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri E. Ismail, B.Sc., LL.B, Industrial Tribunal-I.

Dated, 31st day of August, 1999

Industrial Dispute No. 8 of 1999

## BETWEEN

The Branch Secretary,  
S.C. Employees Union (CITU),  
Rama Talkies Road,  
Kothagudem Khammam (District),  
Kothagudem . . . Petitioner.

## AND

The General Manager,  
M/s. Singareni Collieries Company Ltd.,  
Kothagudem,  
Kothagudem. . . Respondent.

## APPEARANCES :

Sri Ramesh Kumar Makkad representative—for the petitioner.

Sri J. Partha Sarathy, V. Hari Haran and A. Chandra Sekhar, Advocates—for the respondent.

## AWARD

This reference was made by Ministry of Labour, Government of India, New Delhi by its Order No. L-22012/2/98/IR(CM-II), dated 23rd December, 1998 U/s. 10(1)(d) and sub-section 2(A) of Industrial Disputes Act for adjudication of the following dispute :

"Whether the action of the management in cutting musters on certain days even though the workman attended to duty on the plea that he has refused to drive Lorry/Tipper which is other than his normal duty is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

Both the parties appeared and filed their respective pleadings.

2. The Union filed a claim statement stating that the concerned workman is Sri K. Devadanam who is Front End Loader Operator, 'B' Power House, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.

3. The dispute arose when the management cut the musters of K. Devadanam illegally. The Dispute was raised by the petitioner union before the Asst. Labour Commissioner (Central) Vijayawada. But the management refused to take into consideration the suggestions of the Asst. Labour Commissioner. Hence the conciliation ended in failure and the reference was made accordingly to this Tribunal.

4. Sri K. Devadanam, a Union Member, is working in respondent company from 20th March, 1976. He was appointed as General Mazdoor with category-I wages. After period of 2 years he was promoted as Pipe Fitting Mazdoor in category-II wages. In 1987 he was promoted as Lorry Driver with a category-V wages along with 15 other employees. On 19th April, 1989 he was promoted as Front End Loader Operator with grade 'C' wages vide their office order No. GM(K)P. 3A/938m dated 19th April 1989. Front End Loader Operator can be operated only by a Specially Skilled person. All Lorry drivers cannot perform the job. Special skill is necessary. Hence drivers are promoted as Front End Loader Operator.

5. On 11th November, 1996 Sri K. Devadanam was asked by the Sr. Divisional Engineer 'B' Power House Kothagudem to drive Lorry and bring Coal from the Coal Screening Plant of the Company nearly 11 Kms. away from the work spot of the employee. The workman rightly refused to discharge duty other than that of a Front End Loader Operator. In the above order mentioned supra, it is mentioned that if the employee is found unsatisfactory in work, conduct and attendance, he would be reverted back to Lorry Driver from 1989 to 1996 he has performed the work to the utmost satisfaction of his superiors without any remark. Hence asking him to drive the Lorry/Tipper is an harassment. The plea of the management that there was no work for the Front End Loader, hence he was asked to drive Lorry and since he refused for it he was marked absent is not tenable. The workman asked for written instructions to drive lorry which the management did not give but gave a letter stating that the workman was marked absent since there was no work on Loader. The workman also requested that if there was no work on loader at 'B' Power House, he may be transferred to Gautham Khani Open Cast Project. But the personnel Department did not care for it. Certain instances were also quoted of the alleged harassment of the workman in question. As they are not connected to the issue it is not being repeated here. In all the petitioner was marked absent illegally for 22 days (actually details of 21 days only are given). He prayed for payment of wages for 21 days in which he was illegally marked absent with all benefits and also to pay him interest at 24% per annum for Rs. 5,000/- borrowed by him due to the illegal musters cut and also for amount equal to the 5 play days rejected to him in the months of 1996 December and 1997 January and expenses incurred by him for attending conciliation proceedings be paid to him and the management also may be directed to transfer him.

6. A counter was filed stating that in truth the reference is itself bad. The entire issue depends upon the principle of no work no pay. The dispute was raised by the branch Secretary of Singareni Collieries Employees Union which is not a recognised Union and does not have majority of the employees as its members. In fact verification of membership of the trade Unions operating in Singareni Collieries Company Ltd., through secret ballot system was held by the returning officer and the Singareni Collieries workers union was declared as recognised union. The petitioner union did not secure at least the representative status in any of the 13 areas of the company.

7. With regard to coming to the merits of the case the workman is required to drive Loader/Tipper (Lorry), when there is no work on the Loader, he will be required to work on Tippers for transporting the Coal. As per the existing practice in the Company and as per the service condition applicable to the Front End Loader Operators, when ever the Front and Loader Operators are idle or the Loader is temporarily out of order they will discharge the duties of Lorry drivers. This practice is prevalent throughout the Collieries and is being followed by all the Front End Loader Operators and Sri K. Devadanam is the only operator who is seeking exemption from

this practice which cannot be agreed to by the respondent management in fact the respondent management has issued a circular during the year 1980 clearly stipulating the appropriate grades or allowances for lorry drivers engaged as Front End Loaders and also laid down certain conditions which have been in implementation by all similarly placed workman for which Sri K. Devadanam is not an exception. Implementation Instruction to the said effect were also given vide management Lr. No. P. 8/3686/415, Dtd: 18-2-1980. Further this issue has also figured in the minutes of discussions held at Hyderabad between the management of S.C.C.L., and the Singareni Collieries Drivers Association on 30-3-1980 vide item No. 5 of the said minutes. It was also agreed that lorry drivers currently working on the Front End Loader i.e. with capacity of 2 C. U. yards and above will be allowed to draw grade 'C' emoluments that is Rs. 570-1008 on the terms as contained in circular No. P-8/3686/415, Dtd: 18-2-80.

8. The workman has willfully disobeyed reasonable instructions given by the Sr. Divisional Engineer Power to work on Tipper for transporting Coal when there was no work on the Loader. The workman was present physically for duty but failed to discharge the duty assigned to him. It is pertinent to note that Sri S. S. Reddy, his fellow Front End Loader Operator working in the same Power House was discharging the duties of both Tipper/Lorry whenever required and the workman cannot deny this fact and seek exemption from working on Tipper. In fact the attitude of the workman amounts to wilful in subordination which is grave misconduct as he did not work he was not paid on all the above 21 days as he has refused to work he was not paid whereas Sri S. S. Reddy worked as driver on Tipper/Lorry for transporting coal.

9. The transfer of an employee from one unit to another is the administrative function of the management. The allegations that he has been denied the play days is false. The workman was given 2 play days out of every three play days during the run of 'B' Power House. The deployment of workman on play day overtime duty is discretionary on the part of the management and cannot be questioned or demanded. The other contentions are not maintainable. Hence the claim petition may be dismissed.

10. The point for consideration is whether the action of the management is justified in cutting musters on certain days i.e. 21 days(11). The petitioner union Honorary Secretary examined himself as WW1 he deposed that he is the Honorary Branch Secretary of the petitioner employees union. He also stated to the facts mentioned in the petition, in the chief examination. He also marked Ex. W1 promotion order of the workman and Ex. W2 bunch of xerox copies of the letters which was served on the concerned workman.

12. In the cross-examination he deposed that he is not an employee of Singareni Collieries Company Ltd., that the petitioner union is not recognised by the respondent Company, that it is true that Front End Loader Post is a promotion post for Lorry Driver and that

Front and Loader operator works only on stationer Loader which works in a restricted area. He is not aware that the Front End Loader Operator has to work as Lorry Driver also in case of break down of the machine which he is operating. Ex. M1 is the minutes of the meeting dt. 30-3-80, Ex. M2 is the letter-cum-circular dtd: 18-2-90. As per which if the Front End Loader Operator is idle for a long time he has to be reverted back to the substantive post. Ex. M3 is the internal correspondence dtd. 18-4-97 of the respondent company. Similarly Ex. M4 dated 18-6-97 is internal departmental correspondence. Ex. M5 dtd: 1-12-97 is the views of the management submitted to ALC. Ex. M6 dtd: 25-11-97 is the minutes of the proceedings. Ex. M7 is the draft office order dtd: 28-3-89. It is true that Front End Loader Operator being a skilled job cannot kept idle for a long time. He denied that Sri S. S. Reddy is a Front End Loader Operator and deposed that he is only Lorry Driver and some times works as Front End Loader Operator. He denied that the workman is not entitled for wages for 21 days.

13. The workman K. Devadanam examined himself as WW2 and deposed to the facts mentioned in the petition and further added that he was asked to drive the Jeep twice or thrice in connection with the personal work of Sr. Divisional Engineer and other Officers of 'B' Power House, that as he refused on one occasion, the authorities bore Grudge against him and asked him to drive the Lorry though there was work for him as Front End Loader Operator that he asked the authorities to give instructions in writing to drive the lorry, that the Sr. Divisional Engineer then took the service of Lorry driver to discharge the duties of Front End Loader Operator without providing work to him when his shift came, that he was served with Ex. W2 bunch of letters for his absence and that he made a representation through Ex. W5 but all the representations failed. He approached the Asstt. Labour Commissioner and there also the meeting ended in failure. Hence the reference.

14. In the cross-examination he deposed that one Mr. S. S. Reddy is also working as a Front and Loader Operator along with him. He does not know in case of lack of sufficient work or failure of the machine the Front End Loader Operator will be asked to drive the lorry. It is true that Sri S. S. Reddy was working as lorry driver or Tipper driver now and then while working as Front End Loader Operator. He denied that he disobeyed the lawful orders.

15. The management examined Sr. Divisional Engineer as MW1. He deposed that he knows WW2, and deposed that the work of the Front End Loader Operator is to load the material into the lorry so as to shift the material from one plank to another, that whenever work is not available, he has to drive the lorry that this practice is in vogue as per Ex. M2 circular issued to the said effect. The work of Front End Loader Operator some times may not be these due to break down of the loader or for want of work, hence the workman was asked to drive the lorry.

16. In the cross examination he deposed that the designation of WW2 Devadanam is Front End



Loader Operator. There is only one Front End Loader Operator and two drivers in 'B' Power House. The names of the driver are Mr. S. S. Reddy and Mr. Deep Chand. As per the practice along with the Front End Loader Operator the driver is also given the job of loader. It is true in Ex. M9 office order it is not specifically mentioned that WW2 has to drive the vehicle also in case of necessity. Ex. M10 is also an office order promoting 3 more workman as a Front End Loader Operator but it is also silent that the concerned workman also have to drive the vehicle in case of necessity while other service conditions similar to Ex. M9 are mentioned in Ex. M10. But in Ex. M11 office order it has been specifically mentioned that the Front End Loader Operator has to discharge the duties of lorry driver when there is necessity. His relationship with WW2 is good. And he has not initiated any disciplinary action against WW2.

17. It is argued by the learned representative for the petitioner that the question is whether the driving of lorry or tipper is the normal duty of Front End Loader Operator. The Front End Loader Operator in Singareni Collieries is termed as Pay Loader Operator in Coal India Ltd.. The description does not say that the Loader/Tipper driving is primary or normal duty of concerned Front End Loader Operator in Ex. M9 there is mention about driving as a part of duty of a Front End Loader Operator. It is only in 1996 the management included the Driving of Lorry/Tipper also as the duty of Front End Loader Operator as in the earlier office orders and in the office order of WW2 driving is not mentioned and when any modification is made that will be applicable to subsequent person who have been promoted. Compelling a Front End Loader Operator promoted long back on 15-7-96 to drive lorry without changing the service conditions is a violation of Industrial Dispute Act U/s 9-A. No written instruction were given to WW2. The management failed to produce any witness or documents stating that the driving of lorry or tipper driver is the normal duty of the Front End Loader Operator. The work and attendance of WW2 are not only satisfactory but they are good. Further it is violation of standing order as per standing order number 27.1 'Where a workman is charged with a misconduct he shall be informed in writing of the allegations, against him by the competent authority and shall be given an opportunity to submit his explanation in writing within a period of not less than 3 days'. In this case the management neither issued written instructions nor issued any charge sheet to the workman. The workman was not given a chance to explain about the allegations, or to defend or to represent himself. The fine is a second punishment as per standing orders. 21 days wages have been deducted which is in contravention of the companies standing orders. It is even against the payment of wages (mines) rules and payment of wages Act, 1936. Hence the workman is entitled to for 21 days wages and the management is liable to be punished for such malicious attitude and ten times the wages be awarded to the workman.

18. It is argued by the learned counsel for the respondent that it is the contention of the workman that as a Front End Loader Operator he is not required to perform the duties of driver. It is not in

dispute that the concerned workman refused to perform the duty of a driver on 21 days. The only question that remains to be decided is whether the workman's refusal to perform the duties of a driver is valid and doing so amounts to refusal to obey the lawful order of a superior authority. From the evidence of WW1 it is clear that on 11.11-96 the Sr. Divisional Engineer, the superior of the concerned workman had actually asked the concerned workman to drive the lorry and bring the coal and that he refused to work. This is established from the evidence of WW1 and WW2 himself, the arguments that the letter of appointment of WW2 is a Front End Loader Operator does not specify that he has to perform the duties of a driver. This is true. However the letter of appointment also does not clearly mention that his duty will be the same as Front End Loader Operator. It is pertinent to note that infact in the draft of the appoint letter there is a specific mention however in the fair copying the specific reference is missing though the general provision is there. The evidence of MW1 clearly shows that the duties of a Front End Loader Operator include the duties of a driver in case he is required to do so. The evidence of WW1 itself shows that the concerned workman was asked to drive a truck and bring the Coal which means that there was no Coal available at the work spot for which the Front End Loader Operator's services were required. The refusal to drive itself amounts to in subordination. In addition Exs. M9, M10 and M11 specifically mentions that the Front End Loader Operator shall discharge the duties of a lorry driver as and when necessary. Merely reporting for muster while refusing to do the work does not entitle the concerned workman for wages. Infact the management took a lenient view deducting the wages only for 21 days and no serious action was taken. Hence, a nil award may be passed holding that the workman is not entitled for 21 days wages.

19. It may be noted that Mr. Devadanam was promoted from Lorry Driver of Screening Plant, Kourigudem to Front End Loader Operator on 19-4-1989 vide Ex. W1. Ex. W2 is the bunch of notices given to the workman i.e. WW2 that he has refused to work on Tipper and hence he has been marked absent on that day. Ex. W3 is the complaint given to Asst. Labour Commissioner, Govt. of India Ex. W4 is the letter written stating that WW2 is refusing to work on Tipper when the Front End Loader is broken down. Ex. W5 is the representation made by WW2. Ex. W6 is the payment sheet of WW2 for the month of November, 1996 to January, 1997. Ex. W7 is the representation made to Sr. Divl. Engineer by Devadanam. Ex. W8 is another representation to Asst. Labour Commissioner. Ex. W9 is another letter to Asst. Labour Commissioner. Ex. W10 is the service particulars of WW2. Ex. W11 is dated 10-9-89 confirming the service of WW2 as Front End Loader Operator.

20. Ex. W1 is the minutes of meeting. Ex. M2 states that the lorry driver working on Front End Loaders shall discharge the duties of Driver when Front End Loaders are out of order. Ex. M5 is the views of Management that WW2 will not be paid



wages for the days he refused to drive the Tipper. Ex. M6 is the Minutes of Conciliation of Asst. Labour Commissioner. Ex. M7 is the office order promoting WW2 from Lorry Driver to Front End Loader Operator. Ex. M8 is the Office order of 3 drivers who are working as Front End Loader Operators to work as Driver also if asked. Ex. M9 is the appointment letter of WW2 promoting him as Front End Loader Operator. Ex. M10 is the promotion order of 3 drivers, dt. 27-6-1991. Ex. M11 is the promotion order of 3 drivers dt. 15-7-96 wherein it was specifically mentioned that they have to perform the duties of Drivers as and when required.

21. It is the contention of the representative for the petitioner that in the appointment order of WW2, it is not mentioned that he has to work as driver when required. Therefore the management is bound to take only work on Front End Loader and they cannot ask him to work as Driver. He also filed some definitions of 'Front End Loader Operator' and also that the management cannot alter the condition of service applicable to WW2. It may be noted that it is a case which has to be decided not on purely technicalities, but in a general way. I can understand if an Executive is asked to do sweeping a sweeper has not turned for duty or that the Executive has no work for the said day. Obviously it is another work of a entirely different nature and it would actually amount to victimisation. In this case the Front End Loader Operators are mostly promoted from the job of Lorry Tipper Drivers. It is not in dispute that except of these 21 days WW2 was not asked to work continuously on all the days as Driver. If that is the case it would virtually amount to harassing WW2. He was promoted in 1989 i.e. on 21-4-1989 and for a long gap of 7 years he was asked to work as driver on 2 days in November, 1996, 6 days in December, 1996, 8 days in January, 1997, 1 day in February, 1997 and 2 days in March, 1997. In all 21 days in 9 years, can it be said that it was harassment. Obviously the Front End Loader had broken down or there was no work of Front End Loader Operator and he has not asked to do any work alien to his profession. After all he is promoted from Lorry Driver and in such contingencies, if he refuses to do the work of lorry driver and sit idle and claim wages, then what would be the fate of the company. No doubt the Industrial Law is mostly to safeguard the rights of the workers but it also has to see that the company survives. If the worker refuses to work even the work which is connected to his work sit idle and claim wages then one can understand the fate of the company. The Tipper Loader also loads. The only difference is that the range is only some meters but whereas the lorry driver has to drive it on the road. The argument of the petitioner that he was not given instruction in writing is untenable. It is not necessary to give every order in writing. The very fact that he was asked to take lorry out it will be noted by the Security Department that 'so and so the Lorry driver' has taken it for so and so work hence it will come on record. Therefore, the contention of WW2 that he refused to drive the lorry on the ground that if any accident were to occur there will be risk for him. Moreover, there is no proof that he demanded the superior to give in writing. As the work of lorry driver is his previous job and even the work of Front End Loader Operator if

not identical is one degree ahead of the driver's job I am of the opinion that there was nothing wrong in asking WW2 to drive the lorry that too after a gap of 7 years for 21 days in his entire career. It cannot be any stretch of imagination he termed as victimisation. Hence, I hold that WW2 is not entitled for the wages of 21 days for which he has done no work as admitted by him. The other grievances are unconcerned in the reference. The reference is only confined to his wages. Merely attending and not turning out any work will not entitle the workman to claim the wages. The point is answered accordingly.

22. Award passed holding that the action of the management in cutting musters on certain days even though the workman attended to duty on the plea that he refused to drive lorry/tipper which is other than his normal duty, is justified and the workman is not entitled for the wages for 21 days.

Dictated to the steno-typist, transcribed by him, corrected and passed by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, on this the 31st day of August, 1999.

E. ISMAIL, Industrial Tribunal

#### Appendix of evidence

##### Witness Examined for petitioner

WW1 : Ramesh Kumar Makkad.

WW2 : K. Devadanam.

##### Witness examined for respondent

MW1 : P. G. Reddy

##### Documents marked for the petitioner

Ex. W1 : Office order dt. 19-4-89 issued to K. Devadanam promoting as Front and Loader Operator (Xerox Copy).

Ex. W2 : Bunch of Xerox copies of the notices issued to K. Devadanam marking absence to him (containing 18 notices).

Ex. W3 : Xerox Copy of the complaint made to the ALC, Vijayawada.

Ex. W4 : Letter dt. 24-2-97 from the Sr. D. E., referring transfer of WW2.

Ex. W5 : Representation made by WW2.

Ex. W6 : Pay sheet of WW2 for the months of November, 1996 to Jan., 1997.

Ex. W7 : Representation dt. 22-11-96 made to Sr. D. E. by Devadanam.

Ex. W8 : Representation dt. 21-4-97 made to Asstt. Labour Commissioner.

Ex. W9 : Representation dt. 22-10-97 made to ALC.

Ex. W10 : Service particulars of WW2.

Ex. W11 : Confirmation letter dt. 25-11-92 issued to WW2 as Front and Loader Operator.

## Documents marked for the Respondent

- Ex. M1 : Minutes of meeting dt. 13-3-80.
- Ex. M2 : Circular dt. 18-2-80 regarding Front End Loader Operator.
- Ex. M3 : Internal Departmental correspondent of the Company Dt. 18-4-97.
- Ex. M4 : —do— Dt. 18-6-97.
- Ex. M5 : Views of the Management Dt. 1-12-97 submitted to ALC.
- Ex. M6 : Minutes of conciliation dt. 25-11-97.
- Ex. M7 : Draft Office order dt. 28-3-89.
- Ex. M8 : Office Order Dt. 2-5-80 issued to 3 drivers who are working as Front End Loader Operators to work as driver also if so called for.
- Ex. M9 : Appointment letter of WW2 promoting him as Front End Loader Operator.
- Ex. M10 : Promotion order of 3 drivers dated 27-6-91.
- Ex. M11 : Promotion order of 3 drivers dt. 15-7-96 wherein it was specifically mentioned to perform the duties of drivers, as and when required.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1999

कां.अं. 3076 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एफ.सी.आई. के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण विशाखापटनम के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-10-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22025/6/99-आई अर (सी-1)]

वी.एस.ए.एस.पी. राजू, हेड अधिकारी

New Delhi, the 4th October, 1999

S.O. 3076.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Visakhapatnam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of F.C.I. and their workman, which was received by the Central Government on the 4th October, 1999.

[No. I-22025/6/99-IR-C-II]

V.S.A.S.P. RAJU, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE COURT OF INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM  
LABOUR COURT VISAKHAPATNAM

PRESENT :

SRI C. SAMBASIVA RAO, M.A., B.L.,

CHAIRMAN & PRESIDING OFFICER.

Tuesday, the 24th day of August, 1999

I.T.D. (C) 35/97

## BETWEEN :

Rajana Nagamma.  
W/o Late Simhadri,  
Ravindranagar,  
Kancharapalem,  
Visakhapatnam.

.. Workman

## AND

The Joint Manager,  
Port Operations,  
Food Corporation of India,  
Visakhapatnam.

.. Management.

This dispute coming on for final hearing before me in the presence of Sri A. V. Sambasiva Rao and Sri A. S. Rama Sarma, advocates for workman and Sri Lanka Jagannadham, advocate for management, upon hearing the arguments of both sides and on perusing the entire material on record, the court passed the following :

## AWARD

(1) This is a dispute raised by the workman directly under sec. 2A(2) of the I.D. Act (Central Act 14/1947) seeking the relief of reinstatement with back wages and continuity of service.

(2) The claim of the workman is that she was appointed as a Sweeper on 10-5-67 and worked continuously with the management with unblemished record of service for nearly 20 years. The workman unsophisticated rural worker who could not understand the implication of the scheme and they kept under delusion which was produced by the management and for which she made to affix her thumb impression and thrown out her from the employment without explaining the contents in the various papers prepared by the management. It is submitted that a special voluntary scheme was engineered by Food Corporation of India, only to deprive the livelihood of labour who put up the long service and who got more than 15 years future service by allurements of lumpsum amount. The scheme itself is contrary to the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 and it amounts to contracting out which is prohibited by law. It is submitted that the Industrial law one should not be guided by the form and one must look to the substance of the matter. To avoid various obligations and liabilities imposed by various labour legislations, the management resorted to various devices. All the workers along with this workman are illiterates who have rendered loyal services for a period of two decades could not understand the implications of the scheme and the management obtained thumb impressions by force without explaining the contents of the document.

The so called option form for the scheme was prepared by the management and obtained the signatures of the workman by force in the month of September, 1986 and terminated the workman herein under the guise of voluntary retirement scheme on 31-8-86 which is per se illegal, arbitrary, void and bad under law. The workman was illegally terminated under the guise of special voluntary retirement scheme. The reasons for termination are not correct. She filed CMP 1/93 on the file of this tribunal and she was filed a memo in the above case without prejudices, to her right withdrawing the CMP 1/93 and according the said CMP was withdrawn. The scheme was enforced for the months of July and August, 1986 and the management supplied documents in CMP wherein the option column obtained from the workman in September, 1986. Hence the action of the management terminating the services under the guise of voluntary retirement scheme back days i.e. 31-8-86 is wholly illegal and liable to be dismissed in limine.

(3) The management filed counter denying the allegations made in the petition. It submitted that this application u/s 2A(2) of the I.D. Act is not maintainable under law. Here it is not a termination of services of the workman and the workman herself applied under the special voluntary retirement scheme 1986. Having derived benefits out of its received monies from the management kept quite till 1993 and filed an application in CMP 1/93 on 28-4-97, withdrew

it and now she filed this application. As per her claim her age is 60 years and so she is not entitled for reinstatement. Actually the scheme has been published well in advance after the matter has been thread bare discussed by the Chairman, Food Corporation of India with the Union leaders of Food Corporation of India of departmental dock and port workers of Bombay, Kandla, Vizag and Madras ports held as early as May, 1986. As such the petitioner cannot have any grievance over the said scheme. The scheme has been translated into the vernacular language i.e. Telugu and also circulated to all the employees. The management did not insist any of its employees much less the workman herein to apply and there was no compulsion at all. But after a lapse of nearly 11 years the workman is challenging the scheme, which she is not entitled to. Hence it is false to contend that there is illegal termination of the workman under the guise of the special voluntary retirement. Under this scheme she is not entitled to the relief of reinstatement or other benefits as claimed by her. The workman has been paid an amount of Rs. 81,105.30 as special compensation due as per the scheme, Rs. 13,517.55 as gratuity, Rs. 1,422.90 as Earned leave encashment, Rs. 24,574.50 as contributory provident fund accrued, Rs. 396.05 as Ex-gratia/bonus for 1986-87 and Rs. 85/- as FCI, ESIS by deducting the amount of Rs. 1,960 as draught advance and festival advance. She received a total amount of Rs. 1,19,141.30 through a cheque No. BL/400/81496 dated 4-10-86. Hence this application is not maintainable and it is liable to be dismissed.

(4) On behalf of the workman she herself examined as WW1 and marked Exs. W1 to W4. On behalf of the management MW1 is examined and Exs. M1 to M14 are marked by consent.

**(5) The points for consideration are :**

- (1) Whether the workman was terminated from service under the Voluntary Retirement Scheme without understanding the employers note ?
- (2) Whether the retirement of the workman under the VRS is illegal and opposed to public policy and it is against the spirit of the provisions of Industrial Disputes Act ?
- (3) If the workman is to be reinstated what are the benefits she is entitled to ?

(6) Point No. 1.—As per the evidence of the workman she stated that she was working as Sweeper in the management from 1966 and was removed from service in September, 1986. Her superannuation is on 24-4-2000 as per Ex. W1. Her identity card is Ex. W2. She deposed that some impressions were obtained from her and she do not know the contents of it under Ex. M3. She was paid Rs. 1,09,000/- at the time of termination and she never express her intention of taking voluntary retirement under that scheme. Hence she is claiming for her reinstatement with back wages and continuity of service. In her cross-examination she deposed that she was issued a cheque for Rs. 1,21,101.30 ps. She admitted that she filed CMD 1/93 against the management. She denied that union people arrived at an understanding by way of agreement about the VRS of some of the employees and through that union she submitted application for the said scheme. She deposed that when amount was paid to her by way of cheque she raised an objection about the VRS orally but not in writing.

Whereas the Asstt. Manager, FCI was examined as MW1 deposing that he joined the management in 1965. After discussing with the union the management evolved voluntary retirement scheme and the minutes of meeting is Ex. M1. The scheme was published under Ex. M2. The Telugu version of Ex. M2 is Ex. M3. He deposed that they intimated the workman by issuing general circular under Ex. M4 regarding the scheme. Out of 1000 workers 775 employees opted the scheme including the workman and received the benefits of the scheme by NSS certificates Rs. 50,000/- under Ex. M5. The release order of the scheme of the workman is Ex. M7. Her application for seeking VRS is Ex. M8 and application for gratuity is Ex. M9. Ex. M10 is application of payment of dues by workman. The data sheet showing the worksheet figures has to how the amount was arrived is Ex. M11. Counter in CMP1/93 is Ex. M13. He deposed that there is

no fraud played on the workman with regard to her voluntary retirement scheme. Questioning the validity of the scheme before the A. P. High Court and the order is Ex. M14. Hence she is not entitled to reinstatement or other reliefs. He deposed in his cross-examination that the scheme is applicable only for June, July and August of 1986. He also deposed that the application Ex. M5 shows the date is 5-9-86 is wrongly typed in first papers and the correct date are given separate pages.

As per the contentions of the management in its counter the details of the scheme are shown under Ex. M2. The minutes of the meeting as Ex. M1 whereunder both parties the management and the union of the workman were agreed the voluntary retirement scheme and it is also mentioned that circular should be issued for publication to offer under the voluntary retirement scheme and the retrenchment of labourers should be highlighted. Union representatives agreed to this scheme under these minutes of the meeting under Ex. M1. To make it clear to all the workmen are intimated including the present workman under Ex. M2 circular issued by the management. Ex. M2 is the conditions of the voluntary retirement scheme which was issued by the management. The counsel for the workman wanted to rely upon the document under Ex. M5 dated 5-9-86 the first page governing the option form for voluntary retirement on which the scheme cannot be enforced against the workman. But the perusal of the second sheet of Ex. M5 whereunder the date is mentioned against the name of the worker is 20-8-86. Admittedly Ex. M6 National Saving Certificates issued to the workman and compensation was paid. Under Ex. M7 office order of the management to show a copy was sent to the personal file of the workman regarding her voluntary retirement scheme. She sought for payment of the amount under Ex. M8 dated 31-8-86. This shows the workman applied for her voluntary retirement scheme prior to 31-8-86. So it is rightly contended by the management that the date which was on Ex. M5 is a typing mistake as 5-9-86. She also submitted an application under Ex. M9 for payment of gratuity along with Ex. M8. Under Ex. M10 she sought for payment of special compensation, EL wages Ex-gratia/bonus for 1985-86 and 1986-87 and other amounts due if any. The calculation sheet made by the management under Ex. M11. So there is lot of evidence to show that not only the workman has applied for her voluntary retirement scheme but even she received the amounts under the said scheme. She could not explain how she received so much of amount without any objection made by her or her union people. So irresponsible conclusions is that the workman wants to raise a dispute after having taking retirement benefits after 7 years after her retirement by filing CMP 1/93 which was dismissed as withdrawn and with a permission to raise an industrial dispute under Ex. M13. In so far as questioning the retirement scheme as such, a writ was filed in 10456/88 by the General Secretary of the FCI Dock Workers Union questioning the scheme as it amounts to retrenchment and sought for re-employment as and when vacancies arise. While dismissing that application an observation was made that preference may be given to these workers who are retired under this scheme if any vacancies arise if they are eligible in doing the job. As per the evidence of MW1 he categorically stated that there are no further recruitments made after the retirement of the workmen who retired under the VRS scheme and even the petitioner did not point out as to who are the persons appointed consequent to the order of the High Court.

The counsel for the management relied upon a judgment reported in AIR 1990 Supreme Court 1808 in M/s. J. K. Cotton Spg. & Wvg. Mills Company Ltd., Kanpur Vs. State of U.P. and others in which it is observed voluntary retirement of employee does not amount to retrenchment from service the case is covered by voluntary retirement under Sec. 2(s) of the I.D. Act. It is also further held that Sec. 2(oo) and 25F cannot be applied since it cannot be treated as termination of service or retrenchment of the employer under these two provisions. Another reported judgement relied upon by the counsel for the management is reported in (1993) 3 Supreme Court Cases page 591 in Dr. M. S. Mudhol and Another Vs. S. D. Halogkar and others it is observed that when despite disclosing the qualification by possessed by respondent selection committee wrongly selected him and Director of Education acquiesced in the appointment and thereafter respondent continuing in the post for

9 years till filing of the petition and still continuing for 12 years till then, held his appointment need not be disturbed at this late stage whether writ of quo warranto would lie need not be considered Equiv. acquiescence.

After duly considering the above submissions made in these two decisions the point No. 1 is answered that it cannot be said that the workwoman was removed from service and she acted without knowing the implications of the voluntary retirement scheme.

(9) Point No. 2.—The question of treating the scheme as illegal and opposed to the spirit of Industrial Disputes Act is decided against the workwoman as the Supreme Court held that the voluntary retirement scheme does not amount to retrenchment or termination of service. So this court is bound by that judgment and in that aspect also the agreement between the union and the management which is admitted by the workmen regarding the voluntary retirement scheme is binding. Hence she is also bound by the order in writ petition which is referred to earlier.

(10) Point No. 3.—By virtue of answering point No. 1 and 2 against the workwoman nil award is passed dismissing her claim of reinstatement with back wages and continuity of service. Accordingly the reference is answered against the workwoman.

Dictated to steno transcribed by her given under my hand and seal of the court this the 24th day of August, 1999.

SRI C. SAMBASIVA RAO, Presiding Officer

#### Appendix of Evidence

#### Witnesses Examined For

Workman : Management :  
WW1 Smt. R. Nagamma. MW1 D. Givvon.

#### Documents marked for workman :

- Ex. W1—31-8-86 xerox copy of the office order.
- Ex. W2—Identity card.
- Ex. W3—5-9-86 Option for voluntary retirement.
- Ex. W4—31-10-96 certified copy of the deposition of MW1 V. R. Gupta in CMP 1/93.

#### Documents marked for Management :

- Ex. M1—29-5-86 xerox copy of the minutes of the meeting held on 29-5-86.
- Ex. M2—xerox copy of the special voluntary retirement scheme, 1986.
- Ex. M3—20-6-86 xerox copy of the special voluntary retirement scheme 1986 (Telugu version).
- Ex. M4—xerox copy of the Appeal circular.
- Ex. M5—5-9-86 Option for voluntary retirement.
- Ex. M6—xerox copies of five National Saving Certificates each worth of Rs. 10,000.
- Ex. M7—31-8-86 office order.
- Ex. M8—31-8-86 letter addressed to management by the workman.
- Ex. M9—31-8-86 Letter addressed to management by the workman.
- Ex. M10—31-8-86 Letter addressed to management by the workman.
- Ex. M11—Calculation sheet/sanction order/pay order for the terminal benefits.
- Ex. M12—counter copy in CMP 1/93.
- Ex. M13—28-4-97 xerox copy of order in CMP 1/93.
- Ex. M14—2-3-98 xerox copy of the order in WP No. 10456/88

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

का०आ० 3077.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-9-99 प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-12012/34/96-आई आर (बी-II)]

सी० गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3077.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 22-9-99.

[No. L-12012/34/96-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)  
Presiding Officer, Shri D. N. Dixit

Case No. CGIT/IC(R) 102/96

Shri J. B. Shukla,  
Dal Oli No. 1,  
Kamptee,  
Distt. Nagpur.

.. Workman

V/s

The Regional Manager,  
Central Bank of India,  
Kamptee Road,  
Nagpur.

.. Management

#### AWARD

Delivered on the 20th day of August, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-12012/34/96-IR(B-II) dated 30-5-95 has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Central Bank of India, Nagpur in dismissing Shri J. B. Shukla, Cashier-cum-Clerk from service w.e.f. 2-1-1990 is legal and justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

2. The case of the workman of Shri Jagannath Biharilal Shukla is that he was working as a Cashier-cum-Clerk at Itawari Branch of Central Bank of India, Nagpur in the year 1987-88. The Chargesheet was issued to him on 15-2-89 alleging that he has forged the Signature of Shri N. Nagnathan Chief Manager of the Bank, Itawari Branch, Nagpur. In an application of loan submitted to Co-operative Society. This loan was for a amount of Rs. 5000. The signature of Shri N. Nagnathan, Chief Manager were on a letter sent to the Co-operative Credit Society about an undertaking to deduct Rs. 200 per month from the salary of the workman. In the DE the workman contested the charges. The procedure followed in the DE was highly irregular and prejudicial to the interest of the workman. Shri N. Nagnathan whose signature were alleged to have been forged was in the employment of the management at the time of enquiry but he was not examined. The alleged letter was examined by two Handwriting Expert Shri Bhangay and Shri Athale. These two Handwriting Expert were also not examined in the

enquiry. The enquiry Officer found the workman guilty of forging the signature of Shri Nagnathan and submitted his report. On the report of the Enquiry Officer the workman was discharged from service from 2-1-90. According to the workman this discharge is bad because nothing has been proved against him. The workman seeks the relief of reinstatement in service and back wages and allowance.

3. The management did not appear in the case on 7-8-98. In a telegram received from advocate of management the case was adjourned to 6-10-98. Again on 6-10-98 management remained absent. The case was fixed for management to prove DE papers on 4-12-98. Again on 4-12-98 the management remained absent and the case was fixed on 16-2-99. Again on 16-2-99 the management remained absent and the case was closed for Award. From that date the management has not filed an application to set aside order dated 16-2-99. It seems that the management is not interested in pursuing the present matter. The long absence of management from 7-8-98 till date in Court Proceedings indicates that they do not want to contest the claim of the workman.

4. The workman examined himself in Court and stated an oath that Shri Nagnathan was not examined in the DE held against him. The management has sent the disputed document for examination by Hand Writing Expert Shri Bhangay and Shri Athale. The workman demanded that statement of these two Hand Writing Expert be recorded in the DE Proceedings. This has not been done. The workman has not been given an opportunity to lead defence evidence. The workman has stated an oath that he has not forged the signature of Shri Nagnathan.

5. From the statement of workman it is clear that Shri Nagnathan was not examined in the DE proceedings to prove that the alleged letter submitted by workman was not signed by him. Thus the best evidence available to management was withheld by the management in the DE proceedings. The result is that the DE proceedings are vitiated. The workman has stated an oath in Court that he has not forged the signature of Shri Nagnathan in the alleged letter to Co-operative Credit Society. There is nothing on record to disbelieve the workman. The discharge of workman from service on 2-1-90 is held as illegal.

6. The Award is given in favour of the workman Shri J. B. Shukla. The order of discharge dated 2-1-90 is hereby set aside. The workman will deem to be in the continuous service of the bank from 2-1-90. From the date of award the workman will be entitled to wages and allowances. The workman has done no work from 2-1-90 to date of Award hence he will not be paid wages for this period. For other benefits the workman will deem to be in continuous service. Parties to bear their own costs.

7. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

का०आ०3078:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बैंगलूर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-09-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-12012/173/89-डी II (ए)]

सी० गंगाधरन, अवर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3078.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation 3022 GI/99—19

to the management of Vijaya Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22-09-1999.

[No. L-12012 173/89-DII(A)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT: BANGALORE

Dated: 16-9-1999

PRESENT:

Justice R. Ramakrishna, Presiding Officer.

C. R. No. 76/89

I PARTY

Shri Anand,  
C/o Driver Babu,  
Bangera Compound,  
Hitlu House,  
Maroli,  
Kulshekar,  
Mangalore-575005.

II PARTY

The Chairman,  
Vijaya Bank,  
Head Office,  
M. G. Road,  
Bangalore 560001.

AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) and sub-section 2A of the section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute vide order No. L-12012/173/89-DII(A) dated 1-11-1989 on the following schedule:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Vijaya Bank in terminating the services of Shri Anand is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The points of dispute referred in the schedule is once again mis-leading on the facts and circumstances of the case made out by both parties.

3. The first party in his claim statement has contended that he was being employed from time to time by the second party to work as a sub-staff in its various branches in and around Mangalore since 13-7-83. The last of his such appointment was on 8-1-85. Thereafter his services were terminated w.e.f. 15-1-85.

4. To deny the first party and also others working like him, continuity in employment and other benefits, the second party had been resorting to the unfair labour practice of terminating his services now and then. The first party had to involuntarily and without choice put up with this unjust practice. He has further contended there was ample scope and opportunity for the second party to utilise his services as before. Infact others are being employed as sub-staff on temporary and permanent basis. Therefore, according to him the termination of his services is unfair and unjust. Therefore, he is entitled for reinstatement, continuity of service, back wages and other benefits.

5. The second party in their counter statement, as it relates to the issue in question have contended that the first party was engaged as a temporary sub-staff for a total number of 275 days between 13-7-83 and 15-1-85 due to temporary vacancy caused on account of absence of permanent staff and some times temporary nature. This engagement is in accordance with clause 20.7 of the First Binartite Settlement. They have denied the factum on termination contended by this workman. They have shown the number of days worked by him in the counter statement with various branches which comes to 275 days. They have further contended his engagement followed by an appointment order which were made available.

6. They have further contended since some norms was fixed for appointment of a permanent sub-staff such as age, qualification etc. and also due to the fact the first party does not satisfy the requirements of appointment that any order to that effect will lead to arbitrariness. If an ad hoc employee is made permanent by the orders of the court that he had worked in the post for some time, there will be by passing of rules and this may be misused by the other persons. Their case is, that this workman was not terminated and to the very fact he was aged about 30 years when he was taken to work as temporary sub-staff. He will not fulfill any legal requirements for permanent appointment.

7. To justify this aspect of the matter the second party has examined the Manager as MW1. This witness after referring to some of the appointment orders Ex. M1, M7, some of the applications of the first party Ex. M8 to M12 has deposed that the appointment of the first party is to work in the leave vacancy of a permanent peon. As per Ex. M13 a circular issued by the head office, the first party is not eligible for permanent employment.

8. This workman reiterated in his evidence whatever he has contended in his claim statement.

9. On a scrutiny of the evidence, the first party was appointed as a temporary peon for a fixed period with fixed remuneration. This appointment orders discloses that the work was not continuous. The date of birth of this workman is 2-9-52 when he was considered for this appointment. The first appointment is from 13-7-83. Therefore he was 31 years when he was engaged for this work.

10. As per memorandum of settlements, Ex. M17 to M21 discloses that in these settlements the individual cases of temporary peons have discussed between the management and the union and based on the circular dated 27-8-87 Ex. M22, the union and the management appointed the eligible persons as temporary employees.

11. Since the first party was not an eligible person his name was not considered for temporary appointment. Since there is absolutely no material that the cessation of work does not amount to termination, the first party is not entitled for any benefits under Section 25F.

12. Having regard to the facts and circumstances, the following order is made:—

#### ORDER

The second party have not terminated the services of the workman in the sense it is understood in the legal parlance. Therefore, the first party is not entitled for any relief. The reference is answered accordingly.

(Dictated to the PA. transcribed by her, corrected and signed by me on 16-9-1999).

JUSTICE R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

का०आ० 3079.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-09-99 प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-12012/394/94-आई आर (बी-II)]

सी० गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3079.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman,

which was received by the Central Government on 22nd September, 1999.

[No. L-12012/394/94-IR (B-II)]  
C. GANGADHARAN, Under Secy.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

PRESIDING OFFICER SHRI D. N. DIXIT

CASE NO. CGIT/LC(R) (140)/95

Shri L. L. Agarwal

Represented Through Shri G. P. Gupta

Deputy General Secretary,

Union of the Maharashtra Bank Employees,

Hanuman Mandir Gali,

Yadav Colony,

Jabalpur

.. UNION

V/s

Regional Manager,

Bank of Maharashtra,

R.O. Wright Town,

Jabalpur

.. MANAGEMENT

#### AWARD

Delivered on this 14th day of July 99

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/394/94 IR (B.II) dated 20-7-95 has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal:

#### SCHEDULE

"Whether the contention of the Union of the Maharashtra Bank Employees Jabalpur that the management of Bank of Maharashtra, Jabalpur were not justified in a not assigning the post of Cashier-in-Charge to Sri L. L. Agarwal, Clerk and in debarring him for that post for future is correct? If so, what relief is the said workman entitled to?"

2. On 07-05-99 the Union and the Management filed a joint application that they have settled the present dispute outside the Court. In respect of present reference no dispute Award is passed. Parties to bear their own costs.

3. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India, as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

का०आ० 3080.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंगलूर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-09-99 प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-12012/405/91-आई आर (बी-II)]

सी० गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3080.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22-09-1999

[No. L-12012/405/91-IR(B-II)]  
C. GANGADHARAN, Under Secy.

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated: 15th September, 1999

## PRESENT:

Justice R. Ramakrishna, Presiding Officer.

C. R. No. 34/92

## I PARTY

Sri V. Dinesh Shetty,  
3072/B, II floor, 10th Cross,  
C Block,  
Rajajinagar,  
Gayathri Nagar,  
Bangalore-21.

## II PARTY

The Chairman-cum-  
Managing Director,  
Vijaya Bank,  
Head Office,  
Bangalore-560001.

## AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by Clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2A of the Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute vide Order No. L-12012/405/9-IR (B-II) dated 27th March 1992 for adjudication on the following schedule.

## SCHEDULE

"Whether the management of Vijaya Bank is justified in dismissing the services of Sh. V. Dinesh Shetty, Special Assistant w.e.f. 15-2-91 for alleged misconduct? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The I party was dismissed from service after conducting a Domestic Enquiry on the allegation of charges contained in Ex. M-1(b) dated 28-3-90.

3. The I party joined the service of this bank as a Clerk in the year 1973. He was promoted as a Special Assistant in the year 1986. When he was committed the misconduct, he was working at Maddur branch. While he was working there the II party discovered the indulgence of this workman in committing the misconduct of issuing a cheque book in the name of a fictitious person and then making use of the cheque leaves to withdraw the money from SB account of other customers. He has also made use of that cheque leaves to withdraw some money, which was not available in his account by putting a seal "Pay Cash" and committed this fraudulent act.

4. Secondly, by making use of a loose cheque, by mis-using his Official position he drew the amounts, to the extent of Rs. 10,000 from the account of a Customer M. L. Chowdaiah. He has also withdrawn a sum of Rs. 10,450 in an SB account standing in the name of Smt. Sorvamangala. W/o Manjachar, his Landlord and he once again made use of the Cheque Leaves said to have been issued in the name of Prabhakara a fictitious person. He has also indulged in falsification of accounts and manipulated the records.

5. The I party in his Claim Statement has denied the allegation and contended "Even agreeing for the sake of arguments, without admitting the same, that the I party workman is guilty of the alleged charges, the punishment of dismissal imposed by the II party management which is an economic death penalty, is very much harsh disproportionate to the gravity of alleged misconduct and this tribunal got power and jurisdiction under section 11A of the Industrial Dispute Act 1947".

6. As it regards to the validity of Domestic Enquiry this workman contended more on this aspect of the matter in his Claim Statement. Therefore we have framed a Preliminary issue to give a finding on this point. After recording the evidence of the Enquiry Officer due to absence of this workman, the Tribunal Prima Facie came to the conclusion that the II party have conducted Domestic Enquiry in accordance with law.

7. The learned Advocate of the I party Shri K. V. S. has fair enough to say that he has nothing to say much about merits of the case, but he seeks the indulgence of this Tribunal to exercise the benevolent provisions contained in Section 11A as it regards to the punishment.

8. As against this submission Smt. Sarvamangala the learned Advocate for the II party has submitted that the offence committed by this workman is very grave and the management have lost complete confidence on the integrity of this workman and therefore he is not entitled for any relief under law.

9. The conduct of this party is very peculiar. On the question of Domestic Enquiry MW1 examined on 8-6-1993. He has been cross-examined on 1-7-1996. When this Tribunal closed the evidence of the I party, due to continuous absence he made an application to accord permission. When this Tribunal permitted he has continuously remained absent and therefore the validity of Domestic Enquiry was decided on the basis of the evidence of Enquiry Officer.

10. He has not replied to the allegation of charge only on the ground that his reply amount to sub-judice, as a Criminal case was pending against him for various offences under Indian Penal Code. Therefore, the management are obliged to conduct Domestic Enquiry in the absence of a reply.

11. The Enquiry Officer has examined totally 7 witnesses and the documents marked for the management was from Ex. M-1 to Ex. M-44. The Enquiry Officer on the assessment of both Oral and Documentary evidence came to a conclusion that all the charges levelled against this workman are proved. The Disciplinary Authorities taken into consideration the gravity of the misconduct once again took into consideration explanation offered by this workman and his request for sympathetic consideration was rejected and he was dismissed from service.

12. The law is well settled in misappropriation or corruption of a Bank employee if proved the only punishment is the Order of dismissal. Even temporary misappropriation of Rs. 300 was held to be very grave and the Order of dismissal was upheld by the Apex Court.

13. Having regard to these facts and circumstances the following order is made.

## ORDER

14. The II party are justified in dismissing the services of this Workman Dinesh Shetty for the proved misconduct. The reference is answered accordingly.

(Dictated to the LDC, transcribed by him, corrected and signed by me on 15th September, 1999).

JUSTICE R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

कां० अ० 3081:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुच्छेद में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबंधन के संबंध में निवेदनों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बैंकवार के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-09-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एन-12012/409/91-आर्डी आर (बी-II)]

सी० गंगाधरन, उपर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3081.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22nd September, 1999.

[No. L-12012/409/91-IR(B-II)]  
C. GANGADHARAN, Under Secy.



## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL CUM LABOUR COURT: BANGALORE

DATED: 16-9-1999

## PRESENT:

Justice R. Ramakrishna  
Presiding Officer

C.R. No. 33/92

## I PARTY

Shri K. Kodandaram,

C/o Raja Gopal,  
No. 3, 2nd floor,Kurubara Sangla Building,  
Gandhinagar,  
BANGALORE-9.

## II PARTY

The Chairman-cum-  
Managing Director,  
Vijaya Bank,  
Head Office,  
Bangalore.

## AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) and sub-section 2A of the section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute vide order No. L-12012/409/91-IR(B.II) dated 27-3-1992 on the following schedule:

## SCHEDULE

"Whether the action on the part of management of Vijaya Bank, Head Office, Bangalore in dismissing the services of Shri K. Kodandaram, Clerk of Vijaya Bank w.e.f. 25-2-88 for alleged misconduct is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The first party joined the services of the second party bank in the year 1975 as a Clerk. During 1985 the second party having found that this workman involved himself in engaging in business outside the scope of employment without permission, misusing the official position in the bank to avail a loan from Karnataka Silk Marketing Board (KSMB) on the security of a house which was earlier mortgaged to the bank and also committing forgery of the signature of the Branch Manager in a letter given to KSMB. Therefore, the management kept him under suspension and issued a charge sheet on the allegation that:

- (a) "Engaging in any trade or business outside the scope of your employment, except with the written permission of the Bank is a gross misconduct under Sub-clause (a) of Clause 19.5 of Chapter XIX of Bipartite Settlement, 1966.
- (b) Misusing of official position in the Bank to derive Pecuniary benefits by obtaining loan to the extent of Rs. 1.50 lakhs from M/s. Karnataka Silk Marketing Board Ltd. is an act prejudicial to the interests of the Bank, which is an act of gross misconduct under sub-clause (j) of Clause 19.5 of Chapter XIX of the Bipartite Settlement, 1966."

3. An officer of the bank was appointed as an Enquiry Officer to conduct domestic enquiry. The workman participated in the enquiry. On the report of the Enquiry Officer the management dismissed the services of this workman on the basis of proved misconduct. When the dispute was referred to this tribunal after giving opportunities to both parties to file their statement and counter statement, a preliminary issue was framed to give a finding on the validity of DE. My learned predecessor who conducted the evidence on this issue gave a finding against the management vide its order dated 8-6-1994. In view of this order a direction was given to the second party to prove the charges against the workman independently by placing proper evidence before this tribunal.

4. Consequent to this direction the management examined three witnesses. None of the witnesses were cross examined. The workman was also not examined himself on merits.

5. Before discussing the merits of evidence recorded of the witnesses examined by the second party, we have to advert to the undisputed facts emerging on the basis of the pleadings of the parties.

6. The contention of the first party on the merits of the case is a big zero.

7. The second party in their counter statement have contended that this workman had obtained a loan of Rs. 60,000/- in 1981 for the purpose of a constructed house bearing No. 213/1, II Block, Thyagarajnagar, Bangalore and deposited the original title deeds of the said property as security with the bank. In 1983, it was revealed that, the first party has stated a private trade of Silk Twisting Industry in the name of his wife. The first party had applied to the Karnataka Silk Marketing Board for grant of credit facilities. When the Silk Marketing Board asked for securities, the first party representing his wife and by virtue of an authority letter filed several affidavits before the Board wherein he has made false statements to the effect that he had lost the original title deeds of the above said house property (i.e. house property bearing No. 213/1, II Block, Thyagarajnagar, Bangalore which has already been mortgaged to the bank by way of handing over connected original documents to the bank for availing housing loan) and the first party has said further that he had not mortgaged the said house. The first party has made this declaration even though he, as stated earlier, had mortgaged the house property to the bank against loan. Further, he has issued no objection certificate in a bank letter-head forging the signature of Senior Manager stating that the house bearing No. 213/1, II Block, Thyagarajnagar, Bangalore is neither mortgaged nor kept as a security for bank loan.

8. To justify the misconduct committed by this workman, the management examined 3 witnesses. MW2, Shri K. Prabhakara Hegde, a retired official has stated in his evidence that from 1975 to 1984 he was working as a Senior Manager in the Planning section at Bangalore. The first party was working as a clerk under his supervision. During his tenure he did not issued no objection certificate to the first party. He has further deposed that Ex. M8, a certificate was not issued by him. The signature found in that certificate has a Senior Manager is not his signature. The CBI recorded his statement.

9. This evidentially proved the forgery committed by this workman.

10. MW 3, Shri Xavier was examined to prove the involvement of this workman in conducting a business without prior notice of the bank. This witness has deposed that he is working as Assistant Marketing Officer at KSMB. One Suryanarayana Gowda was incharge of processing the loan application is not alive. He further deposed as per the records maintained in the board, a loan was given to the first party. Ex. M2 consisted of the loan application and the report for sanctioning the credit facility. The application also accompanied by affidavits Ex. M3, M4, M5 and M6. Ex. M7 is the Memorandum of Deposit of Title Deed by the first party and his wife. Ex. M8 is a no objection certificate indicating no lien or mortgage on this property. Ex. M9 is a covering letter given by the first party and his wife. Ex. M10 dated 2-1-84 is a request letter for enhancement of loan. The loan was enhanced as per order Ex. M11 dated 31-1-84. Since the loan was not discharged, the board filed a civil suit and the same is pending.

11. MW4, L. Nagaraja Chetty was examined to speak about the housing loan granted to this workman. He has stated that the first party availed a loan from South End Road Branch Office where he was working as an officer. Since the housing loan was sanctioned, the first party was requested to execute an agreement by depositing the title deeds. He has executed an agreement as per Ex. M12. He has also executed two promissory notes in accordance with rules. Since there was default in the payment of loan amount the bank has sent a letter as per Ex. M13. First party has confirmed his liability as per Ex. M14. The first party asked the bank seeking an additional loan of Rs. 3000/- on the same security by a letter dated 1-4-81. The first party has not repaid the loan.

12. The first party workman was found very irregular in attending this tribunal. His advocate was also not appearing in the court. This tribunal has issued RPAD which was served to the first party. But he has not appeared. He was also absent when the evidence was recorded of the three witnesses. Therefore, we have posted this dispute for award on 26-4-99. Unfortunately the office has not placed this



record to pass an award. The pendency of this dispute was noticed when the first party filed an application dated 16/21-6-99 for recalling the order and permitting the first party to cross examine the witnesses. As I said earlier, the second party opposed this application and filed objection. One of the contention in the objection statement was that the witnesses who have been examined are not easily available as one witness was a retired official, another witness is from KSMB. After hearing both sides this tribunal has passed an order rejecting the said application. While rejecting the application this tribunal has taken the pleadings made in the claim statement and also the evidentiary value of the witnesses who have been examined by the second party. Since considerable time has already been elapsed and due to default committed by the first party, which was intentional and deliberate, the application was dismissed.

13. The assessment of the evidence does not give rise to extending any benefit in favour of the first party workman. The second party have proved beyond reasonable doubt that the first party indulged in committing the misconducts alleged in the charge sheet.

14. Having regard to these facts and circumstances I made the following order:

#### ORDER

The second party are justified in dismissing the services of the first party w.e.f. 25-2-88. The reference is answered accordingly.

(Dictated to the PA, transcribed by her, corrected and signed by me on 16-9-1999.)

JUSTICE R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

का०आ० 3082.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार देना बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-09-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एन-12012/443/89-डी-II(ए)]

सी० गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3082.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Dena Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22-9-1999.

[No. L-12012/443/89-DII(A)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Presiding Officer, Shri D. N. Dixit.

Case No. CGIT/LC/R/119/90

Shri Radhe Shyam Sahu,  
Represented through  
M.P. Dena Bank Employees Union,  
C/o Regional Office,  
Dena Bank,  
Behind Jai Ram Talkies,  
Raipur.

Union

V/s

The Regional Manager,  
Dena Bank,  
Behind Jai Ram Talkies,  
Raipur.

.. Management

#### AWARD

Delivered on this 17th day of August, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/443/89 dated 25-4-99 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dena Bank in terminating the Services of Shri Radhe Shyam Sahu, daily rated mazdoor and not considering him for further employment while recruiting fresh hands is justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?"

2. The workman Radhe Shyam Sahu remained absent from the hearing of the present case from 16-7-98. It seems he is not interested in prosecuting the present case. Award is given in favour of the management. Parties to bear their own costs.

3. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

का०आ० 3083.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-09-99 प्राप्त हुआ था।

[सं० एन-12012/457/90-आई आर (बी-II)]

सी० गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3083.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman, which was received by the Central Government on 22-09-99.

[No. L-12012/457/90-IR(B II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Presiding Officer, Shri D. N. Dixit.

Case No. CGIT/LC/R/124 91

Shri K. S. R. S. Setty,  
Represented through  
The Dy. General Secretary,  
Union of the Maharashtra Bank Employees,  
Diwana Bhavan,  
Shriram Nagar,  
Garha,  
Jabalpur.

Union.

V/a

The Dy. General Manager,  
Industrial Relation,  
Bank of Maharashtra,  
Central Office,  
'Lokmangal',  
1501, Shivaji Nagar,  
Pune.

.. Management

## AWARD

Delivered on this 16th day of August, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-12012/457/90-IR(B-2) dated 24-6-91 has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal:

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in not acceding to the request of Sh. K. S. R. S. Setty for transfer to Ankapalli/Vishakapatnam/Kakinada branches is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Both the parties filed a joint petition stating that they have compromised the dispute outside the Court. No Dispute Award is pronounced. Parties to bear their own costs.

3. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1999

कां०अ० 3084:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निबिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बैंगलूर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 22-09-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-12025/7/94-आईआर (बी-II)]

सी० गंगाधरण, उदर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1999

S.O. 3084.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22-2-99.

[No. L-12025/7/94-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR  
COURT, BANGALORE

Dated : 15th September, 1999

PRESENT :

Justice R. Ramakrishna, Presiding Officer

C.R. No. 13/97

Sri Chandrakantha T. Bhandge,  
Ashoknagar,  
Chandranagar,  
HUBLI-580 032.

## II PARTY

The Assistant General  
Manager, Zonal Office,  
Syndicate Bank,  
BHO GAUM.

## AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2A of the Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute vide Order No. L-12025/07/94-IR(B-II) dated 6th January 1995 for adjudication on the following schedule.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Syndicate Bank, Belgaum in terminating the services of Shri Chandrakantha T. Bhandge for some alleged misconduct is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The I party was dismissed from service after conducting a Domestic Enquiry on the allegation of Charge contained in Ex. M-3 dated 12-6-1989.

3. This workman was appointed as an Attender under the relevant point of time. He was working at Lakshmeshwar branch of Dharwad district, when he has committed misconduct shown in the Charge Sheet. The charges in brief is as follows :

"That the first party when he was working as an Attender in the Lakshmeshwar Branch, was entrusted with the LSCs for collection/encashment at the local Banks. The I party was given 4 cheques for collection of other local Banks, amounting to Rs. 2,284.95. That soon after the cheques were given to the I party for collection, an entry was made in the records of the Branch under LSCs. The I party has acknowledged as to the receipt of the entrustment for collection of the above said 4 cheques. The I party presented 1 cheque on 27-9-88 and obtained payment in cash. However the amount was not accounted for in the books of accounts of Lakshmeshwar Branch till 3-10-1988. Thereafter, on 3-10-1988 as he has not remitted the amount to the Bank, the I party presented further 2 cheques and obtained payment thereof in Cash. Out of the amounts received a sum of Rs. 246.30 was accounted for under LSC 424 on 3-10-1988. However, the amount of Rs. 545.00 received by the I party in respect of LSC 423 was not accounted for in the books of the Branch on 3-10-88 as he has not remitted it. The I party presented the remaining 1 cheque on 25-11-88 and encashed LSC for Rs. 969.55 at KCC Bank and obtained cash. The I party did not remit this amount to the Bank on 25-11-88.

After enquiries regarding the above LSCs, the I party has come forward to remit the proceeds of the cheques. The I party temporarily misappropriated the funds of the II party."

4. The I party gave a reply to the Charge Sheet as per Ex. M-4. The contents are reproduced below:

"I acknowledge the receipt of your letter No. CGC/B.S.M./89/17 dated 12-6-1989.

I respectfully submit that the alleged instruments/cheques mentioned in the above letter have been received by me for collection and the amount of proceeds thereof have been remitted to the branch with a little delay.

It is not my intention to retain the bill-cheque amount for my utilisation. I have reimbursed the entire amount of the proceeds stated in the above letter in full settlement thereof.

I regret for the inconvenience caused to the Bank, I assure you that I will not give scope for such allegations in future and I will be careful in performing my duties entrusted to me.

Under the circumstances explained above, I request you that the entire matter may be please be brought under 19.12(a) of the Bipartite Settlement and please drop further proceedings in the matter by taking a final view."

5. The II party however decided to conduct a Domestic Enquiry to prove the misconduct independently.

6. Proceedings of Enquiry Ex. M-1 discloses that this workman has accepted the guilt for the offence committed by him. This can be found at page 2 of the proceedings which are reproduced below :

"Q. Do you admit the charges levelled against you or have you any defence in this regard ?

A. I admit the charges levelled against me and plead guilty. I am submitting my written statement dated 15-12-1989 which may be kindly be placed on record. Further I may please be permitted to make my Oral submission at the end."

7. However, the management examined one witness, this witness was not cross-examined, the Oral submission made before the Enquiry Officer is marked as Ex. M-10(a) which is reproduced below :

"Oral Submissions of Sri Chandrakant T. Bhandge :

I am Chandrakant T. Bhandge working as an Attender of Lakshmeshwar Branch since 1984. I have already admitted the charges and allegations at the commencement of the enquiry. In addition to what I have stated in my letter dated 15-12-1989 submitted by me before you, I submit that during my 5 years service, I have not given scope for such adverse reports against me. It was not my intention to retain the amount of LSC for my utilization. I have already reimbursed the

entire amount stated in the charge sheet without knowing the consequences I resorted to this. I regret for the inconvenience caused to the Bank and I assure that I will not give for such lapses in future. I therefore request you to condone the lapses on my part and to take a final view in this regard. That is all I wish to submit."

8. The Enquiry Officer on the basis of plea of guilt and also on the basis of the fact being proved by a witness, gave a report as per Ex. M-12 holding that the I party was guilty of gross misconduct of doing acts prejudicial to the interest of the Bank.

9. The Disciplinary Authority after the report was sent, gave further opportunity to this workman. After taking into consideration his explanation an Order was made dismissing him from the services of the Bank with immediate effect. The Appellate authority rejected the appeal filed by the workman.

10. Initially we have framed a preliminary issue to give a finding on the validity of Domestic Enquiry. After providing both Oral and Documentary evidence placed by both parties this issue was held in favour of the management. The parties are permitted to address their arguments on merits.

11. The facts narrated above are undisputed. The question is under these facts and circumstances whether this Tribunal can interfere as it relates to the punishment imposed by the Management.

12. The learned advocate for the I party has submitted that the I party has committed this blunder within a short period from his employment, and since he has reimbursed all the money which he has temporarily misappropriated and therefore an interference as it regards to the punishment is necessary in the interest of justice.

13. As against this submission the learned advocate for the II party contended that this workman within a short period from his appointment, accepting the fact that he was an Attender has misused his position and thereby the bank has lost confidence on his integrity and therefore the punishment of dismissal was quite appropriate.

14. It is no doubt that the I party has committed a temporary misappropriation by totally ignoring his responsibility and knowing the consequence. But at this state what we have to consider is that the standard of education of this workman was only 9th class. His services are unblemished until he committed the misconduct narrated above. But he has not contested the allegation made against him but he has accepted the fact before the Enquiry Officer and other authorities. His prayer is that he has committed this offence without understanding the consequence and therefore some lenient view is to be taken as it regards to the punishment. Therefore only question that can be posed into in this case is proportionality of punishment.

15. The law is well settled as declared in *ROD v/s. Padmanabhadu* 1094 (2) KAR 11425. In *Municipal Committee Bandwanah v/s. Krishnan Babu and Others*

1996 LAB IC 1056 that the punishment for temporary misappropriation or with that of misappropriation the punishment is dismissal.

16. In fact in *State of Karnataka and others v/s. H. Nagaraj* reported in JT 1998(9) SC 37, Supreme Court directed that the Tribunal cannot reduce the penalty imposed by the Disciplinary Authority as a matter of routine. The principle of proportionality can be invoked regarding punishment only in a case where the punishment was totally irrational in the sense that it was in outrageous defiance of logic or moral standards.

17. The judgement referred to above were decided where the Workman not pleaded guilty but contended the Claim of the management, and after elaborate evidence the guilt of the workmen were proved in the cases cited above and not with this background, I may say so with respect, the law has become very harsh and therefore the punishment was not less than an order of dismissal.

18. But here is case where the workman was pleaded guilty until he was dismissed and the witness to deny these things came for the first time when the reference was made to this court for adjudication. Therefore the analytical view is that the Claim Statement was drafted by a learned advocates, may be with a feeling that the workman may be a favourable order. It is wrong.

19. This workman at the threshold of his career committed this misconduct. His educational qualification is very much limited. His reply Ex. M-4 demonstrates that he felt nothing much was happened by keeping the money in his custody without depositing for some period and to deposit the same latter. Therefore, we have to take these facts into consideration and in this background we have to examine whether the punishment was totally irrational in the sense that it was in outrageous defiance and legitimate or moral standards. Therefore the Tribunal is empowered to take these facts into consideration for objective satisfaction that the appeal made by the workman was spontaneous with the element of complete truth. It is the submission of the I party advocate, to extend the benevolent provisions contained in section 11A has to be examined. Section 11A was introduced by Act 45 of 1971. Section 11A reads as follows :

“Whether an Industrial Dispute relating to the discharge or dismissal of a workman has been referred to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal for adjudication and, in the course of the adjudication proceedings, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal as the case may be, is satisfied that the Order of discharge or dismissal was not justified, it may, by its award, set aside the order of discharge or dismissal and direct reinstatement of the workman on such terms and conditions, if any, as it thinks fit, or give such other relief to the workman including the award of any lesser punishment in lieu of discharge or dismissal as the circumstance of the case may require :

Provided that in any proceeding under this section the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, shall rely only on the materials on record and shall not take any fresh evidence in relation to the matter.”

20. I am not subscribing myself to the action of the management that they are not justified in dismissing the service of this workman on the prove misconduct. My endeavour is to find out whether in a given circumstances, the Tribunal lacks to invoke to Section 11A? My answer is in the affirmative.

21. In *R. M. Parama v/s. Gujarat Electricity Board* (in 1982) Lab IC 1031 Mr. Justice Thakkar, Late Chief Justice of Gujarat High Court in his celebrated judgement has exhaustively dealt with punishments. The learned judge states that :

“When difference categories of penalties can be imposed in respect of the alleged fault, one of which is dismissal from service, the disciplinary authority perforce is required to consult himself for selecting the most appropriate penalty from out of the range of penalties available that can be imposed, having regard to the nature content and gravity of the default. Unless the disciplinary authority reaches the conclusion that having regard to the nature, content and magnitude of the faulty committed by the employee concerned, it would be absolutely unsafe to retain him in service, the maximum penalty of dismissal cannot be imposed. If a lesser penalty can be imposed without seriously jeopardising the interest of the employer the disciplinary authority cannot impose the maximum penalty of dismissal from service. He is bound to ask the inner voice and rational faculty why a lesser penalty cannot be imposed.

It cannot be overlooked that by an large it is because the maximum penalty is imposed and total ruination stares one in the eyes that the employee concerned is obliged to approach the court and avail of the costly and time-consuming machinery to challenge in desperation the order passed by the disciplinary authority. If a lesser penalty was imposed, he might not have been obliged to take recourse to costly legal proceedings which result in loss of public time and also result in considerable hardship and misery to the employee concerned.”

22. The brief guidelines are supplementary to Section 11A. This workman was dismissed from the service in the year 1990. When the authorities failed to refer the dispute for adjudication he has filed writ petition before the Hon'ble High Court of Karnataka and on the direction of the court this reference was made by the Central Government.

23. On a reading of Section 11A it is for the benefit of the workman. The analogous provision can be found in Section 360 of Criminal Procedure Code and Probation of Offenders Act. The intentment of

the above provisions are to see that a person who has been convicted and sentenced to undergo imprisonment can be released on admonition for good conduct. The probation of Offender act is to see not to condemn a person immediately a charge is proved against him but to see that he was allowed to live with other people, and a Probation Officer shall assist him in moulding his character. Therefore I am not able to find much difficulty in the social philosophy of Section 360, Probation of Offenders Act and Section 11A of the Industrial Disputes Act.

24. Having regard to these facts and circumstances the suffering undergone by this workman in loss of job since 1990 is sufficient. Therefore I make the following order.

### ORDER

25. The Order of dismissal made by the II party is hereby interfered. In substitution, the II party are directed to reinstate the party to the position he was held before his dismissal. There shall be continuity of service but is not entitled for any monetary benefits including payment of backwages.

(Dictated to the L.D.C. transcribed by him, corrected and signed by me on 15th September 1999).

JUSTICE R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1999

कां०आ० 3085:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार तमिलनाडु मिन्सल लि० के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण/अस न्यायालय चेन्नई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-29012/34/98-आई आर (विविध)]

बी०एम० डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 1999

S.O. 3085.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Chennai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tamilnadu Minerals Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 1-10-99.

[No. L-29012/34/98-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, CHENNAI

Monday, the 16th day of August, 1999

3022 GI/99-20

### PRESENT :

Thiru S. Ashok Kumar, M.Sc. B.L. Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 124 of 1998

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Tamil Nadu Minerals Ltd., Chennai-5).

### BETWEEN :

Shri R. Mani, S/o Ramaswamy,  
Thavalapatti, Attur Taluk,  
Salem-636 001

### AND

Tamil Nadu Minerals Ltd.,  
The Chairman-cum-Managing Director,  
31, Kamarajar Salai, 'TWAD' House,  
Chepauk, P.O. No. 2961,  
Chennai-5.

### REFERENCE :

Order No. L-29012/34/98/IR(M) dated 7-9-98, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru R. Viduthalai, advocate appearing for the Management, upon perusing the reference, and other connected papers on record and the workman being absent, this Tribunal passed the following :

### AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :

"Whether Shri R. Mani, ex-Chisleman worked on piece rate basis is a workman within the meaning of Section 2(S) of Industrial Disputes Act, 1947? If Shri R. Mani is a workman, whether the action of the management of Tamil Nadu Minerals Ltd. Chennai, in denying employment to him w.e.f. December, 1994 is justified or not? If not justified, to what relief Shri R. Mani is entitled?"

Private notice served. Petitioner called absent. Dismissed for default.

Dated, this the 16th day of August, 1999.

THIRU S. ASHOK KUMAR, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1999

कां०आ० 3086:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार तमिलनाडु मिन्सल लि० के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण/अस न्यायालय चेन्नई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-99 प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-29012/49/98-आई आर (विविध)]

बी०एम० डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 1999

S.O. 3086.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Chennai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tamil Nadu Minerals Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 1-10-1999.

[No. L-29012/49/98-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, CHENNAI

Monday, the 2nd day of August, 1999

PRESENT :

Thiru S. Ashok Kumar, M.Sc. B.L., Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 134 of 1998

In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Tamil Nadu Minerals Ltd., Chennai-5).

BETWEEN

Shri K. Dharmalingam,  
S/o Karuppakavundar, Melthombai Keeripatti Post,  
Attur Taluk, Salem-636 001.

AND

Tamil Nadu Minerals Ltd.,  
The Chairman-cum-Managing Director,  
31, Kamarajar Salai, 'TWAD' House,  
Chepauk, P.O. No. 2961,  
Chennai-600005.

REFERENCE :

Order No. L-29012/49/98/IR(M) dated 16-11-98, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

The dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru R. Viduthalai, advocate appearing for the Management, upon perusing the reference, and other connected papers on record and the workman being absent, this Tribunal passed the following :

#### AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :

"Whether Shri K. Dharmalingam, Ex-Chisleman worked on piece rate basis is a workman within the meaning of section 2(S) of Industrial Dispute Act, 1947? If Shri K. Dharmalingam is a workman, whether the action of management of Tamil Nadu Minerals Ltd., Chennai in denying the employment to him effect from December, 1994

is justified or not? If not justified, to what relief Sri K. Dharmalingam is entitled?"

Private notice served. Petitioner called absent. Dismissed for default.

Dated, this the 2nd day of August, 1999.

THIRU B. ASHOK KUMAR, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1999

कांआ० 3087.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बगरो बॉक्साइट माइन ऑफ इंडियन अल्यूमिनियम कं० लि० के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/अथ न्यायालय धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एम-29015/5/92-आई आर (विविध)]

वी०एम० डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 1999

S.O. 3087.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Co. Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 1-10-99.

[No. L-29015/5/92-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

PRESENT :

Shri B. B. Chatterjee, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 157 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Co. Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—None.

On behalf of the employers.—None.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Aluminium Mines.

Dated, Dhanbad, the 21st September, 1999.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-29015/5/92-IR(Misc.), dated the 16th September, 1999.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Co. Ltd. in dismissing Shri Manohar Singh Neech, Mechanic w.e.f. 28-4-1979 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. In this reference both the parties appeared and filed their respective W.S. etc. Subsequently they abstained from appearing before this Tribunal and taking any steps. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is being rendered and the reference is disposed of on 'No dispute' Award basis on the presumption of non-existence of any industrial dispute between the parties presently.

B. B. CHATTERJEE, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1999

कां० अ० 3088 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार चिनुभाई कालिदास एंड ब्रदर्स के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय मुम्बई नं०-2 के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एन-31012/20/97-आई आर (बिबिध)]

बी०एम० डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 1999

S.O. 3088.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Mumbai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Managing Director, M/s. Chinubhai Kalidas & Bros and their workmen which was received by the Central Government on the 1-10-99.

[No. L-31012/20/97-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Paise, Presiding Officer.

Reference No. C.G.IT-2/81 of 1998

Employers in relation to the management of the Managing Director, M/s. Chinubhai Kalidas & Bros., Dhannur, 2nd Floor, 15, Sir P. M. Road, Post Box No 792, Mumbai-400001.

## AND

Their Workmen,  
Transport and Dock Workers Union,  
The Secretary,  
P.D. Mello Bhavan, P. D. Mello Road,  
Carnac Bunder,  
Bombay.

## APPEARANCES :

For the Employer :

Mr. S. K. Chaturvedi &  
Mr. Neel Helekar, Advocates.

For the Workmen :

Mr. S. R. Wagh, Advocate...  
Mumbai, dated 1st September, 1999

## AWARD—PART-I

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-31012/20/97-IR(M), dated 15-6-1998, had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

"Whether the action of the management M/s. Chinubhai Kalidas & Bros. by terminating services of Shri S.D. S'Sa, Sr. Clerk w.e.f. 23-7-1997 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

2. The Transport & Dock Workers Union, Mumbai filed a Statement of Claim at Exhibit-6. It contended that Sri S.D. D'sa, Senior Clerk (herein after referred to as the workman) was employed in the employment of M/s. Chinubhai Kalidas & Bros. Licensed Custom House Agent (herein after referred to as the company). The company conducts its business of clearing and forwarding agents at major port at Mumbai.

3. On 7th June, 1997 the company addressed a letter to the workman alleging the charges of misconduct against him. The workman by his letter dtd. 10-6-97 denied the charges. The company without holding any departmental inquiry or without following due process of law illegally terminated his services w.e.f. 23-6-97. It is submitted that he is in continuous service of the company for last 26 years.

4. The Union prayed that under such circumstances the company may be directed to reinstate the workman in service with full back wages and continuity in service w.e.f. 23-6-97 with other reliefs.

5. The management resisted the claim by the Written Statment (Exhibit-8). It is pleaded that the workman was not doing any work in the dock and was engaged only as a clerk to visit various companies for bringing blank Bills of Lading form and realising the Bills of Lading. Therefore the Tribunal has no jurisdiction to entertain the present reference. The Central Government is not appropriate authority. It is averred that the company came to know that false vouchers were prepared by the workman and he committed a criminal breach of trust. Therefore the chargesheet was issued to him and he practically accepted the charges therein. The company lost confidence in the workman. It, therefore terminated his service. It is averred that the company also lodged an FIR against the workman and later on filed a private complaint in the Metropolitan Magistrates Court. It is averred that the company reserves its

right to lead evidence and prove the misconduct before the Tribunal to justify its action. It is submitted that the workman had no case and he is not entitled to any of the reliefs as claimed.

6. The workman filed a Rejoinder at Exhibit-9. He contended that he was performing duties as a custom clerk and dock clerk and his duties are connected with Export and Import cargo handled by the company. In addition to that the company is a licence custom house agent having licence No. 11/11 and conducts its business in the major port of Mumbai. It is therefore the appropriate Government is the Central Government and the Tribunal had jurisdiction to decide the reference. It denied all other contentions taken by the company in their Written Statement which is contrary to the Statement of Claim.

7. The issues are framed at Exhibit-11. The issues Nos. 1 & 4 are treated as preliminary issues. The issues and my findings there on are as follows :—

Issues	Findings
1. Whether the inquiry which was conducted against the workman was against the Principles of Natural Justice ?	There was no inquiry.
4. Whether the Tribunal has jurisdiction to decide the reference ?	Yes.

#### REASONS

8. Manubhai Vadodaria (Ex-16) the Manager of the company in categorical term accepts that there was no departmental inquiry against the workman. It can be seen that the workman was given a charge-sheet dtd 7th June, 1997 (Ex-C) to the Written Statement which he replied by his letter dtd. 10-6-97 and denied the charges. That letter is not produced on the record. The company thereafter by its letter dtd 21-6-97 (Ex-D) terminated the services of the workman, without holding a departmental inquiry.

9. The main contention of the company is that the Tribunal has no jurisdiction to decide the reference as the Central Government is not appropriate Government to refer the dispute to this Tribunal. This contention was taken on the basis that the workman was not doing any work pertaining to major port.

10. Vadodaria (Ex-11) affirms that the workman was appointed as a courier clerk. The courier clerk has to visit various shipping company to collect and release their bills of lading forms. He affirmed that the workman was doing that work and he was not working in the dock and his nature of work is not related with the dock activity. He further affirmed that the dock pass was issued to him was only to facilitate entry into the dock, to convey messages to the workers who worked in the dock in case of emergency. In the cross examination he accepts that the company is a clearing and forwarding agent. The Collector of Customs had allotted them a number 11/11 to work in the major port of Mumbai. He further accepts that Bills of Lading forms are necessary to export goods. He also admits that there is no courier clerk. He also accepts that the workman was given a dock entry permit on their recommendations.

11. Sabastain D'Sa (Ex-18), the workman affirm that he worked in Mumbai Port and Docks and also at custom house. He affirmed that he was doing the work in connecting with import and export of cargo. He states that he was given dock entry permit and custom house pass on the recommendation of the company performing duty for the company. In his searching cross-examination it is tried to bring on the record that he had not gone to the docks, he had not done any work pertaining to major port and that he does not remember of doing any work relating to dock and customs.

12. After going through the testimony of the workman and the management witness it reveals that the workman was working as a senior clerk. He was issued with the dock entry permit and custom house pass. The work which was done by him was pertaining to import and export of goods. Naturally the work which was done by him is connected with the work in the major port.

13. The Learned Advocate for the company placed reliance of Radhye Shyam Bagaria Vs, Union of India 1980 (40) FLR I wherein Their Lordships observed that the nature of the activity of the management to the extent of its relationship with the port work should be considered in the light of evidence adduced before the parties. It cannot be accepted that in the case of the company is engaged in Ship building or ship repairing the said company cannot be considered to be carrying on work connecting major port. It is tried to suggest on the basis of this observations and further observations in the judgment that the evidence which is adduced before this Tribunal is to be taken into consideration while considering which is an appropriate Government. There is no dispute over the proposition which was made by the Learned Advocate for the company on the basis of this authority.

14. The Learned Advocate for the management then placed reliance on General Superintendants company Vs, General Secretary Goa Dock Labour Union 1983 II LLN 748, wherein Their Lordships observed that the dispute relating to iron are samples is not one concerning major port and the Central Government is not an appropriate Government. He accepts that this ruling was over ruled by Their Lordships of the Supreme Court reported in 1985 I LLN 237. Their Lordships have observed the Tribunal has to see that the workman involved in the reference are doing the work connected with the major port or not. Obviously the Tribunal has to see this position I have already discussed above the evidence which is laid before the Tribunal by the parties which clearly indicates that the work which was carried out by the workman relates to the major port.

15. In Transport and Dock Workers Union Vs. Khemka & Co, 1991 II CLR 678 Their Lordships observed that in enacting section 2(a) the intention of the legislatures appears to make the Central Government an appropriate Government in relation to Industrial Dispute concerning workers in major ports. In the absence of elaboration in the Industrial Disputes Act the Central Government would be the appropriate Government to make the reference under section 10 of the



Act when the dispute is between the management and the workers employed in the works considered as incidental to or connected with operations in major port. The circumstances namely issuance of the entry pass to the port, the work which was carried out by the workman was admittedly in connection with the export of goods clearly suggests that his work is incidental to or in connection with the operation in the major port. I rely upon the ratio given in the above said authority.

16. The Learned Advocate for the union placed reliance on *Tulsidas Khemji Vs. Jijabhai* 1961 1 LLJ 42 That was a case wherein Their Lordships observed that a partnership which was having four departments (1) clearing and shipping (2) godown department (3) Insurance department and (4) Godown supervision and controlling department. It observed that the worker working in these departments are doing the work concerning to all major port. Admittedly in this case the company is a clearing and forwarding agent and works at major port. It is therefore, on the basis of the ratio given in this authority and the evidence which is lead before me the appropriate government is the Central Government and the Tribunal has jurisdiction to decide the reference.

17. The company in paragraph 12 in categorical terms has stated that it reserves its right to lead evidence to prove the misconduct of the workman. Under such circumstances the opportunity is to be given to the company to justify its action. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :—

#### ORDER

The Tribunal has jurisdiction to decide the reference.

The management is allowed to lead evidence justify its action.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1999

का०आ० 30 89 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टुटीकोरिन पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चेन्नई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-44012/1/93-आई०आर (बिचित्र)]  
बी०एम० डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 1999

S.O. 3089.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal/Labour Court, Chennai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of

Tuticorin Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 4-10-99.

[No. L-44012/1/93-IR(Misc)]

B. M. DAVID, Under Secy.

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
TAMIL NADU, CHENNAI.

Monday, the 14th day of June, 1999

PRESENT :

THIRU S. ASHOK KUMAR, M.Sc. B.L.  
Industrial Tribunal

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 63 OF 1993

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Tuticorin Port Trust)

BETWEEN :

Smt. T. N. Andal Clo R. Rangaraja Iyengar,  
T.C. 41, 1211 (New T.C. 40/1566), Ram  
Nivas East Puthan Street, Manacad P.O.  
Trivandrum.

And

The Chairman, Tuticorin Port Trust, Tuticorin-  
628 004, Tamil Nadu.

REFERENCE :

Order No. L-44012/1/93-IR(Misc.) dated  
15-7-1993, Ministry of Labour, Govt. of  
India, New Delhi.

This dispute after restoration, coming on this day for final hearing on Thursday, the 6th day of May, 1999, upon perusing the reference, claim and counter statement and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru R. Arumugam for Tvl. Aiyer & Dolia, advocates appearing for the Workman and of Tvl. M. Venkatachalapathy and M. Sriram, Advocates appearing for the management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

#### AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :

“Whether the action of the management of Tuticorin Port Trust in removing Smt. T. N. Andal from the services with effect from 27th April, 1989 is justified, if not, to what relief she is entitled ?”

2. The main averments found in the claim statement filed by the petitioner are as follows :

The petitioner joined the respondent Port Trust on 15-12-79 as Lower Division Clerk and she had put in 8 years of continuous and unblemished record of service. The petitioner's first daughters born on 8-2-1986 and the second daughter was born on 17-10-1987. As petitioner's first daughter was not doing well and her daughter who was only 2 months old required mother's constant care and attention. the petitioner by her application dated 10-12-87

requested the respondent for extension of leave by 2 more yrs beyond 2-1-1988. Instead of considering her request, the Traffic Manager of the respondent stated issuing memos refusing leave and threatened to initiate departmental action. The Traffic Manager flaily and without assigning any reasons refused her leave requested. The petitioner was constrained to make an appeal on 1-5-1988 to the Chairman of the respondent Trust through proper channel i.e. through Traffic Manager requesting to grant two years extraordinary leave narrating the circumstances and reasons. In that appeal the petitioner mentioned about the unjust and arbitrary decision of the Traffic Manager in refusing her leave. The said appeal was not forwarded to the Chairman by the Traffic Manager and hence no reply was received from the Chairman. The Traffic Manager issued a charge sheet dated 20-8-1988 alleging that the petitioner had been unauthorisedly absent from 5-1-88 onwards in violation of Regulation 20(2) of Tuticorin Port Employees (Leave) Regulation, 1979. The petitioner by her explanation dated 20-9-88 denied the charges levelled against her. The Traffic Manager ordered for an enquiry and appointed the Deputy Traffic Officer, his own Deputy who was working under his direct control as Enquiry Officer. The Enquiry Officer by his letter dated 4-1-89 intimated that the Enquiry would be held on 13-1-89. The Petitioner by her letter dated 9-1-89 conveyed her inability to attend the enquiry as her child was not well. Then the enquiry was adjourned to 23-1-89. The petitioner by her letter dated 19-1-89 informed the enquiry officer that she was unable to attend the enquiry due to her illness. The petitioner also enclosed the Medical certificate and or written statement of defence. The Enquiry Officer instead of giving her an opportunity, conducted the enquiry 31-1-89. No witness was examined and no document was produced and no document was marked in the enquiry. The management representative merely produced his written brief dated 31-1-89 containing his arguments. The enquiry officer submitted his findings dated 13-3-1993 holding that the charges framed against her are proved. The Enquiry conducted by the Enquiry Officer is not fair and proper and his findings are perverse and one sided. The Enquiry Officer relied on certain records to arrive at his conclusion but in the enquiry proceedings or in the findings the same was not disclosed what are the records produced and relied on. It is clear from the Enquiry findings that the enquiry was held on 31-1-89.

"As per her request enquiry was held on 31-1-89 taking into account her written statement of defence"

The Enquiry proceedings dated 31-1-89 was not furnished to the petitioner alongwith the findings. When the petitioner insisted a copy of the Enquiry proceedings then the respondent furnished a copy of the enquiry proceedings. In the enquiry proceedings the management representative stated that the petitioner was unauthorisedly absent from 5-1-1988 onwards and then filed his written brief on the statement of defence submitted by the petitioner. Enquiry officer arrived at his conclusion relying on certain records said to have been received behind the back of the petitioner. No opportunity was given to the petitioner to peruse the documents or records. Thus,

the enquiry is vitiated. Disciplinary authority who issued the charge sheet appointed his own subordinate officer who is under his direct control i.e. Deputy Traffic Manager, as Enquiry Officer which is in violation of principles of natural justice. Subordinate officer submitted his findings with the wishes of his immediate superiors. Enquiry officer arrived his conclusion on the basis of the sole written brief submitted by the management representative in the enquiry. Enquiry Officer failed to see that the petitioner's application for extraordinary leave was refused without assigning any reasons. The respondent issued an order of punishment dated 27-4-88 imposing the capital punishment of compulsory retirement from service. The enquiry officer failed to see that when an employee failed to get any favourable relief from the concerned officer, then the aggrieved employee would approach the higher authority for such relief. Admittedly when the petitioner failed to get the relief of sanction of leave, she approached the Chairman by sending an appeal dated 1-5-1988. This appeal was also sent through proper channel. The concerned authority instead of forwarding the same for a decision by the Chairman, to wreck vengeance on the petitioner issued the charge sheet and conducted the enquiry and then imposed the capital punishment. The Enquiry officer failed to see that in view of the pressing family circumstances and ill health, she was not able to join duty and this action can never be termed as 'unbecoming of an employee or failed to maintain devotion to duty'. The Enquiry Officer failed to consider that the Regulation of the Respondent Trust provides for grant of Extraordinary leave to its employees and the denial of the same to the petitioner was purely to wreck vengeance against her as she made an appeal to the Chairman. The enquiry officer failed to consider the various contentions raised in the written defence and written brief of the petitioner and as such the findings is perverse and one sided one. The Enquiry officer even failed to consider that the petitioner was thrown to the last resort of submitting her resignation due to the continued duress and coercion applied on the petitioner by the Traffic Manager without showing a little kindness or sympathy or humanitarian consideration when especially extraordinary leave was granted to other employees on various considerations. The respondent issued an order of punishment dated 27-4-88 imposing the capital punishment of compulsory retirement from service. The Disciplinary authority failed to furnish copy of enquiry report, findings and other relevant documents. No show cause notice was issued to the petitioner. The petitioner filed an appeal to the Chairman and the Chairman in order dated 28-11-89 dismissed her appeal. Both Disciplinary Authority and Appellate Authority failed to consider past unblemished record of service of 8 years before imposing the capital punishment of compulsory retirement from service. The Tribunal has got powers to interfere with the punishment imposed and modify the punishment imposed on the petitioner under Sec. 11A of the I.D. Act, 1947. The petitioner prays to pass an award holding that the order dated 27-4-89 imposed on the petitioner is not justified and direct the respondent to reinstate the petitioner with continuity of service with full backwages and attendant benefits, fits.

3. The main averments found in the counter statement filed by the Respondent are as follows :

The petitioner was appointed as L.D.C. on 15-12-79 A.N. in Tuticorin Port Trust. Her services were confirmed from 31-7-82. In her letter dated 8-2-86, she had applied for maternity leave for 90 days from 8-2-1986 as she delivered a child on 8-2-86. Therefore, Petitioner was granted maternity leave for 90 days from 8-2-86 to 8-5-86. She did not turn up for duty after expiry of leave. In letter dated 8-5-86, petitioner applied for extension of leave for 2 months, from 8-5-86 to 7-7-86 on medical grounds. As she was continuously absent from duty from 9-6-1986 onwards, she was directed to appear before the Chief Medical Officer, Tuticorin Port Trust for examination and second medical opinion. She was also informed that sanction of leave would be considered based on the second medical opinion as to her fitness or otherwise for duty, in Port's letter dated 5-8-1986. The said letter was also served on her. The date of medical examination was also fixed on 5-9-86. But petitioner did not turn up for medical examination. In letter dated 23-8-86, petitioner reported that she could not appear before the Chief Medical Officer, Tuticorin Port Trust for medical examination as her doctor advised her to postpone her travel from Trivandrum to Tuticorin in view of her health conditions. She applied for extension of leave on loss of pay for 90 days from 6-10-86 to 4-1-87. In Port's memo dt. 3-11-86, she was informed that her request for extension of leave from 6-10-86 to 4-11-87 could not be acceded to and therefore, she should report for duty within 7 days from receipt of the memo and failure to do so would entail severe disciplinary action against her for dereliction of duty. But she had not reported for duty. Instead, in her letter dated 8-11-86, she requested for grant of eligible leave only. As she was continuously away from duty from 8-2-86 and was on overstays of leave since 9-5-86 she was directed to report to the nearest Government hospital at Trivandrum for express medical opinion as to whether she would be ever fit to resume duty in Port's letter dated 17-12-1986. On such direction, she appeared before Dr. R.M.K. Nair Civil Surgeon Kerala Health Services General Hospital, Trivandrum on 4-1-87. The Doctor after examining her on 4-1-87, issued a certificate that she had recovered from her illness and was fit to resume duty in Board's service. Petitioner in her letter dt. 4-1-87, has also stated that she was looking forward to join duty on 5-1-87. But she did not report for duty on 5-1-87. Instead in her letter dated 5-1-87, she applied for leave for 30 days with effect from 5-1-87 on the ground that her child fell ill. The petitioner had not indicated the nature of leave required for. Subsequently on 25-1-87, she applied for one year extraordinary leave on loss of pay on private affairs with effect from 5-1-87 on the ground of her child's ill health. All along she requested for the grant of leave on her own reported ill health. But, since the opinion of the Doctor about her health on 4-1-1987, she applied for leave on the ground of her child's ill health. From 8-2-1986, she had not reported for duty. However, as the Doctor, Government Hospital Trivandrum had not commented adversely on the correctness of the medical treatment taken by her earlier, and on a sympathetic consideration the leave period was regularised on 13-3-87 as follows :

Period	Total days	Kind of leave
i) From 8-2-86 to 8-5-86	90	Maternity leave
ii) From 9-5-86 to 7-7-86	60	Medical leave with MC
iii) From 8-7-86 to 5-10-86	90	-do-
iv) From 6-10-86 to 4-1-87	90	-do-
v) From 5-1-87 to 4-1-88	357	Medical leave without MC

The total period of her absence from duty including the period of leave already sanctioned to her thus worked out to 687 days. Thus, she had to join duty on 5-1-88. Instead of rejoining duty on 5-1-88, she simply applied for extension of leave for another 2 years from 5-1-1988 to 4-1-1990 stating that her first child aged 1-1/2 years was not well and her one month second child required her care and attention. The second child was born during October 1987. In the normal circumstances, she should have resumed duty immediately after availing the sanctioned leave on maternity grounds. According to the leave regulations, maternity leave is only for a period of 3 months. The individual was managing to enjoy the facility outwilling everyone and the Regulations in force, besides creating a precedence which was not conducive for the effective functioning of an organisation. Sympathy could be shown only to some extent on matters like this on humanitarian grounds and could not be considered proper beyond certain limits. It also became very difficult and a sort of unhealthy condition, when the steps taken by the management to make her to report for duty do not appear to have had any desirable impact on the employee, as her continued callous attitude towards her duty, even after availing leave continuously for 687 days. In the circumstances, her request for grant of leave for another two years from 5-1-88 was not found acceptable. Therefore, she was repeatedly informed that any leave to her beyond 4-1-88 was refused and that she should report for duty forthwith in Memo dt. 27-1-88, 22-2-88, 30-3-88 and 27-4-88. She was also informed that refusal in any form to report for duty would be viewed very seriously and that disciplinary action would be taken against her. A detailed audit note dated 4-10-88 based on the review made by the Internal Audit unit was received, wherein the prolonged absence of the employee was commented upon. The case was placed before the Chairman, Tuticorin Port Trust and a decision was taken at his level to recall her from leave. A representation to the Chairman submitted by the employee for further sanction of leave, was also not considered favourably to her in view of this decision. Availing of leave is not a matter of right, but is always subject to administrative convenience and sanction. The Management considered that her persistence in prolonging her absence after availing leave for 687 days was unrealistic and wilful. According to Regulation 20(2) of Tuticorin Port Employees (Leave) Regulation, 1979 wilful absence after expiry of leave will render an employee liable for disciplinary action. According to Regulation 5, ibid, the authority empowered to grant leave shall have the discretion to grant leave or refuse leave at any time according to the exigencies of Board's service. Since the efforts taken by the management requesting the employee to join duty did not yield the desired result, it was decided to initiate disciplinary action against her. The reply dated 20-9-88 given by the petitioner was quite

evasive, irresponsible and discourteous. Denying the charges, she stated that she was not sure of getting justice and concluded that if the management was not prepared to and could not render justice, her letter might be treated as a letter of resignation under duress and coercion from the management. What was stated by the employee was not correct and did not bear the factual information. She was never asked to resign nor did the Port harass or coerce her in any manner. She was only asked to rejoin duty. A speaking letter dated 19-11-88 was sent to her directing her to join duty. Also, it was indicated to her that her letter referred to above could not be construed as a letter of resignation, and the resignation was not accepted. Since she did not join duty and denied the charges, an enquiry was ordered. The employee did not attend the enquiry conducted on 13-1-89 stating that her second child was not well. Therefore, the enquiry was postponed to 23-1-89. It was indicated to her that if she did not turn up, the enquiry would be held *ex parte*. In spite of this, she did not attend the enquiry. But a written statement of defence was sent by her to the Enquiry Officer, stating her physical presence for the enquiry be dispensed with since she was unwell and the enquiry proceeded with, taking into account her written statement of defence. The enquiry officer after completion of enquiry proceedings had submitted a report to the effect that the charges were proved. The Disciplinary Authority accepted the findings of the Enquiry Officer and imposed the penalty of 'compulsory retirement' on the employee w.e.f. 27-4-89. The order was served by RPAD, which was received by the employee on 1-5-1989. Subsequently, on 2-5-1989 after receipt of the said order she sent a Telegram with drawing her second resignation letter dated 13-3-1989. A reply was given to her stating that the letter, intimating withdrawal of resignation, signed by her on 3-5-1989, after receipt of the order imposing a major penalty of 'compulsory retirement' from service, did not require any consideration. Thereafter, petitioner submitted an appeal against the order of penalty issued to her, to the Chairman, Tuticorin Port Trust, the Appellate Authority. The Appeal was dismissed by the Appellate authority on the ground that no fresh facts were brought out in the appeal. The action of the respondent management in compulsorily retiring Smt. T. N. Andal, from service w.e.f. 27-4-87 is justified. The respondent prays to dismiss the claim.

4. In the rejoinder statement the petitioner has stated as follows :

The allegation that the petitioner was continuously absent from duty from 9-5-86 onwards is not correct. There is no substance in that allegation in view of the respondent's own admission that these leave periods were regularised in para 6 of their counter statement. The allegation that the petitioner did not turn up for medical examination is not correct. In view of the respondent's own admission in para 4 of the counter. The petitioner's letter dt. 23-8-86 itself will reveal that she explained her inability well in advance to the respondent. When an employee falls to ill-health, extension of leave will be requested on genuine grounds submitting the detailed facts and giving relevant certificates from the Doctor. Therefore, there is no substance in the statement

that in her letter dt. 8-11-86 she requested for the grant of eligible leave only. There is no substance in the allegation that the petitioner did not report for duty on 5-1-87. The petitioner's letter dated 4-1-87 reflects the genuine interest of the petitioner to join duty when her health condition was improved but when her another child became ill and there was no other person to look after the child, the petitioner was unable to fulfil her wish and was compelled to extend the leave due to circumstances beyond her control. A telegram was also sent to the respondent intimating the real position. It is not correct to state that all along the petitioner requested for the leave on her own reported ill-health. There is no substance in the allegation as the respondent themselves accepted the medical certificates and regularised the leave. She has applied for leave only based on real grounds. When she was ill, she applied leave stating that fact. The leave applied by the petitioner was sanctioned and regularised after satisfying the genuineness of the grounds applied. After sanctioning the leave, it is not open to the respondent to make allegations which itself shows that respondent's whole action is mala fide and not based on any valid grounds. No reasons were given refusing EOL applied for 2 years. Therefore, the statement that her request for grant of leave for another 2 years was not acceptable is not based on any valid reason and she was not informed specifically in any of the letters even before issuing charge sheet or after one year from the date of charge sheet. The respondent for the first time has come with a new plea about the audit note dated 4-10-88 and the consideration of the same by the Chairman. This was not disclosed earlier to the petitioner. The said audit note is the basic document on which the respondent initiated action against the petitioner and finally passed the final order. That basic document was not furnished to the petitioner. If the respondent had furnished the copy of the said audit note, then she could have had the opportunity to meet those adverse remarks made against her and convince the enquiry officer and the Chairman that requests for leave were all based on genuine and valid grounds. Thus, the principles of natural justice has been violated and enquiry is vitiated. The petitioner placed various new fresh facts in the appeal petition. The appellate authority without applying his mind passed the order.

5. On behalf of the petitioner no witness was examined and no document was marked. On behalf of the respondent management Ex. M.1 to M.52 have been marked by consent.

6. The Point for consideration is—Whether the action of the management of Tuticorin Port Trust in removing Smt. T.N. Andal from the services w.e.f. 27-4-89 is justified. If not, to what relief she is entitled ?

7. The Point.—The petitioner Smt. T.N. Andal joined the respondent Port Trust on 15-12-79 as L.D.C. On 8-2-86 she sent Ex. M.1 letter for granting of Maternity leave for 90 days for confinement and delivered a child on 8-2-86. The leave applied by the petitioner was granted by the respondent vide Ex. M.2 order. On 8-5-86 the petitioner sent Ex. M.3 letter requesting extension of leave for 2 months by enclosing a medical certificate. Again on 8-7-86, the petitioner sent Ex. M.4 Leave letter for extension

of leave on loss of pay for 90 days from 8-7-86 to 5-10-86. On 5-8-86 the respondent sent Ex. M.5 letter directing the petitioner to appear before the Chief Medical Officer, Luncheon Port Trust for medical examination and second medical opinion on which sanction of leave to her will be considered. The petitioner sent Ex. M.6 letter dated 25-8-86 to the respondent stating that her health condition does not permit her to travel to Luncheon from Trivandrum and has assured to present herself before the Chief Medical Officer of the respondent on improvement of her health condition. Once again by Ex. M.7 letter dated 28-8-86 the respondent directed the petitioner to appear for re-medical examination in the Luncheon Port Trust hospital on 5-9-86 and also warning her that failure to appear for re-medical examination will be viewed seriously and disciplinary action will be taken against her for unauthorised absence. On receipt of the said letter the petitioner sent Ex. M.8 telegram stating that Doctor advised to avoid travel and prayed for postponement of medical examination. On 6-10-86, the petitioner sent Ex. M.9 letter to the respondent requesting 90 days leave on loss of pay from 6-10-86 to 4-1-87 enclosing a medical certificate. On 3-11-86, the respondent sent Ex. M.10 letter to the petitioner informing her that her request for further extension of leave from 6-10-86 to 4-1-87 cannot be acceded to and directed her to report for duty within 7 days from the date of receipt of memorandum failing which she will be dealt with under severe disciplinary proceedings for dereliction of duty. On 8-11-86 the petitioner sent Ex. M.11 letter informing the respondent her inability to travel for joining duty as per medical advice. On 17-12-86 the respondent sent Ex. M.12 letter to the petitioner directing her to report to the nearest Government Hospital for examination and report medical certificate which should contain the express opinion of the Medical Officer both as regard facts of her illness and as regards the necessity for the amount of leave recommended. On 4-1-87 the petitioner sent Ex. M.13 letter informing the respondent that she has reported at G.H. where examination was conducted and the certificate given by the Doctor was also enclosed and her willingness to join duty on 5-1-87. The medical certificate attached along with Ex. M.13 has been issued by one Dr. R.M.K. Nayar, Civil Surgeon, of Kerala Health Services, Government Hospital, Trivandrum wherein it is mentioned that the petitioner has recovered from her illness and is now fit to resume duty in Port's service. The very next day i.e. on 5-1-87 the petitioner sent Ex. M.14 letter requesting 30 days leave w.e.f. that day on the ground that her child became seriously ill. On 25-1-87 the petitioner sent Ex. M.15 letter praying for one year extraordinary leave on loss of pay on private affairs w.e.f. 5-1-87 and the application enclosed with the said letter is Ex. M.16. The Certificate of birth of the petitioner's daughter on 17-10-87 is Ex. M.17. On 10-12-87 the petitioner has sent Ex. M.18 letter requesting extension of EOL for 2 years w.e.f. 5-1-88 to enable her to take care of her children's health. On 27-1-88, the respondent sent Ex. M.18 Memorandum to the petitioner informing that the extension of leave for 2 more years beyond 4-1-88 is not acceptable and directed the petitioner to report for duty within 7 days from the date of receipt of memorandum failing which suitable departmental action would

be taken against her. After sending Ex. M.20 telegram the petitioner sent Ex. M.21 letter informing her presence at Trivandrum is highly essential for the betterment of her children and to sanction extraordinary leave and not to take disciplinary action against her. On 22-2-88, the respondent sent Ex. M.22 memorandum informing her that she has not been granted any extension of leave beyond 4-1-88 and that disciplinary action is contemplated against her and directed her to report for duty forthwith. The reply sent by the petitioner for the above letter is Ex. M.23. On 30-3-88 the respondent issued another memorandum informing the petitioner about her unauthorised absence and her failure to report for duty forthwith and that refusal in any form would be viewed seriously and Disciplinary action against her was being contemplated and the petitioner was directed to report for duty on or before 17-3-88 failing which action will be taken against her. On 6-4-88, the petitioner sent Ex. M.25 reply once again praying for 2 years extraordinary leave without pay as a very very special case. Again by letter dated 27-4-88 the petitioner was again finally advised to report for duty on or before 2-5-88 failing which she will be suitably proceeded against under the Rules. The internal audit note on verification of service book of the petitioner is Ex. M.27. In the internal audit note it is mentioned as follows :

"The service book of the L.D.C. reveals that she was in the habit of availing herself of long periods of leave after 1-4-85. In fact during the past three and half years, she attended the office only for 103 days, whereas during that period she has earned leave for a period of 100 days. Even though she is entitled to earn leave during the leave period also except E.O.L. it is an irony that she earned more leave than the attendance given by her."

The different kinds of leave sanctioned to her during the past three and half years are indicated below :

1. Earned leave	78 days
(excluding surrender leave of 39 days)	
2. Half pay leave	120 days
3. Maternity leave	90 days
4. E.O.L. with M.C.	228 days
5. E.O.L. without M.C.	377 days
Leave yet to be regularised (upto 15-10-88)	283 days
	<hr/> 1178 days <hr/>

According to the Rule 5 of the T.P.T. Employees (Leave) Regulation, 1979 leave cannot be claimed as a matter of right and the authority empowered to grant leave shall have discretion to grant leave or to refuse or to revoke leave at any time according to the exigencies of the Board service. It does appear that the incumbent is not inclined to join duty after the expiry of the leave. As such it may have to be

considered whether the sanction of leave with salary is desirable. It is also to be stated that the vacant post of the Traffic department can be transferred to some other departments, where it is needed in as much as the Traffic department is able to manage with the works even the long leave of the L.D.C. The clerk is on leave continuously from 8-2-86 (i.e.) more than two and half years. Prior to that also she was on leave from 10-4-85 to 22-12-85 with a small break by attending duty for few days i.e. 1-7-85 to 21-8-85, 24-8-85 to 28-8-85, 1-9-85 to 15-9-85 and 23-12-85 to 7-2-86. On 4-12-88, the petitioner sent Ex. M.28 letter to the Chairman of the Port Trust appealing to grant leave of absence and to order release of maternity leave benefits which were rejected by the Traffic Manager and also prayed for sanction of 2 years of E.O.L. The fresh application submitted by her for maternity leave for 3 months from 1-10-87 onwards is Ex. M.29. On 20-8-88 the respondent issued Ex. M.30 memorandum containing the substance of imputation of misconduct with respect of which an enquiry was proposed to be held against the petitioner and directed the petitioner to submit her statement of defence within 10 days. Since the petitioner failed to submit her statement of defence, another memorandum Ex. M.31 dated 13-9-88 was sent to the petitioner giving her another opportunity before proceeding *ex parte* enquiry against her requiring petitioner to submit her statement of defence before 26-9-88. The petitioner was informed by a letter dated 29-8-88 that her request for treating the period of her absence from 1-10-87 to 31-12-87 was not acceded to and therefore, the question of any payment of leave salary to her does not arise. The note approval regarding the request of the petitioner's request for leave for another 2 years is Ex. M.33. On 20-9-88, the petitioner sent detailed reply to the Traffic Manager wherein she has contended that the present higher officers are not satisfied with her record of service and forced her to join duty under odd circumstances detrimental to the health of her two infant children. She has no option but to offer her designation under duress and coercion from the authorities. On 19-11-88 the respondent sent Ex. M.35 memorandum to the petitioner stating that on no occasion she was asked to tender her resignation, that she was neither harassed nor coerced in any manner, that the competent authority only directed her to join duty in view of exigencies of port work, that the statement in her letter dated 20-9-88 that she is tendering her resignation under duress and coercion is therefore, neither factual nor correct, and that as such her letter dated 20-9-88 cannot be construed as letter of resignation and no further action can be taken and again she was given further opportunity to join duty within 10 days from the date of receipt of memorandum. On 28-12-88, the Deputy Traffic Manager was appointed as Enquiry authority to enquire into the charge against her as seen from Ex. M.36 order. On 4-1-89, Enquiry officer sent Ex. M.37 memorandum to the petitioner and to the Presenting Officer fixing the enquiry on 13-1-89. On 9-1-89, the petitioner sent Ex. M.38 letter requesting photostat copies of all the documents, evidence, note proceedings of the enquiry etc. On 12-1-89, the respondent sent Ex. M.39 letter informing the petitioner that the enquiry has been postponed to 23-1-89 and as per her request, a copy of each of the documents shown in the annexure of the charge

memo have been sent along with the letter. But the petitioner failed to appear for the enquiry on 23-1-89 and sent Ex. M.40 letter annexing the written statement of defence and stated that she is not able to appear for the enquiry on 23-1-89 due to her sickness and also enclosed a medical certificate. On 18-1-89 the petitioner sent Ex. M.41 letter enclosing medical certificate. On 13-3-89 the petitioner sent Ex. M.43 covering letter address to the Chairman of the respondent Port Trust which contained in annexure, letter of resignation with a request to accept her resignation and settle her service benefits. Enquiry was conducted on 31-1-89 and the findings of the Enquiry officer and the Enquiry officer's report is Ex. M.43. In his report, Enquiry officer has held that the two charges (1) She has been unauthorisedly absent from 5-1-86 onwards in violation of Regulation 20(2) of the Tuticorin Port Employees (Leave) Regulations, 1979 and (2) She has acted in a manner unbecoming of an employee of the Port and failed to maintain devotion to the duty and thereby violated Regulation 3(1) of Tuticorin Port Employees (Conduct) Regulations, 1979 are proved. Accepting the findings of the Enquiry officer, Disciplinary authority passed final order dated 27-4-89 compulsorily retiring the petitioner from service. Thereafter the petitioner sent a telegram Ex. M.45 to the Chairman of the respondent withdrawing her resignation letter with immediate effect. On 26-5-89 the respondent sent Ex. M.47 to the petitioner informing that the respondent has not directed her on any account to tender her resignation in their letter dated 19-11-88 and that her resignation dated 13-3-89 has not been considered and that a major penalty of compulsory retirement was imposed on the petitioner based on the report of the enquiry officer against her. Thereafter the petitioner sent Ex. M.48 appeal to the Chairman to set aside the penalty of compulsory retirement. The letter sent by Traffic Manager to the petitioner on 27-6-89 is Ex. M.49. By order dated 28-11-89 Chairman of the Port Trust dismissed the appeal preferred by the petitioner and the said order is Ex. M.50. The Tuticorin Port Trust employees (Leave) Regulations is Ex. M.51 Tuticorin Port Trust Employees' Conduct Regulations, 1979 is Ex. M.52.

From the gist of the facts which emerge from the correspondence between the petitioner and the respondent management, the point to be decided is whether the petitioner had intention to join duty under the respondent management or the respondent management had vindictively punished her by imposing the punishment of compulsory retirement. The first maternity leave applied by the petitioner for 3 months for a period from 8-2-86 to 8-5-86 was readily granted by the respondent by Ex. M.2 order. Thereafter the petitioner has been sending leave letters for 2 months and another 90 days upto 5-10-86. Therefore, the respondent by Ex. M.5 dated 5-8-86, directed the petitioner to appear before the Chief Medical Officer of the respondent management for medical examination and second medical opinion, for the purpose of sanction of the leave required by the petitioner. But the petitioner requested to postpone her appearance before the Medical Officer on health grounds. Thereafter the respondent sent Ex. M.7 memo dated 28-8-86 directing the petitioner to appear for re-medical



examination in the respondent's hospital on 5-9-86. For the said memorandum also the petitioner did not respond. Thereafter the respondent sent Ex. M.10 memorandum dated 3-11-86 directing the respondent to report for duty within 7 days from receipt of the memorandum. Once again the petitioner failed to report for duty. Thereafter the respondent sent Ex. M.12 memorandum dated 17-12-86 directing the petitioner to report before the nearest General hospital for examination and medical report/certificate. The Civil Surgeon of General Hospital, Trivandrum has certified in Ex. M.13 that the petitioner has recovered from her illness and is fit to resume duties in the respondent's service. Even after this certificate the petitioner did not join duty and this time she started saying that her child became ill and therefore again applied for 30 days. When she prayed for 30 days leave under Ex. M.14 dated 5-8-87, she sent letter Ex. M.15 dated 25-1-87 requesting one year of extraordinary leave on loss of pay on private affairs. The petitioner has also sent Ex. M.18 letter dated 10-12-87 requesting for extraordinary leave for 2 years w.e.f. 5-1-88. Therefore, the respondent sent Ex. M.19 memorandum dated 22-1-88 directing her to join duty within 7 days from the date of receipt of memorandum failing which departmental action would be taken against her. The petitioner once again failed to join duty and began sending letters on the ground of health condition of her children. Again on 22-2-88 the respondent sent Ex. M.22 memorandum directing the petitioner to report for duty within 7 days. Once again the petitioner failed to join duty. Again on 30-3-88 the respondent sent Ex. M.24 memorandum to resume duty on or before 7-4-88, advising the petitioner to join duty. As usual the petitioner did not join duty. Thereafter the respondent sent Ex. M.26 memorandum dated 27-4-88 advising the petitioner to report for duty on or before 3-5-88. The petitioner did not join duty as advised by this memorandum also. Therefore, the respondent has initiated disciplinary proceedings against the respondent who did not report for duty for 1178 days in the whole period. On 20-8-88 the respondent has sent Ex. M.30 memorandum enclosing the article of charge and other documents directing the petitioner to submit written statement of defence. Since there was no reply from the petitioner, another memorandum Ex. M.31 dated 13-9-88 was sent to the petitioner to submit written statement before 26-9-88. When charges were framed and memos were issued requiring the petitioner to submit her statement of defence, the petitioner who was all along praying softly for sanction of leave etc. completely turned around and started saying in a loud voice that she has no option but to offer her resignation under duress and coercion as mentioned in her letter Ex. M.34 dt. 20-9-88. In spite of such a harsh letter from the petitioner, the respondent in Ex. M.35 memorandum dated 19-11-88 has given one more chance to the petitioner to join duty within 10 days from the date of receipt of the memorandum and that on no occasion the petitioner was asked to tender her resignation and that she was never harassed nor coerced in any manner to submit a letter of resignation. Thereafter, Thiru A. Damodaran, Deputy Traffic Manager was appointed as Enquiry authority to enquire into the charges against the respondent. Ex. M.33 enquiry notice was sent to the petitioner requiring her appearance on 13-1-89. The petitioner failed to

appear on that day for the enquiry. Therefore, the enquiry was postponed to 23-1-89 and the petitioner was intimated by enquiry notice Ex. M. 39 dated 12-1-89. Again the petitioner failed to appear for the enquiry. Finally on 13-3-1989 the petitioner sent Ex. M. 43 letter of resignation to the respondent management. Meanwhile the enquiry was completed and the enquiry report was also submitted to the respondent management. On 27-4-89 the respondent management has accepted the Enquiry report and imposed a punishment of compulsory retirement Ex. M.44 provided under Regulation 9 of Tuticorin Port Employees (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1979. After imposing the penalty of compulsory retirement, on 3-5-89 the petitioner sent Ex. M.46 telegram withdrawing the resignation sent by her earlier on 13-3-89. Again on 26-5-89 the petitioner sent Ex. M.47 letter withdrawing the resignation after imposing the major penalty of compulsory retirement. From the facts narrated above, it could be seen that the respondent management has given not less than 5 chances for the petitioner, to rejoin duty by sending various memorandums Ex. M.10, M.19, M.22, M.24, M.26, etc. The petitioner also failed to appear before the respondent's medical officer to prove that she was really sick. When the petitioner was given the option to appear before the nearest General hospital at Trivandrum, she has appeared and the doctor has certified that she is physically fit to join duty. The petitioner who ought to have joined duty on 5-1-87 again failed to join duty this time on the ground that her child was sick. The petitioner has also failed to appear for the domestic enquiry and therefore the enquiry has been held ex parte. The contention of the petitioner that necessary documents were not furnished to her is not factually true. By Ex. M.30 Memorandum dt. 20-8-88 all the documents which the respondent wanted to rely upon have been sent to the petitioner. Further in the charge against the petitioner for unauthorised absence, the important documents that will be considered are leave applications sent by the petitioner and the memorandums sent by the respondent which would be very much available with petitioner herself. Therefore, the contention of the petitioner that she was not given the copies of documents relied upon by the respondent in the domestic enquiry is neither true nor sustainable. The respondent management has been very patient in granting time after time to the petitioner to join duty. But the attitude of the petitioner is to avoid joining duty on some pretext or the other in spite of repeated orders of the respondent which would conclusively prove that the petitioner never had the intention to join duty. Therefore, the respondent has rightly framed charges and conducted enquiry and for the proved misconduct of unauthorised absence, the petitioner has been compulsorily retired.

In the result, as there is no merit in the claim of the petitioner, the same is dismissed. Award passed. No costs.

Dated, this the 14th day of June, 1999.

THIRU S. ASHOK KUMAR, Industrial Tribunal

## WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

## DOCUMENTS MARKED

For workman : Nil.

For Management :

- Ex. M1|8-2-86—Maternity leave requested by Smt. T. N. Andal (xerox copy).
- Ex. M2|26-2-86—Grant of Maternity leave by the Tuticorin Port Trust (xerox copy).
- Ex. M3|8-5-86—Extension of leave on Medical Certificate for two months from 9-5-86 respected by Smt. Andal. (xerox copy)
- Ex. M4|8-7-86—E.O.L. for further 90 days from 8-7-86 requested by the petitioner. (xerox copy)
- Ex. M5|5-8-86—Directed the petitioner to appear before the CMO/TPT for 2nd Medical opinion in Port letter. (xerox copy)
- Ex. M6|23-8-86—Reply from the petitioner.
- Ex. M7|28-8-86—Memo issued by the port. (xerox copy)
- Ex. M8|5-9-86—Telegram from the candidate and received in Port.
- Ex. M9|6-10-86—Letter from the petitioner requesting 90 days LLP from 6-10-86 to 4-1-87 (xerox copy)
- Ex. M10|3-11-86—Memo issued by the Port. (xerox copy)
- Ex. M11|8-11-86—Reply from the candidate with reference to memo. dated 3-11-86. (xerox copy)
- Ex. M12|17-12-86—Port's memo. (xerox copy).
- Ex. M13|4-1-87—Reply from the candidate in letter along with Medical certificate issued by Dr. K. M. K. Nayar, Trivandrum.
- Ex. M14|5-1-87—30 days leave requested by the petitioner. (xerox copy)
- Ex. M15|25-1-87—1 year LLP requested by the petitioner.
- Ex. M16|Nil—Application for leave for 2 years from 5-1-88 received from the petitioner.
- Ex. M17|28-10-87—Birth certificate issued by Thanjavur Municipality.
- Ex. M18|10-12-87—Letter requesting EOL for two years from 5-1-88 received from the petitioner.
- Ex. M19|27-1-88—Memo of the Port. (xerox copy)
- Ex. M20|7-2-88—Telegram from the petitioner received in Port on 8-2-88
- Ex. M21|11-2-88—Letter from the petitioner.
- Ex. M22|22-2-88—Port's memo (xerox copy).
- Ex. M23|29-2-88—Letter from the petitioner (xerox copy)

- Ex. M24|30-3-88—Port's memo. (xerox copy).
- Ex. M25|6-4-88—Letter from the petitioner.
- Ex. M26|27-4-88—Port's memo (xerox copy).
- Ex. M27|10-10-88—Port IA Unit I.D. note and CPT order.
- Ex. M28|4-12-88—Letter from the petitioner. (xerox copy)
- Ex. M29| —Maternity leave application for 3 months received from the petitioner for the period from 1-10-87 to 31-12-87.
- Ex. M30|20-8-88—Port letter. (xerox copy)
- Ex. M31|13-9-88—Port letter.
- Ex. M32|29-10-88—Port's letter.
- Ex. M33|27-12-88—Note approval of the CPT.
- Ex. M34|20-9-88—Letter from the petitioner.
- Ex. M35|19-11-88—Port's memo.
- Ex. M36|28-12-88—Orders for posting I.O. and P.O.
- Ex. M37|4-1-89—I.O.'s memo to the petitioner.
- Ex. M38|9-1-89—Reply from the petitioner.
- Ex. M39|12-1-89—I.O.'s letter.
- Ex. M40|Nil—Reply from the petitioner in her letter along with written statement for inquiry.
- Ex. M41|18-1-89—Letter along with Medical certificate from the petitioner.
- Ex. M42|13-3-89—Resignation letter of Smt. T.N. Andal. (xerox copy)
- Ex. M43|14-3-89—Inquiry report of the I.O. (xerox copy)
- Ex. M44|27-4-89—Order of compulsory Retirement issued to the petitioner.
- Ex. M45|Nil—Page 44 and 45 of note file No. T. 10-4-88E.
- Ex. M46| —Telegram dated 3-5-89 from the petitioner withdrawing resignation letter dated 13-3-89.
- Ex. M47|26-5-89—Letter from Smt. T. N. Andal.
- Ex. M48|29-5-89—Letter from Smt. T. N. Andal addressed to the CPT.
- Ex. M49|27-6-89—Port's letter to petitioner-worker.
- Ex. M50|28-11-89—Order of the CPT.
- Ex. M51| —Tuticorin Port Trust Employees (Leave) Regulations, 1979
- Ex. M52| —Tuticorin Port Trust Employees (Conduct) Regulations, 1979.

Dated, this the 14th day of June, 1999

Sd/-

Industrial Tribunal.



नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1999

का.आ. 3090.— केन्द्रीय सरकार संतुष्ट है कि लोक-हित में ऐसा अपेक्षित है कि किसी भी तेल क्षेत्र में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 17 के अन्तर्गत निदिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए ।

अतः यह औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए

तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं. एस-11017/10/97-ओ.स. (नो.वि.)]

एच.सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 8th October, 1999

S.O. 3090.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Services in any Oil Fields which is covered by item 17 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/10/97-IR(PL)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

